



# जनसत्ता

## महबूबा व उमर के खिलाफ पीएसए के तहत मामला

श्रीनगर, 6 फरवरी (भाषा)।

जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्रियों महबूबा मुफ्ती और उमर अब्दुल्ला समेत नेशनल काँग्रेस और उसकी धुर प्रतिद्वंद्वी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के दो कद्दावर नेताओं के खिलाफ गुरुवार को प्रशासन ने जन सुरक्षा कानून (पीएसए) के तहत मामला दर्ज किया। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस की मौजूदगी में मजिस्ट्रेट ने उस बंगले में जाकर महबूबा को आदेश सौंपा जहां उन्हें नजरबंद रखा गया है। उन्होंने बताया कि उमर अब्दुल्ला के खिलाफ भी पीएसए के तहत मामला दर्ज किया गया है।

नेशनल काँग्रेस के महासचिव और पूर्व मंत्री मोहम्मद सागर को प्रशासन ने पीएसए नोटिस थमाया। शहर के बाकी पेज 8 पर



महबूबा मुफ्ती और उमर अब्दुल्ला

पीडीपी के एक अन्य नेता सरताज मदनी के खिलाफ भी पीएसए के तहत मामला दर्ज किया गया है। मदनी महबूबा मुफ्ती के मामा हैं।

## लोकसभा में प्रधानमंत्री ने कहा सीएए विरोधी प्रदर्शनों से देश में फैल सकती है अराजकता

जनसत्ता ब्यूरो नई दिल्ली, 6 फरवरी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कांग्रेस एवं वाम दलों पर नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध में लोगों को उकसाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नजर में मुसलिम सिर्फ मुसलिम हैं, लेकिन हमारे लिए वो भारतीय हैं, हिंदुस्तानी हैं। उन्होंने कहा कि सीएए से देश के किसी भी नागरिक पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि संविधान बचाने के नाम पर दिल्ली और देश में क्या हो रहा है, वह पूरा देश देख रहा है और देश की चुप्पी कभी न कभी रंग लाएगी। उन्होंने बताया कि संसद, राज्य विधानसभाओं के फैसलों के खिलाफ सड़कों पर विरोध प्रदर्शनों और आगजनी से अराजकता आ सकती है और सभी को इससे धिंतित होने की जरूरत है।

जनगणना और राष्ट्रीय जनसंख्या पंजी (एनपीआर) को सामान्य प्रशासनिक गतिविधि करार देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह गतिविधि देश में पहले भी होती आई है लेकिन राजनीतिक मजबूरियों के कारण आज इसका विरोध बाकी पेज 8 पर

सीएए का नहीं होगा किसी नागरिक पर प्रभाव, एनपीआर पर भ्रम नहीं फैलाया जाए। संविधान बचाने के नाम पर लोगों को भड़काने वालों को देश देख रहा है। सबका साथ, सबका विकास के मंत्र के साथ आगे बढ़ रही है सरकार। अर्थव्यवस्था को लेकर निराश होने की जरूरत नहीं।

हम भी आप लोगों के (कांग्रेस) रास्ते पर चलते, तो शायद 70 साल के बाद भी इस देश से अनुच्छेद 370 नहीं हटता। - नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री



### प्रधानमंत्री के दौरे से पहले दो आईडी बरामद, एक गिरफ्तार

गुवाहाटी, 6 फरवरी (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के असम दौरे से पहले राजधानी गुवाहाटी में दो आईडी लगाने के आरोप में उल्फा के एक संदिग्ध बाकी पेज 8 पर

### किसी को प्रधानमंत्री बनना था, इसलिए देश का बंटवारा कर दिया : मोदी

नई दिल्ली, 6 फरवरी (ब्यूरो)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) पर हो रहे प्रदर्शनों के लिए गुरुवार को कांग्रेस पर तंज करते हुए कहा कि देश ने देख लिया कि 'दल के लिए कौन है और देश के लिए कौन है'। प्रधानमंत्री मोदी बाकी पेज 8 पर

## दिल्ली में चुनाव प्रचार थमा, मतदान कल

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 6 फरवरी।

दिल्ली विधानसभा चुनाव का प्रचार अभियान गुरुवार को संपन्न हो गया। मतदान शनिवार को होगा। इस बार चुनाव में यहां 70 सीटों पर 668 उम्मीदवार मैदान में हैं।

दिल्ली चुनाव की घोषणा छह जनवरी को हुई थी, जबकि अधिसूचना 14 जनवरी को जारी हुई थी। गुरुवार शाम प्रचार थमने के साथ ही यहां करीब महीने भर से चल रहा चुनावी शोर भी थम गया। इस दौरान भाजपा ने शाहीन बाग में चल रहे सीएए विरोधी प्रदर्शन को केंद्र में रख आक्रामक प्रचार अभियान चलाया। आम आदमी पार्टी ने जहां अपनी सरकार की मुफ्त बिजली-पानी और महिलाओं के लिए निशुल्क बस यात्रा जैसी योजनाओं को जोर-शोर से सामने रखा। वहीं कांग्रेस प्रचार अभियान में काफी पीछे नजर आई।

चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में तीनों मुख्य दलों ने मतदाताओं को लुभाने की पूरी कोशिश की और संशोधित नागरिकता कानून (सीएए), तुष्टीकरण की राजनीति तथा बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर जमकर आरोप-प्रत्यारोप लगाए। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के चुनाव प्रचार का नेतृत्व किया। वैसे उन्होंने रैलियों की जगह रोडशो और जनसभाओं पर ध्यान केंद्रित किया।

भाजपा ने चुनाव प्रचार में अपने सांसदों और विधायकों को उतारने के साथ ही कई मुख्यमंत्री भी उतारे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी

### 'बिरयानी' वाले बयान पर योगी को चुनाव आयोग का नोटिस

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 6 फरवरी।



चुनाव आयोग ने आतंकवादियों को बिरयानी वाले बयान को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कारण बताओ नोटिस जारी किया। चुनाव आयोग ने सीएम योगी को एक फरवरी को करावल नगर में दिए उनके विवादित भाषण को लेकर नोटिस दिया है। इस पर चुनाव आयोग ने 7 फरवरी शाम 5 बजे तक जवाब मांगा है।

आदित्यनाथ के अलावा अपने शासन वाले कई अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी बुलाया जिनमें गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपानी, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह शामिल हैं। इतना ही नहीं चुनाव प्रचार में स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मैदान में उतरे और दो रैलियों को संबोधित किया।

भाजपा ने चुनाव प्रचार की शुरुआत राष्ट्रीय राजधानी के लिए बाकी पेज 8 पर

## रिपब्लिकन बहुमत वाले अमेरिकी सीनेट में डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ महाभियोग खारिज

वाशिंगटन, 6 फरवरी (एफपी)।

अमेरिकी सीनेट ने देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पद के दुरुपयोग और कांग्रेस (संसद) की कार्यवाही बाधित करने के आरोपों से बुधवार को बरी कर दिया। ट्रंप के खिलाफ आरोपों की कई हफ्ते तक जांच के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के बहुमत वाले निम्न सदन 'प्रतिनिधि सभा' ने राष्ट्रपति पर पद के दुरुपयोग और कांग्रेस की कार्यवाही बाधित करने का अभियोग दिसंबर में लगाया था।

रिपब्लिकन बहुमत वाले सीनेट में पद के दुरुपयोग के मामले में 52 सांसदों ने ट्रंप को बरी

रिपब्लिकन बहुमत वाले सीनेट में पद के दुरुपयोग के मामले में 52 सांसदों ने ट्रंप को बरी करने के लिए और 48 ने उनके खिलाफ वोट डाला।

कांग्रेस की कार्यवाही बाधित करने के आरोप से ट्रंप को बरी करने के लिए 53 और उन्हें इस मामले में दोषी करार के लिए 47 सांसदों ने वोट किया।

जनसत्ता ब्यूरो नई दिल्ली, 6 फरवरी।

भारत ने पाक अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरने वाले चीन और पाकिस्तान के आर्थिक गलियारे (सीपेक) को अवैध करार दिया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस परियोजना से भारत की संप्रभुता को चुनौती दी गई है और सीमा का अतिक्रमण किया गया है। विदेश मंत्रालय ने इस बारे में विस्तृत दस्तावेज तैयार किया है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस दस्तावेज को लोकसभा में प्रस्तुत किया। इसमें बताया गया है कि कथित सीपेक परियोजना भारत के जम्मू-कश्मीर व लद्दाख के बाकी पेज 8 पर



वोट किया। रिपब्लिकन मिट रोमनी ने पद के दुरुपयोग के मामले में ट्रंप के खिलाफ वोट डाला लेकिन कांग्रेस की कार्यवाही बाधित करने के मामले में उन्होंने ट्रंप को बाकी पेज 8 पर

## निर्भया दोषियों को जल्द फांसी के लिए केंद्र की अर्जी पर सुनवाई आज

जनसत्ता ब्यूरो नई दिल्ली, 6 फरवरी।

सुप्रीम कोर्ट निर्भया सामूहिक दुष्कर्म और हत्या मामले में मौत की सजा पाए चारों दोषियों को फांसी दिए जाने के संबंध में केंद्र की याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करेगा। इससे पहले इन दोषियों को फांसी की सजा पर रोक के खिलाफ केंद्र की याचिका को दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया था जिसके बाद केंद्र ने शीर्ष अदालत में अपील की।

केंद्र की ओर से पेश हुए अतिरिक्त महान्यायवादी केएम नटराज ने न्यायमूर्ति एनवी रमना, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी के पीठ के समक्ष याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। नटराज ने अदालत को बताया कि जेल प्रशासन मामले में दोषियों को फांसी देने में असमर्थ है जबकि उनकी पुनर्विचार याचिकाएं खारिज कर दी गई हैं और सुधारवादी याचिकाएं व उनमें से तीन को दया याचिकाएं भी खारिज हो चुकी हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को कहा था कि चारों दोषियों बाकी पेज 8 पर

### नए मृत्यु वारंट के लिए कोर्ट में

नई दिल्ली, 6 फरवरी (जनसत्ता संवाददाता)।

निर्भया सामूहिक बलात्कार और हत्या मामले में तिहाड़ के अधिकारियों ने नए मृत्यु वारंट के लिए गुरुवार को फिर अदालत पहुंचे। अदालत ने नए सिर से मृत्यु वारंट जारी करने के बाकी पेज 8 पर

## रेपो दर में कोई बदलाव नहीं किया रिजर्व बैंक ने खुदरा महंगाई बढ़ेगी, किस्तें जस की तस

जनसत्ता ब्यूरो मुंबई, 6 फरवरी।

रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में कोई बदलाव नहीं किया जाना इस बात का संकेत है कि मंदी की मार झेल रही अर्थव्यवस्था में तेजी लाने की अपनी मंशा को सरकार फिलहाल अमली जामा पहनाने की स्थिति में नहीं देख रही।

रिजर्व बैंक ने गुरुवार को शायद इसी भय से रेपो दर में कोई बदलाव नहीं किया कि उसमें कमी करने से महंगाई बढ़ जाएगी। चूंकि रेपो दर में कमी नहीं की गई है तो बैंकों के लिए कर्ज की ब्याज दर में और कटौती कर पाना भी आसान नहीं होगा। यानी आवासीय कर्ज लेने वालों की

### केंद्रीय बैंक की बढ़ते राजकोषीय घाटे को पूरा करने के लिए अधिक नोट छापने की

कोई योजना नहीं है।

-शक्तिकांत दास, गवर्नर, रिजर्व बैंक

5.15

फीसद के मौजूदा स्तर को ही बनाए रखने का निर्णय किया गया है रेपो दर को चालू वित्त वर्ष की अंतिम मॉड्रिक नीति समीक्षा बैठक में।



ईएमआइ चालू वित्तीय वर्ष की आखिरी तिमाही में जस की तस ही बनी रहेगी।

अनिश्चित वैश्विक माहौल, घरेलू बाजार में मुद्रास्फीति तेज बाकी पेज 8 पर

### केरल के न्यू सोलोमन्स अपार्टमेंट की घटना

### दिलचस्प

### पानी के साथ आ रही शराब से सब हैरान

## नल तो जल का पर बहने लगी शराब

त्रिशूर (केरल), 6 फरवरी (भाषा)।

सोचिए! अगर आपके पानी के नल से शराब की आपूर्ति शुरू हो जाए तो आपकी क्या प्रतिक्रिया होगी। यह कोई काल्पनिक नहीं है, बल्कि केरल के एक अपार्टमेंट की हकीकत है।

केरल के त्रिशूर जिले में चलाक्कुडी में एक अपार्टमेंट के निवासी उस समय हैरान रह गए, जब सोमवार को उनके नल से पानी के साथ शराब आने लगी। दरअसल, आबकारी अधिकारियों ने भारत में बनी विदेशी शराब के पुराने भंडार का बड़ा हिस्सा एक गड्डे में बहा दिया, जो रिस कर पास ही में बने अपार्टमेंट के खुले जलाशय में चली गई। एक वरिष्ठ आबकारी अधिकारी ने कहा कि विभिन्न ब्रांडों की शराब के 450 मामले थे, हमने अदालत के

आबकारी अधिकारियों ने भारत में बनी विदेशी शराब के पुराने भंडार का बड़ा हिस्सा एक गड्डे में बहा दिया, जो रिस कर पास ही में बने अपार्टमेंट के खुले जलाशय में चली गई। अपार्टमेंट के निवासियों के अस्थायी इस्तेमाल के लिए 5,000 लीटर क्षमता के पानी के टैंक की व्यवस्था, जलाशय को साफ करने की प्रक्रिया शुरू।

आदेश के अनुसार इसे नष्ट कर दिया। लेकिन हमें नहीं मालूम था कि इससे ये सभी मुद्दे खड़े हो जाएंगे। इस घटना

अधिकारी ने बताया कि उन्होंने अपार्टमेंट के निवासियों के अस्थायी इस्तेमाल के लिए 5,000 लीटर क्षमता के पानी के टैंक की व्यवस्था की और जलाशय को साफ करने की प्रक्रिया चल रही है। इरिज्जालाकुडा के आबकारी अधिकारियों ने छह साल पहले एक बार से करीब 2,200 लीटर शराब जब्त की थी। स्थानीय अदालत के हाल के आदेश के आधार पर उन्होंने पुराना भंडार नष्ट करने, बार के परिसर में गड्डा खोदने का फैसला किया और रविवार को इसमें शराब बहा दी।

से न्यू सोलोमन्स अपार्टमेंट में रह रहे 18 परिवार प्रभावित हुए और उनके नल से पानी में शराब मिलकर आने लगी।

अधिकारी ने बताया कि उन्होंने अपार्टमेंट के निवासियों के अस्थायी इस्तेमाल के लिए 5,000 लीटर क्षमता के पानी के टैंक की व्यवस्था की और जलाशय को साफ करने की प्रक्रिया चल रही है। इरिज्जालाकुडा के आबकारी अधिकारियों ने छह साल पहले एक बार से करीब 2,200 लीटर शराब जब्त की थी। स्थानीय अदालत के हाल के आदेश के आधार पर उन्होंने पुराना भंडार नष्ट करने, बार के परिसर में गड्डा खोदने का फैसला किया और रविवार को इसमें शराब बहा दी।

निवासियों की परेशानियों के बारे में सुनकर आबकारी अधिकारी हरकत में आए और उन्होंने उन्हें स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने व जलाशय साफ कराने का वादा किया। चलाक्कुडी पुलिस ने बताया कि उन्हें इस संबंध में कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है।

### दरअसल

दिल्ली: चुनाव प्रचार थमा, मतदान 8 फरवरी को





## जेएनयू : छात्रा ने लगाया छेड़छाड़ का आरोप

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 6 फरवरी।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के एक शोधार्थी को छेड़छाड़ के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पीड़िता भी जेएनयू की छात्रा है। आरोपी का नाम राघवेंद्र मिश्रा है। वह संस्कृत संस्थान का छात्र है, जो छात्रों के बीच योगी के नाम से भी मशहूर है। वह छात्र संघ अध्यक्ष पद पर निर्दलीय के तौर पर भी चुनाव लड़ चुका है। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित छात्रा ने आरोप लगाया बुधवार को उसे इस छात्र ने

किसी काम के सिलसिले में एक हॉस्टल में अपने रूम पर बुलाया था। यहां उसके साथ आरोपी ने छेड़छाड़ करनी शुरू कर दी। विरोध करने पर वह उसके साथ हाथापाई पर उतर आया। पीड़िता के चिल्लाने और रोने की आवाज सुन आसपास के रूम में रहने वाले छात्र आ गए। इस बीच वहां खबर मिलने पर गार्ड भी पहुंच गए। पीड़ित छात्रा ने मामले की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस आरोपी और छात्रा को अपने साथ वसंत कुंज उत्तरी थाने ले गई। पीड़िता की ओर से दी गई शिकायत पर पुलिस ने आरोपी छात्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की।

## सड़क पर चल रहे प्रदर्शनों में भाग न लें विद्यार्थी : जामिया प्रशासन

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 6 फरवरी।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया प्रशासन की ओर से विद्यार्थियों से अपील की है कि वे परिसर के बाहर सड़कों पर चल रहे प्रदर्शनों में भाग नहीं लें। प्रशासन की ओर से यह अपील दिल्ली पुलिस के एक पत्र के बाद जारी की गई जिसमें कहा गया है कि असामाजिक तत्व जामिया के गेट नंबर सात पर चल रहे प्रदर्शनों

को अपना निशाना बना सकते हैं। जामिया के रजिस्ट्रार की ओर से विद्यार्थियों को जारी अपील में कहा गया है कि नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ 15 दिसंबर 2019 से विश्वविद्यालय के गेट नंबर 7 पर लगातार प्रदर्शन जारी है। इस प्रदर्शन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के अलावा स्थानीय लोग भी भाग लेते हैं। इसके अलावा विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ता भी यहां लगातार आते रहे हैं।

## शरजील इमाम को छह दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

नई दिल्ली, 6 फरवरी (भाषा)।

दिल्ली की एक अदालत ने राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किए गए शरजील इमाम को छह दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। शरजील के वकील ने यह जानकारी दी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के शोधकर्ता शरजील के वकील ने बताया कि उन्हें कड़ी सुरक्षा के बीच मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट पुरुषोत्तम पाठक के आवास पर पेश किया गया। इमाम के अलीगढ़ और यहां जामिया मिल्लिया इस्लामिया में कथित रूप से भड़काऊ भाषण देने के लिए 28 जनवरी को बिहार के जहानाबाद से गिरफ्तार किया गया था।

## पालतू कुत्तों का पंजीकरण नहीं कराने पर लगेगा जुर्माना

जनसत्ता संवाददाता नोएडा, 6 फरवरी।

शहर के प्लैट या मकान में कुत्तों के व्यवसाय पर रोक लगा दी गई है। जिसके तहत प्लैट या मकान मालिक व्यवसाय के लिए डींग ब्रीडिंग सेंटर नहीं संचालित कर सकेंगे। इसका उल्लंघन करने वालों पर पांच हजार रुपए का आर्थिक दंड लगाया जाएगा। अगर पालतू कुत्ता मर जाता है या फिर उसे किसी दूसरे को पालने के लिए दिया जाता है, यह जानकारी भी 15 दिन के भीतर प्राधिकरण को देनी होगी। ऐसा नहीं करने पर 500 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। प्राधिकरण ने नोएडा में पालतू कुत्तों के पंजीकरण की नीति बनाई है। हाल ही में पुलिस की एक टीम ने एक घर पर छापा डालकर महेगी नरसल के कई दर्जन कुत्ते बरामद किए थे।

**जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड**  
सी आई एन : L14106UP1995PLC019017  
पंजीकृत कार्यालय : सेक्टर -128, नोएडा-201304, उ.प्र.  
दुर्गा 1491 (120) 2470800  
कॉर्पोरेट कार्यालय : 'जे.ए.' इन्डियन 63, वसंत लोक, वसंत विहार, नई दिल्ली-110057  
दुरभाषा : +91(11) 49828500 फैक्स : +91(11) 26145389  
वेबसाइट : www.jalindia.com ई मेल : jal.investor@jalindia.co.in

**सूचना**  
सेबी (सूचीबद्धता बाध्यताएं और प्रकटीकरण) विनियम, 2015 के विनियम 47 को विनियम 29 के साथ पढ़ते हुये, के संदर्भ में एतद्वारा सूचित किया जाता है कि कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक गुरुवार, 13 फरवरी, 2020 को, अन्य विषयों सहित, 31 दिसंबर, 2019 को समाप्त हुए तिमाही और नौ महीने के कंपनी के अनअंकेक्षित एफएल एवं संयुक्त वित्तीय परिणामों पर विचार और स्वीकार करने हेतु होनी निर्धारित हुई है।  
अन्य जानकारी कंपनी की वेबसाइट यानि [www.jalindia.com](http://www.jalindia.com) पर तथा स्टॉक एक्सचेंजों की वेबसाइट यानि [www.nseindia.com](http://www.nseindia.com) एवं [www.bseindia.com](http://www.bseindia.com) पर भी उपलब्ध है।

कृते जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड एम. एम. सिबल  
स्थान : नई दिल्ली संयुक्त अध्यक्ष एवं कंपनी सचिव  
दिनांक : 6 फरवरी, 2020 सदस्यता क्रमांक एफसीएस-3538

**दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड**  
शक्ति सदन, कोटला रोड, नई दिल्ली-110002

**सार्वजनिक सूचना**

- ऊपर नामित आवेदक ने क) 400 केवी डी/सी मंडीला-बवाना तथा ख) 400 केवी डी/सी बल्लभगढ़-बमनीली परेषण लाइन के शुल्क निर्धारण के लिये केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, नई दिल्ली के समक्ष आवेदन किया है।
- इन परेषण प्रणाली के लाभभोगी हैं: पावर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया एवं उत्तरी क्षेत्र के लाभभोगियों
- परेषण प्रणाली के लाइन की लम्बाई: क) 23.801 सीकेटी-केएम (400 केवी डी/सी मंडीला-बवाना के लिये) ख) 52.803 सीकेटी-केएम (400 केवी डी/सी बल्लभगढ़-बमनीली के लिये)
- परियोजना की स्वीकृत/लेखा-परीक्षित पुंजी लागत: क) रु. 3743.00 लाख (400 केवी डी/सी मंडीला-बवाना के लिये) ख) रु. 5904.00 लाख (400 केवी डी/सी बल्लभगढ़-बमनीली के लिये)
- प्राधिकरण जिसने पुंजी लागत स्वीकृत की: एनए
- व्यावसायिक प्रचालन की अनुसूचित तिथि: एनए
- व्यावसायिक प्रचालन की वार्षिक तिथि/अधिग्रहण की तिथि: क) 01.07.2002 (400 केवी डी/सी मंडीला-बवाना के लिये) ख) 10.03.2004 (400 केवी डी/सी बल्लभगढ़-बमनीली के लिये)
- व्यावसायिक प्रचालन की तिथि को पुंजी लागत: (रु. लाख में): एनए
- शुल्क का विवरण (रु. लाख में):

परिसर/विवरण	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
400 केवी डी/सी मंडीला-बवाना परेषण लाइन	606.17	594.08	582.55	571.08	559.61
400 केवी डी/सी बल्लभगढ़-बमनीली परेषण लाइन	968.71	968.33	950.46	933.34	916.30

10. शुल्क के निर्धारण की लिये की गई आवेदन की प्रति वेबसाइट: [www.dtl.gov.in](http://www.dtl.gov.in) पर प्रेषित की गई है।

11. आवेदन में शुल्क के निर्धारण के लिये प्रस्तावों पर सुझाव तथा आपत्तियाँ, यदि कोई हो, लाभभोगी सहित किसी भी व्यक्ति द्वारा इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर आवेदक को उसकी एक प्रति के साथ सचिव, केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग, 3रा तथा 4था तल, चन्द्रलोक बिल्डिंग, 36, जनपथ, नई दिल्ली के समक्ष दाखिल की जायेगी।

स्थान: नई दिल्ली एम.के. शर्मा  
तिथि: 5.2.2020 जी.एम. (वाणिज्य एवं रंग. कार्यकलाप)

**पीएनसी इन्फ्राटेक लिमिटेड**  
पंजीकृत कार्यालय: एनबीसीसी प्लाजा, टावर II, 4था तल, पुष्प विहार, सेक्टर-5, नई दिल्ली-110017  
CIN: L45201DL1999PLC195937, ईमेल: [complianceofficer@pncinfatech.com](mailto:complianceofficer@pncinfatech.com), वेबसाइट: [www.pncinfatech.com](http://www.pncinfatech.com)

31 दिसम्बर, 2019 को समाप्त तिमाही तथा नौ माही के वित्तीय परिणामों का सार

(ईपीएस को छोड़कर रु. लाखों में)

क्रम सं.	विवरण	स्टैण्डएलॉन			समाकृत		
		समाप्त तिमाही (31.12.2019) अनकेक्षित	समाप्त तिमाही (31.12.2018) अनकेक्षित	समाप्त नौ माही (31.12.2019) अनकेक्षित	समाप्त तिमाही (31.12.2019) अनकेक्षित	समाप्त तिमाही (31.12.2018) अनकेक्षित	समाप्त नौ माही (31.12.2019) अनकेक्षित
1.	प्रचालन से कुल आय	123235.53	73383.27	379252.26	140966.27	86791.46	440138.37
2.	अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, विशिष्ट एवं/अथवा असाधारण मदों के बाद)	11278.85	6608.28	50376.33	9825.08	2080.23	58151.30
3.	कर से पूर्व अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (विशिष्ट एवं/अथवा असाधारण मदों के बाद)	11278.85	6608.28	50376.33	9825.08	2080.23	58150.30
4.	कर से बाद अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (विशिष्ट एवं/अथवा असाधारण मदों के बाद)	7713.94	4735.25	38422.59	6690.43	1132.05	45949.68
5.	अवधि के लिये कुल व्यापक आय (अवधि के लिये लाभ/(हानि) (कर से बाद) तथा अन्य व्यापक आय (कर से बाद) से शामिल	7690.25	4725.14	38351.51	6666.62	1121.96	45878.27
6.	इक्विटी शेयर पुंजी	5,130.78	5,130.78	5,130.78	5,130.78	5,130.78	5,130.78
7.	आरक्षित (पूर्व वर्ष के अनकेक्षित तुलन पत्र में दर्शाई गई पुनर्मूल्यांकन आरक्षितों को छोड़कर)	-	-	-	-	-	-
8.	आय प्रति शेयर (रु. 2/- प्रति का) (जारी तथा अवरुद्ध प्रचालनों के लिए)						
	1. मूल						
	2. तरल	3.01	1.85	14.98	2.61	0.44	17.91

**टिप्पणी:**

- उपरोक्त सेबी (सूचीयन तथा अन्य उद्घाटन अपेक्षा) विनियमन 2015 के विनियमन 33 के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंजों में दाखिल की गई तिमाही/ नौ माही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सार है। तिमाही/नौ माही वित्तीय परिणामों का सम्पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट ([www.bseindia.com](http://www.bseindia.com), [www.nseindia.com](http://www.nseindia.com)) तथा कम्पनी की वेबसाइट ([www.pncinfatech.com](http://www.pncinfatech.com)) पर उपलब्ध है।
- उपरोक्त स्टैण्डएलॉन/समेकित परिणामों जिसकी ऑडिट कमिटी द्वारा समीक्षा की गई तथा 5 फरवरी, 2020 को आयोजित उनकी बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किए गए।

स्थान: आगरा  
तिथि: 5 फरवरी, 2020

पीएनसी इन्फ्राटेक लि. के लिए  
हस्ता.  
चक्रेश कुमार जैन  
प्रबंध निदेशक एवं सीएफओ  
(DIN: 00086768)

**ऐसी होगी हमारी दिल्ली**

कांग्रेस ने 15 साल के कार्यकाल में दिल्ली को विश्व की सबसे हरी-भरी राजधानी बनाया था, आओ, फिर से दिल्ली को वही कांग्रेस वाली हरी-भरी दिल्ली बनाते हैं।

**DEVI - THE DELHI ELECTRIC VEHICLES INITIATIVE के माध्यम से दिल्ली में 15000 नई इलेक्ट्रिक बसें**

**बजट का 25% पर्यावरण संरक्षण पर खर्च होगा**

**ग्रीन कवर को 30 प्रतिशत तक बढ़ाना**

**दिल्ली को जीरो वेस्ट एवं कचरा मुक्त बनाएंगे**

**डस्ट मैनेजमेंट प्लान से कार्सिनोजेनिक कणों को कम करना**

**12 से 16 साल के छात्रों को 'एन्वायरमेंट एम्बेसडर' बनाएंगे**

**1000 कार इलेक्ट्रिक चार्ज स्टेशन स्थापित करेंगे**

**रिन्यूएबल एनर्जी के लिए प्रोत्साहन**

**वाटर माफिया पर कठोर कार्यवाही**

**जल निकायों के कार्याकल्प, संचय और संरक्षण के लिए जल संरक्षण मिशन**

**वादे निभाये थे, वादे निभायेंगे**

कांग्रेस को वोट दें

ISSUED BY: DELHI PANCH CONGRESS COMMITTEE.



## ऐ भाई...



चुनाव प्रचार में करावल नगर से कांग्रेस प्रत्याशी अरविंद सिंह ।

## रिश्वत मामले में दिल्ली सरकार के अधिकारी गिरफ्तार नई दिल्ली, 6 फरवरी (भाषा) ।

गुरुवार देर रात सीबीआइ ने दो लाख रुपए के काशित रिश्वत मामले में दिल्ली सचिवालय में तैनात अधिकारी को गिरफ्तार किया। सीबीआइ द्वारा रिश्वत मामले में गिरफ्तार अधिकारी का नाम सरकारी वेबसाइट पर दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिंसोदिया के ओएसडी के रूप में दर्ज है। गुरुवार का दिन दिल्ली चुनाव प्रचार के लिए आखिरी था। प्रचार की गहमागहमी की समाप्ति के बाद देर रात आई इस खबर पर प्रतिक्रिया के लिए आम आदमी पार्टी और दिल्ली सरकार के किसी सूत्र से संपर्क नहीं हो पाया।

## बसपा प्रत्याशी पर अज्ञात लोगों ने किया हमला जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 6 फरवरी ।

बदरपुर विधानसभा से विधायक और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रत्याशी नारायण दत्त शर्मा पर बुधवार रात तीन अज्ञात लोगों ने लाठी-डंडों से हमला किया। उन्होंने बताया कि बुधवार देर रात करीब एक बजे वह अपने समर्थकों के साथ बाहन से घर लौट रहे थे, तभी 60 फूट रोड पर वाहन चालकों ने उन्हें घेर लिया। एक बाहन उनकी कार के ओह हलवारों ने लगा दिया। उसके बाद कई लोग बाहन से उतरे और उनकी कार पर लाठी-डंडों से हमला करना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि आठ-दस लोग थे। उनका कहना है कि घटनास्थल पर सीसीटीवी कैमरे भी लगे हैं। घंटी घंटा उसमें जरूर देह हुई होगी। उन्होंने विपक्ष के उम्मीदवारों पर हमला करवाने का आरोप लगाया है। नारायण दत्त शर्मा बदरपुर से विधायक हैं और इससे पहले आम आदमी पार्टी में रह चुके हैं। वह इस सीट से बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। हमले में उन्हें हल्की चोट आई है। बसपा प्रमुख मायावती ने ट्वीट किया, कि मुख्य चुनाव आयोग एवं पुलिस प्रशासन को इसका तुरंत गंभीरता से संज्ञान लेना चाहिए और दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई भी करनी चाहिए।

## विधानसभा चुनाव को लेकर पुलिस ने चौकसी बढ़ाई जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 6 फरवरी ।

दिल्ली पुलिस ने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर करीब-करीब अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। संवेदनशील बूथों की पहचान कर ली गई है। दिल्ली पुलिस के प्रवक्ता का कहना है कि दिल्ली-पनजीआर के सभी सीमा पर पुलिस की चौकसी बढ़ा दी गई है। दिल्ली पुलिस के अलावा अर्द्धसैनिक बलों को तैनात कर दिया गया है। शनिवार को होने वाले मतदान को देखते हुए दिल्ली पुलिस के 40 हजार जवानों के अलावा होमगार्ड के 19 हजार सिपाही और अर्द्धसैनिक बलों की 190 कंपनी के जवान भी शामिल हैं। इस बार दिल्ली की सभी 70 विधानसभा सीटों के लिए 2688 भवनों में से 545अतिसंवेदनशील हैं और 21 मतगणना केंद्रों पर कई स्तरों पर सुरक्षा बल तैनात किया जाएगा।

# विधानसभा चुनाव दिल्ली दंगल

7 फरवरी, 2020 4

फरवरी

2020

चुनाव प्रचार के आखिरी दौर में भी केजरीवाल का हमला जारी, बोले

# विकास पर बात के लिए भाजपा के पास नहीं मुख्यमंत्री का चेहरा

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 6 फरवरी ।

भाजपा के मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के हमले चुनाव प्रचार के आखिरी दौर में भी जारी हैं। गुरुवार को 'आप' राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में भाजपा का मुख्यमंत्री का कोई चेहरा नहीं है। विकास के मुद्दों पर वे भाजपा से बात करना चाहते थे लेकिन भाजपा में कोई मुख्यमंत्री बनने लायक चेहरा नहीं है। अरविंद केजरीवाल ने तंज कसा कि मैंने अमित शाह को भी बहस के लिए आमंत्रित किया था लेकिन उन्होंने बहस करने से इंकार कर दिया।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की जनता के मन में भय है कि यदि हम भाजपा को वोट देंगे और भाजपा ने दिल्ली का मुख्यमंत्री संवित पात्रा को बना दिया तो बड़ी मुश्किल हो जाएगी। उन्होंने कहा कि मैंने पहले भी कहा था कि भाजपा को अपना मुख्यमंत्री पद के चेहरे को बनाना चाहिए ताकि दावेदारों में जनता के बीच बहस हो सके। जनता उनसे सीधे सवाल-जवाब कर सके। लेकिन भाजपा ने मुख्यमंत्री पद का प्रत्याशी घोषित नहीं किया।

भाजपा खुद भी मानती है कि उनके पास मुख्यमंत्री पद के लायक कोई व्यक्ति नहीं है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि चुनाव प्रचार का आखिरी दिन है। इस बार देश की राजनीति को बदलने का समय आ गया है। दिल्ली की जनता को विकास के लिए वोट करना है। उन्होंने कहा कि प्रचार खत्म हो गया है और उन्हें 'आप' के हर कार्यकर्ता पर गर्व है। कार्यकर्ताओं ने आदर्श चुनाव अभियान चलाकर लोगों का दिल जीता है। 8 फरवरी को लोग काम पर मत देंगे।

## ‘अमित शाह को उल्टा चश्मा’ दिखाएंगी दिल्ली के काम

दिल्ली की असफलताओं पर हमला बोल रहे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सवालों का जवाब देने के लिए 'आप' ने नई वेबसाइट शुरू की है। इस वेबसाइट का नाम अमित शाह को उल्टा चश्मा दिया गया है। पार्टी का का दावा है कि यह उल्टा चश्मा अरविंद केजरीवाल के काम दिखाने में मददगार साबित होगा। इसमें पार्टी ने दिल्ली के लोगों को बताते की कोशिश की है कि किस तरह गृह मंत्री



ऐतिहासिक विकास कार्यों को जानबूझ कर देखना नहीं चाहते हैं। ऐसा करके दिल्ली की जनता का अपमान कर रहे हैं।

वेबसाइट पर पार्टी ने स्कूल, अस्पताल, रैन बसेरा, स्ट्रीट लाइट के पहले के हालात और 'आप' की सरकार आने के बाद बदले हालात की 7 तस्वीरें जारी की हैं। 'आप' सरकार से पहले और बाद की तस्वीरों में काम का अंतर साफ दिख रहा है। यह आम आदमी पार्टी व्यंग्यात्मक अभियान प्रचार अभियान है। इस अभियान से यह भी पता चलता है कि 'आप' के किए गए कार्यों के बावजूद भाजपा ने केवल नकारात्मक प्रचार कर रही है।

## शराब व पैसा बांटने वालों पर कड़ी नजर रखेगी 'आप'

आप नेता संजय सिंह ने कहा कि भाजपा चुनाव के अंतिम समय में अपना अंतिम राजनीतिक हथकंडा अपनाया शुरू कर दिया है। सूचना मिली है कि चुनाव को प्रभावित करने के लिए भाजपा मतदाताओं को शराब और पैसे बांट रही है। इस तरह की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पार्टी ने 272 टीमों का गठन किया है। यह टीमों कैमरे व मोबाइल से शराब या अन्य सामान बांटने पर रीटिंग करेगी।

## ...और अंत में महाबली खली

पंकज रोहिला नई दिल्ली, 6 फरवरी ।

पहलवानों दंगल के महाबली खली समेत राजनीति के बड़े चेहरों को भारतीय जनता पार्टी ने आखिरी चुनाव प्रचार में उतारा। महाबली खली ने मॉडल टाउन से भाजपा के प्रत्याशी कपिल मिश्रा के लिए जनता से मत की मांग की। वहीं दूसरी तरफ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत स्टार प्रचारकों की एक बड़ी टीम आखिरी दौर के प्रचार में नजर आई। जेपी नड्डा ने जंगपुरा में इम्पीत सिंह बक्शी के लिए वोट मांगे। आखिरी दौर में दिल्ली के मतदाताओं तक पहुंचाने के लिए भाजपा ने पूरा जोर लगाया। पद यात्रा व छोटी सभाओं की मदद से जनता से वोट मांगे।

नड्डा ने बोला, करें राष्ट्रवाद का समर्थन : जेपी नड्डा ने कहा कि राष्ट्रवाद के समर्थन में तथा दिल्ली विकास के लिए भाजपा को वोट करें। इस चुनाव में देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाली आम आदमी पार्टी है तो दूसरी ओर देश की सुरक्षित और सुदृढ़ बनाने वाली भाजपा है। केजरीवाल और उसकी पार्टी ने देश को विखंडित करने वाला बयान देने वाले टुकड़े-टुकड़े गैंग को बचा कर रखा है। शरजील इमकान भी बचाने की कोशिश की लेकिन जब दिल्ली पुलिस ने उसे पकड़ लिया तो इनके मंसूखो पर पानी फिर गया। सारे हथकंडे फेल

होने के बाद आम आदमी पार्टी ने राजनीतिक लालसा के लिए देश की सुरक्षा तक दांव पर लगा दिया। नड्डा ने आदर्श नगर में प्रत्याशी राजकुमार भाटिया, ज़ी नगर से तिलक राम गुप्ता और जंगपुरा से सरदार इम्पीत सिंह बक्शी के समर्थन में वोट की अपील की।

झूठ बोल रहे केजरीवाल: केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि दिल्ली की जनता केजरीवाल के झूठ से त्रस्त है और इस बार आम आदमी पार्टी को सबक सिखाने के लिए भारी संख्या में सड़कों पर उतर रही है। 80 प्रतिशत बीमारियां केवल गंदे पानी के इस्तेमाल से होती हैं और दिल्ली सरकार लोगों को कैसा पानी पिला रही है। इस सरकार ने लोगों से झूठ बोलकर उनका इस्तेमाल कर अपनी राजनीति को चमकाने में व उनके भविष्य को अंधकार में धकेलने का काम किया है। अनुराग ठाकुर ने नरेला में नीलमदन खत्री व रोहिणी में विजेंद्र गुप्ता के समर्थन में वोट की अपील की। वहीं, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केजरीवाल ने पांच साल में दिल्ली को तबाह और बर्बाद कर दिया। उन्हें भाजपा की लहर दिख रही है, इसलिए केजरीवाल भी आजकल हनुमान चालीसा पढ़ने लगे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल और उनकी पार्टी के नेता दिल्ली की फिजा खराब करने और मुस्लिम वोट लेने के लिए गोलियां चलावा रहे।

# भारतीय जनता पार्टी 45 से अधिक सीटों के साथ बनाएगी सरकार : अमित शाह

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 6 फरवरी ।

गुरुवार को भाजपा के स्टार प्रचारक व गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा को जो समर्थन मिल रहा है, उससे साफ है कि 11 फरवरी को दिल्ली में 45 से अधिक सीट के साथ दिल्ली में भाजपा की सरकार बनाने जा रही है। अमित शाह ने बताया कि चुनाव के दौरान दिल्ली की जनता से संवाद करने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता को झूठे वादे, तुष्टिकरण और अराजकता नहीं, केवल विकास चाहिए। गृह मंत्री ने गुरुवार को सीमापुरी, हरिनगर और मादीपुर विधानसभा क्षेत्र में रोड शो किया और भाजपा के लिए वोट मांगे।

अमित शाह ने कांग्रेस व आम आदमी पार्टी पर सीधे हमले बोले। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल और राहुल बाबा को बताना चाहिए कि देश की सुरक्षा चुनावी मुद्दा क्यों नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शाहीनबाग आम आदमी पार्टी व कांग्रेस की संयुक्त योजना है। अरविंद केजरीवाल और राहुल गांधी को इस बात की चिंता है कि शाहीनबाग पर चर्चा नहीं होनी चाहिए। अमित शाह ने कहा कि मैं पूछना चाहता

## गृह मंत्री ने सीमापुरी, हरिनगर और मादीपुर विधानसभा क्षेत्र में रोड शो करके किया प्रचार

हूं कि वे बताएं देश की सुरक्षा चुनावी मुद्दा क्यों नहीं होना चाहिए? क्यों शाहीनबाग में बैठे लोग जिन्ना वाली आजादी मांग रहे हैं और क्यों टुकड़े-टुकड़े गैंग उन्हें समर्थन दे रही है। इन लोगों शर्म आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं आप सबको बता देना चाहता हूं कि टुकड़े-टुकड़े को गैंग झटका लगने वाला है। अमित शाह ने कहा कि 8 फरवरी को लोग अपने पूरे परिवार के साथ बुध पर कमल के निशान पर बटन दबाने जा रहे हैं। मतदाता इस बार दिल्ली और देश के विकास व सुरक्षा को सुनिश्चित करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एयर स्ट्राइक के बाद पूरा देश सेना के शौर्य

को सलाम कर रहा था जबकि राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल और पाकिस्तान में बैठा इमरान खान मातम मना रहा था। आप पार्टी ने पिछले पांच सालों में दिल्ली में कोई कार्य नहीं किया है। उन्होंने कहा कि आप पार्टी का दावा था कि 500 स्कूल, 50 कॉलेज व 5000 नई बसें चलाएंगे। उन्होंने सवाल किया कि दिल्ली की जनता जानना चाहती है कि सब वादे कहां गए। इन वादों में दिल्ली को लंदन बनाने का दावा था। अमित शाह ने कहा कि आज दिल्ली की सड़कों पर गड्डा हैं या गड्डे में सड़क है, यह समझ में ही नहीं आ रहा है। उल्टा इन्होंने दिल्ली की जनता को केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ लेने नहीं दिया। उन्होंने सवाल किया कि आयुष्मान भारत योजना को दिल्ली में लागू क्यों नहीं होने दी। सीधी सी बात है कि इनकी कथनी और करनी में जमीन आसमान का अंतर है। इन सभाओं में प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी, लोजपा नेता चिराग पावसान और मनजिन्दर सिंह सिरसा समेत अन्य नेता भी उपस्थित थे।

## मतदान के दिन डीटीसी और मेट्रो सुबह चार बजे से चलेंगी

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 6 फरवरी ।

दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने निर्णय लिया है कि आठ फरवरी (शनिवार) को मतदान के दिन दिल्ली में सुबह चार बजे से बसों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। इसके अलावा मेट्रो भी सुबह चार बजे से चलेगी। दिल्ली परिवहन निगम ने मुद्रिका और तीर्थ मुद्रिका समेत 35 रूटों पर बसों के संचालन का निर्णय लिया है। यह निर्णय मतदान के दिन ड्यूटी पर जाने वाले कर्मचारियों को ध्यान में रखकर लिया गया है, ताकि वह मतदान शुरू होने से पहले मतदान केंद्रों पर पहुंच सकें।

# चुनावी रण में कांग्रेसी दिग्गजों का छूट रहा पसीना

अजय पांडेय नई दिल्ली, 6 फरवरी ।

दिल्ली के मुकाबले को मुश्किल देख सूबे के ज्यादातर कांग्रेसी सूरमाओं ने तो चुनाव लड़ने के नाम पर पहले ही हाथ खड़े कर लिए थे लेकिन जिन्होंने इस सियासी दंगल में कुदने की हिम्मत भी दिखाई, उनका भी गुलाबी सदी के इस मौसम में पसीना छूट रहा है। अपने काम के नाम पर वोट मांगने निकले इन नेताओं को सतरारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से कड़ी चुनौती मिल रही है। इस त्रिकोणीय मुकाबले में जीत का ऊंट कौन सी करवट लेगा, यह अनुमान लगाना भी आसान नहीं है।

दिल्ली की कांग्रेस सरकार में वित्त, शहरी विकास, लोक निर्माण व स्वास्थ्य जैसा भारी भरकम विभाग देख चुके वरिष्ठ कांग्रेसी डॉ



अशोक कुमार वालिया के सामने 'आप' ने अपने विधायक एस के बग्गा को एक बार फिर से चुनाव मैदान में उतारा है, वहीं भाजपा ने डॉ अनिल गोयल को टिकट दिया है। यहां मुकाबला इस वजह से दिलचस्प हो गया है क्योंकि डॉ वालिया अपनी लक्ष्मी नगर सीट छोड़कर कृष्णा नगर से चुनाव लड़ने गए हैं। अपनी सीट बदलने के लिए उन्होंने कांग्रेस हाईकमान के सामने दलील दी कि उनका जो पूरा क्षेत्र था उसका

ज्यादातर हिस्सा परिसीमन में कटकर कृष्णा नगर में चला गया, लिहाजा उनको वहीं से टिकट मिलना चाहिए। पार्टी ने उनकी दलील मानकर उन्हें टिकट दे भी दिया, लेकिन यह देखना अहम है कि क्षेत्र के मतदाता वालिया से अपना पुाना रिश्ता निभाते हैं या एस के बग्गा या डॉ गोयल के साथ जाता है।

दिल्ली कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रहे देवेंद्र यादव एक बार फिर अपनी बादली सीट से चुनाव मैदान में हैं। उनके सामने आम आदमी पार्टी से विधायक अजेश यादव हैं तो भाजपा ने यहां से अपने निगम पार्षद विजय भगत को चुनाव मैदान में उतारा है। देवेंद्र यादव 2013 में चली आम आदमी पार्टी की आंधी में भी अपनी सीट बचाने में सफल रहे थे लेकिन 2015 में किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया। यह चुनाव भी उनके लिए बेहद मुश्किल है और आप तथा भाजपा

दोनों दलों के प्रतिद्वंद्वियों से निपटने में उन्हें पूरा जोर लगाना पड़ रहा है। कुछ वैसा ही मुकाबला कांग्रेस के दूसरे कार्यकारी अध्यक्ष रहे राजेश लिलोठिया के भी सामने है। दिल्ली सरकार में कद्दावर मंत्री रहे राजकुमार चौहान को मंगोलपुरी सीट पर दो-दो बार मात देने वाली आम आदमी पार्टी की राखी बिरलान यहां से एक बार फिर से चुनाव मैदान में उतारा है। लिलोठिया पटेल नगर से विधानसभा का चुनाव लड़ते रहे। लेकिन इस बार उनकी सीट भाजपा में जाकर कांग्रेस में जापसी करने वाली कृष्णा तीर्थ को मिल गया है। चाहिए तौर पर मंगोलपुरी सीट लिलोठिया के लिए नहीं है। ऐसे में उन्हें भी यहां से विधानसभा का रास्ता तय करने के लिए बहुत पसीना बहाना पड़ रहा है।

## कांग्रेस का आरोप, भाजपा की बी टीम है आम आदमी पार्टी

जनसत्ता संवाददाता नई दिल्ली, 6 फरवरी ।

कांग्रेस के मीडिया प्रमुख रणदीप सुरजेवाला ने गुरुवार को कहा कि दिल्ली विधानसभा के लिए दिल् वाली की दिल्ली 'कांग्रेस वाली दिल्ली' के लिए मतदान करेगी। आम आदमी पार्टी और भाजपा पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि 'आप' भाजपा की बी टीम है। ये दोनों पार्टियां दिल्ली में हिंसा और नफरत का माहौल बनाने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आंदोलन के दिनों में दिल्ली में लोकापाल नियुक्त करने की बात करते थे, लेकिन आज दिल्ली में कोई नहीं है। वहीं, भाजपा भी इस मुद्दे को जोशोर से उठाती थी। केंद्र में लोकपाल नियुक्त कर दिया गया, लेकिन उनके लिए दफ्तर की व्यवस्था नहीं की

गई है। उन्होंने दावा किया है कि दिल्ली में भी हरियाणा जैसे चौकाने वाले नतीजे आएंगे। पार्टी को दो सीटें दिलवाई जा रही थी पर जब परिणाम आए तो 31 सीटें कांग्रेस ने जीतीं। उन्होंने कहा कि इस वक्त दिल्ली में झूठों की सरकार है और केंद्र में झूठों का सरदार है, जो एक बार फिर से दिल्ली की जनता से झूठे वादे कर बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं। पर दिल् वालों की दिल्ली कांग्रेस के 15 साल के शासनकाल को याद करने लगी है। कांग्रेस दिल्ली में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। रणदीप सुरजेवाला गुरुवार को दिल्ली प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। सुरजेवाला ने कहा कि सीएम केजरीवाल कहते हैं कि दिल्ली में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में

इतना काम किया गया कि पूर्व की सरकारों ने नहीं किया था। पर यह भूल जाते हैं कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या कम हो रही है। ऑकड़ों पर नजर डालें तो सरकारी स्कूलों में एक लाख 32 हजार बच्चों की संख्या कम हुई है। इसी प्रकार स्वास्थ्य की क्षेत्र में बात करें तो दिल्ली में 180 डिस्पेंसरी थीं, जो कि 15 साल के शासनकाल में 500 के आंकड़े को पार किया। 18 अस्पताल रहे, जिसे बढ़ाकर 39 किया गया। सुरजेवाला ने कहा कि प्रदूषण कम करने की बात हो, यातायात सुधारने के लिए डीटीसी की बसों की खरीदने की बात हो, शुद्ध जल मुहैया करवाने की बात हो या फिर दिल्ली में एसी/एसटी और ओबीसी के लिए

योजनाओं की बात करें तो बजट का एक बड़ा हिस्सा उनके विकास पर खर्च किया गया, पर बीते पांच सालों में इस वर्ग की उपेक्षा की गई। 'आप' के मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री इस मुद्दे पर जबब हैं। उन्होंने कहा-भाजपा की केंद्र सरकार हो या फिर आप की दिल्ली सरकार किसी भी सरकार ने दिल्ली के लिए विकास कार्य नहीं किए। यही कारण है कि विधानसभा चुनाव में अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए दोनों विपक्षी पार्टियां झूठे वादे कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों ने अंदर आयात सुधारने के लिए डीटीसी की बसों की खरीदने की बात हो, शुद्ध जल मुहैया करवाने की बात हो या फिर दिल्ली में एसी/एसटी और ओबीसी के लिए

<b>एक्सिस बैंक</b>			
वचन सम्पत्ति के विक्रय हेतु विक्रय नोटिस			
रिटेल एसेट्स सेंटर : प्रथम तल, जी-4/5, बी, सेक्टर-4, गोमती नगर विस्तार, लखनऊ-226010			
कारपोरेट ऑफिस : तुतीय तल, ब्लाक-बी, बाम्बे ड्राइंग मिल्स कंपाउण्ड, पाण्डुरंग बुधाकर मार्ग, वर्ली मुम्बई-400 025			
रजिस्टर्ड ऑफिस : त्रिगुल, तुतीय तल, समर्थभरकर मॉडर्न के सामने, लॉ गार्डन, एलिसाब्रिज, अहमदाबाद-380 006			
प्रतिभूति हिता (प्रवर्तन) निगम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पंढित वित्तीय आस्तरियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति का प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अधीन अबल संपत्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय सूचना			
आम लोगों को विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रचामुनि-युक्त को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अबल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास निरवै/प्रभाषित है, का कच्चा प्रतिभूत लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, जो 'जैसा है जहाँ है' जोर 'जो कुछ भी है के आधार पर' बेचा जाएगा श्री रजत कुलश्रेष्ठ (आपी) एवं श्रीमती शालिनी कुलश्रेष्ठ (सा-आपी), श्रीमती रिधा कुलश्रेष्ठ (सा-आपी) से प्रतिभूत लेनदार की रूपये 1,97,69,454.00 देय दिनांक 30.01.2017 की बकाया राशि की वसूली हेतु दिनांक 29.02.2020 को पूर्वान्ह 11:00 बजे (निविदा प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 28.02.2020 को अपरान्ह 5:00 बजे तक) को देया जायेगा। [अप्रतिभूत मूल्य 1,00,43,670/- रूपये होगा और अंतिम घनराशि 10,04,367/- रूपये होगी।			
खाली संख्या	स्थान/ अबल सम्पत्ति का विवरण	सम्पत्ति पर बैंक की जानकारी में कोई भार	
PHR008601580742	रिश्त प्लाट नम्बर 78, कैलाश विहार, मीजा गैलाना, हरि पर्वत वाडें, आपरा 282004, जोकि रजत कुलश्रेष्ठ के नाम, क्षेत्रफल-384.50 वर्ग मी0	नहीं	
	बौद्धदी : पूर्व : पार्क परिवार: प्लाट नम्बर सी-78, 80 एवं 81, उत्तरत: जय का प्लाट, दक्षिण: 40 फुट चौड़ी सड़क		
विक्रय की निबन्धन और शर्तों के व्यष्टि के लिए कृपया नीचे दिये गये वेबसाइट <a href="https://www.axisbank.com/auCTION-notices/">https://www.axisbank.com/auCTION-notices/</a> पर निलक करें।			
दिनांक : 07.02.2020 (प्रा0 अधिकारी)			
स्थान : लखनऊ एक्सिस बैंक सि0			

## कांग्रेस का आरोप, भाजपा की बी टीम है आम आदमी पार्टी

गई है। उन्होंने दावा किया है कि दिल्ली में भी हरियाणा जैसे चौकाने वाले नतीजे आएंगे। पार्टी को दो सीटें दिलवाई जा रही थी पर जब परिणाम आए तो 31 सीटें कांग्रेस ने जीतीं। उन्होंने कहा कि इस वक्त दिल्ली में झूठों की सरकार है और केंद्र में झूठों का सरदार है, जो एक बार फिर से दिल्ली की जनता से झूठे वादे कर बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं। पर दिल् वालों की दिल्ली कांग्रेस के 15 साल के शासनकाल को याद करने लगी है। कांग्रेस दिल्ली में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। रणदीप सुरजेवाला गुरुवार को दिल्ली प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। सुरजेवाला ने कहा कि सीएम केजरीवाल कहते हैं कि दिल्ली में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में

इतना काम किया गया कि पूर्व की सरकारों ने नहीं किया था। पर यह भूल जाते हैं कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों में बच्चों की संख्या कम हो रही है। ऑकड़ों पर नजर डालें तो सरकारी स्कूलों में एक लाख 32 हजार बच्चों की संख्या कम हुई है। इसी प्रकार स्वास्थ्य की क्षेत्र में बात करें तो दिल्ली में 180 डिस्पेंसरी थीं, जो कि 15 साल के शासनकाल में 500 के आंकड़े को पार किया। 18 अस्पताल रहे, जिसे बढ़ाकर 39 किया गया। सुरजेवाला ने कहा कि प्रदूषण कम करने की बात हो, यातायात सुधारने के लिए डीटीसी की बसों की खरीदने की बात हो, शुद्ध जल मुहैया करवाने की बात हो या फिर दिल्ली में एसी/एसटी और ओबीसी के लिए

नई दिल्ली



## समग्रता का भरोसा

संशोधित नागरिकता कानून यानी सीएए को लेकर फैले भ्रम के बीच प्रधानमंत्री का संसद में दिया भाषण एक तरह से समाज में समग्रता का भरोसा जगाने वाला था। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने भरोसा दिलाया कि मैं पूरी जिम्मेदारी से यह कहना चाहता हूँ कि इस कानून से हिंदुस्तान के एक भी नागरिक पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ने वाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनकी सरकार समग्रता में विश्वास करती है और इस कानून के जरिए उस भाव को और मजबूत करने का प्रयास किया गया है। प्रधानमंत्री के इस वक्तव्य से निरसंदेह लोगों का भरोसा बढ़ा होगा। सीएए को लेकर देश भर में भ्रम की स्थिति है। कई लोगों का मानना है कि इस कानून से मुसलिम अल्पसंख्यकों की नागरिकता पर बुरा असर पड़ेगा। वे इसे भेदभावपूर्ण कानून बता रहे हैं। इसे लेकर देश के विभिन्न इलाकों में धरने और प्रदर्शन हो रहे हैं। कई जगह पुलिस और नागरिकों के बीच हिंसक झड़पें भी हो चुकी हैं। इसमें कुछ लोगों को अपनी जान तक गंवानी पड़ी। मगर इसके विरोध में उठे आंदोलन शांत होने का नाम नहीं ले रहे। ऐसे में सदन में प्रधानमंत्री के ताजा वक्तव्य की अहमियत समझी जा सकती है।

सीएए को लेकर आम लोगों में भ्रम की स्थिति के पीछे एक वजह तो विपक्षी दलों की दलीलें हैं, पर दूसरी वजह सरकार की ओर से इस बारे में स्पष्ट तौर पर लोगों को न समझाया जाना भी है। सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि अगर किसी कानून या प्रस्ताव पर लोगों के मन में शंकाएं हैं, तो उनका निवारण किया जाए। मगर सरकार ने इस कानून को बहुत हड़बड़ी में पारित कराया और फिर इसके कुछ पक्षों को लेकर सवाल खड़े होने शुरू हुए, तो उन्हें स्पष्ट करने के बजाय और गाढ़ा होते जाने दिया। जब इसे लेकर आंदोलन शुरू हुए, तब भी सरकार की तरफ से आंदोलनकारियों को समझाने-बुझाने, उनके भ्रमों या शंकाओं का निवारण करने की कोशिश नहीं की गई। पचास दिन से ऊपर हो गए, मगर अंदोलन पर उतरे और धरनों पर बैठे लोगों से कोई संवाद स्थापित करने का प्रयास नहीं किया गया। बल्कि इसे दिल्ली विधानसभा चुनाव में मुद्दा भी बनाया गया और इसकी मार्फत विपक्ष पर निशाना साधा गया। मगर इस पर उठे विवादों को सुलझाने के संजीदा प्रयास नहीं हुए। ऐसे में प्रधानमंत्री ने अगर सदन में भरोसा दिलाया है कि इस कानून से किसी के हितों को नुकसान नहीं पहुंचेगा, तो जाहिर है, सरकार अब इस मुद्दे को शांत करने को लेकर गंभीर है।

किसी भी कानून से अगर किसी समुदाय के हितों को चोट पहुंचती है या समाज में विभेद पैदा होता है, तो उसे स्वरथ्य लोकतंत्र की निशानी नहीं कहा जा सकता। भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि यहां सभी धर्मों और समुदायों के लोगों को समान अधिकार, सुविधाएं और सुरक्षा प्राप्त हैं। उनके साथ जाति, धर्म, लिंग आदि के आधार पर कभी कोई भेदभाव नहीं हुआ। देश के विभाजन के बाद दो समुदायों के बीच धर्म के आधार पर कुछ मतभेद जरूर उभरे थे, पर उन्हें आपसी सौहार्द, विश्वास और भाई-चारे से दूर कर लिया गया था। सीएए आने के बाद भी सरकार ने विश्वास दिलाया था कि यह किसी समुदाय के प्रति अन्याय के मकसद से नहीं लाया गया है, पर उसे गलत मोड़ दे दिया गया। अब प्रधानमंत्री ने सदन में एक बार फिर उसे दोहराया है, तो उम्मीद की जाती है कि इससे सीएए को लेकर फैले भ्रम को दूर करने में मदद मिलेगी।

## सुविधा के साथ

किसी दंपति के भीतर अपनी संतान की इच्छा स्वाभाविक है और अगर किन्हीं प्राकृतिक या स्वास्थ्य कारणों से वे इसमें सक्षम नहीं हैं तो इसके लिए वे उपलब्ध चिकित्सीय उपायों का सहारा ले सकते हैं। इस क्रम में सरोगेसी पद्धति यानी गर्भ के लिए किसी अन्य महिला का सहारा लेने का चलन सामने आया, लेकिन इसने जैसा स्वरूप अख्तियार कर लिया, उसमें इसे लेकर कई सवाल उठने लगे। इसके व्यावसायिक होने के संदर्भ में यह मुश्किल सामने आई कि संतान के इच्छुक दंपति द्वारा गर्भधारण के लिए जिस महिला का सहारा लिया जाता है, उसके स्वास्थ्य से लेकर अन्य अधिकार क्या हैं। साथ ही इससे जुड़े नैतिकता के प्रश्न सहित इसके लिए पात्रता संबंधी शर्तें क्या होनी चाहिए, ताकि इस मसले से जुड़ी आशंकाओं को दूर किया जा सके। इस संबंध में ज्यादा आज सवाल यह सामने आया कि सरोगेसी से बच्चा पैदा करने का चलन अब जिस तरह एक व्यवसाय बन गया है और उसकी शिकार गरीब तबके की महिलाएं हो रही हैं, उनके साथ जैसी समस्याएं पेश आ रही हैं, उससे निपटने के लिए क्या सरकार को ठोस उपाय नहीं करने चाहिए! इसी के मद्देनजर पिछले साल सरोगेसी (नियमन) बिल- 2019 लोकसभा में पेश किया गया था, जो पारित भी हो गया, लेकिन इसका राज्यसभा में पास होना अभी बाकी है। लेकिन इस विधेयक में जो प्रावधान किए गए, उनके कई बिंदुओं पर असहमति के स्वर उभरे। खासतौर पर विधेयक में सरोगेट मां बनने के लिए ‘करीबी रिश्तेदार’ को चुनने की बाध्यता की वजह से दंपति के लिए जैसी समस्या को लेकर सवाल उठे, उसके ठोस आधार थे, क्योंकि इससे इस चिकित्सीय सुविधा का लाभ उठाने के इच्छुक लोगों के सामने विकल्प बेहद सीमित हो जाते हैं। फिर कुछ खास पहचान वाले जोड़ें या लोगों को बाहर रखने के मसले पर भी असहमति के बिंदु उभरे थे। शायद यही वजह है कि एक संसदीय समिति ने सरोगेसी को लेकर सरकार से कुछ अहम सिफारिशें की हैं। समिति के मुताबिक संतान पैदा करने में अक्षम दंपतियों के लिए ‘करीबी रिश्तेदार’ के किराए की कोख देने वाली महिला के रूप में स्वीकार करने की बाध्यता को हटايا जाए और किसी भी ‘इच्छुक’ महिला को यह भूमिका निभाने की इजाजत दी जाए।

प्रावधान में दर्ज एक अन्य मसले पर समिति ने यह राय दी है कि पैंतीस से पैंतालीस साल की विधवा या तलाकशुदा ‘अकेली भारतीय महिला’ को भी सरोगेसी की सुविधा का इस्तेमाल करने की छूट दी जाए। साथ ही समिति ने सरोगेट मां के लिए विधेयक में प्रस्तावित बीमा सुरक्षा की अवधि सोलह महीने से बढ़ा कर छत्तीस महीने करने सहित पंद्रह सिफारिशें की हैं। अब सरकार अगर इस और कोई पहलकदमी कर रही है तो उम्मीद की जानी चाहिए कि इससे जुड़े अन्य सभी पहलुओं को ध्यान में रखा जाएगा। यह किसी से छिपा नहीं है कि सरोगेसी से बच्चा हासिल करने के क्रम में गर्भ मुहैया कराने वाली मां और बच्चों के कल्याण और सुरक्षा से जुड़े व्यापक सामाजिक, शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, भावनात्मक और आर्थिक मुद्दों की अनदेखी की जाती है। एक बड़ी समस्या यह है कि गर्भ में पल रहे शिशु में अगर सेहत संबंधी कोई जटिलता आती है तो गर्भधारण करने वाली महिला के अधिकार किस हद तक सुनिश्चित होते हैं। इसलिए अब अगर सरकार सरोगेसी के नियमन को लेकर कानून ला रही है तो उम्मीद की जानी चाहिए कि इसमें दंपतियों की सुविधा के साथ-साथ कोख मुहैया कराने वाली मां के अधिकार भी तय किए जाएं।

## कल्पमेधा

राष्ट्रीयता की सबसे खरी परीक्षा तो आखिर यही है कि हम उस समूह का हित, जिसे हम राष्ट्र कहते हैं, बिल्कुल इस तरह देखें मानो वह हमारा अपना ही व्यक्तिगत हित है।

–महात्मा गांधी

# हिंदी भाषा का बढ़ता दबदबा

**धर्मेन्द्र प्रताप सिंह**

**किसी सभ्यता का अंत करने के लिए सदैव वर्चस्ववादी शक्तियों ने वहां की भाषा को अपना लक्ष्य बनाया है। हिंदी ने भी उपनिवेशवादी शक्तियों का सामना किया है, लेकिन वह बिखरी नहीं है। आज वह साम्राज्यवादी राष्ट्रों की भाषा की बराबरी में खड़ी है और कई मायनों में ज्यादा विस्तार और लोकप्रियता पा रही है। हिंदी का विस्तार उसकी बोलियों का विस्तार है, क्योंकि हिंदी अकेली ‘हिंदी’ नहीं है, बल्कि वह अपनी सभी बोलियों के साथ मिल कर ‘हिंदी’ है।**

वर्तमान समय में भाषा का स्वरूप सामाजिक और व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य में अधिक जांचा-परखा जा रहा है। वर्तमान हिंदी भाषा जिसे सामान्यतः खड़ी हिंदी के रूप में जाना जाता है, की विकास-यात्रा के विभिन्न पड़ावों को पार करते हुए आज विश्व बाजार की भाषा बन चुकी है। विभिन्न सोंपानों से गुजरती हुई खड़ी बोली ने तीन शताब्दियों की यात्रा तय कर ली है। वैसे हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास बहुत पुराना है। यह एक सच्चाई है कि आज कंप्यूटर और इंटरनेट पर अंग्रेजी के मुकाबले हिंदी की सामग्री भले कम हो, लेकिन पिछले दशक का तुलनात्मक अध्ययन किया जाए तो विकीपीडिया और अन्य वेबसाइटों पर हिंदी अंग्रेजी के समुख खड़ी दिखाई दे रही है और इसकी संख्या में निरंतर बढ़ावती हो रही है। भारत में आर्थिक उदारीकरण की नीति के बाद काम्पै तेजी से बदलाव आए हैं। आज हिंदी के वाद महत्त्वपूर्ण यह है कि उसे समावेशी बना कर अन्य भाषाओं के शब्दों को स्वीकारने की ओर प्रयास करना

### राजकुमारी

आइए छेड़ दें उस ऐतिहासिक तस्वीर को, जिसे ऊपर से साफ कर चमका तो दिया गया है, लेकिन मकड़जाल बुनने वाले जालों को उतारना भूल गए। विश्व में जहां भी संकीर्णताओं की पोषक सभ्यता जितनी प्राचीनतम होगी, मानसिक गुलामों की तादाद और लकीर पीटने वालों लोगों की संख्या भी उतनी ही अधिक होगी। इन्हीं सभ्यताओं के कोड़े पीट की खाल तो खींच रहे हैं, लेकिन दर्द महसूस न हो, इसका भी शांतिर शत्रुओं ने बखूबी इंतजाम किया गया है। झूठ और सच के बीच फासले ज्यादा नहीं हैं, बस थोड़ा उन पुराने बुलंद दरवाजों के बीच छोटी खाली जगहों के करीब ले जाकर और झांक कर देखने की जरूरत है।

भारतीय सभ्यताओं के पुराने होने में भी कोई शक न था, न होगा, लेकिन इस दौरान मानसिक दासता की स्थितियों के निर्माण में भी जी-तोड़ मेहनत की गई। मानसिक दासता की स्थिति ही शारीरिक दासता की जमीन रचती है। जो लोग कभी न खंडित होने वाले मानसिक दासों की एक जमात बना कर चले गए या अब भी इसे बनाए रखने के समर्थक हैं, उनका अकेला

## बजट का खेल

इस वर्ष का आम बजट अपने नाम के मुताबिक आम रहा पर आमजन के लिए इसमें कुछ खास नहीं रहा। बजट 2020-2021 से आर्थिक स्थिति में सुधार हो पाना काफी चुनौतीपूर्ण है। आयकर दाताओं से सरकार सशर्त कर वसूलना चाहती है। बजट के दिन शेयर बाजार के सूचकांक का प्रदर्शन ग्यारह वर्षों में सबसे खराब रहा। बीएसई सेंसेक्स 988 अंक गिरकर 39736 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 300 अंक टूटकर 11662 पर बंद हुआ। अगले वर्ष राजकोषीय घाटा अधिक रहने के आसार हैं।

आर्थिक वृद्धि कैसे होगी, इनके लिए उपायों के अभाव में बाजार नाखुश होकर मंदी की ओर बढ़ने लगा। कोरोना वायरस से वैसे ही विश्व आर्थिक सुस्ती से जूझ रहा है। किसानों के प्रति सरकार का रुख ठीक दिखा पर एलआइसी की हिस्सेदारी बेचने से बीमा करने वालों में भय बना है कि कहीं उनका निवेश खतरे में न पड़ जाए। आम बजट में रेल बजट को शामिल करने से रेल के बजट, निवेश और आय के स्रोतों का पता नहीं चल पा रहा और किसी का ध्यान भी उस ओर नहीं जा रहा। रेलवे के मद में वित्तमंत्री ने 70,000 करोड़ रुपए आवंटित किए। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) दस प्रतिशत रहने का अनुमान है जो बाजार को देखते हुए असंभव प्रतीत होता है। सक्सिडी पर अंकुश लगाने का जो फैसला किया गया है उससे आम जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। नए कर प्रावधानों से ज्यादा लाभ नहीं दिख रहा बल्कि पहले के जो प्रावधान हैं वे ज्यादा लाभकारी हैं। वैसे ही भारत की जनता लाभ को ज्यादा ध्यान में रखती है। कोई लाभ व रियायतों को छोड़कर ई 5,15 व 25 प्रतिशत कर-दरों को नहीं अपनाना चाहेगा क्योंकि इसमें रियायतें व छूट नहीं मिलने वाली।

कुल मिलाकर कहें तो यह बजट बस खानापूति

चाहिए। संकीर्णता के साथ उसका बचाव करने की अपेक्षा इसमें अधिक से अधिक शब्दों को आत्मसात करने की ओर बल देने का प्रयास होना चाहिए।

पिछली शताब्दी के अंतिम दशक का अवलोकन करते समय हमें सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक गलतियों में एक शब्द की गुंज सुनाई देती है जिसे ‘भूमंडलीकरण’ कहा जाता है। इसके मूल में विश्व की महाशक्तियां अमेरिका, रूस, चीन आदि की अपनी आर्थिक योजनाएं हैं। वे संपूर्ण विश्व में सहभाग और साहचर्य को बढ़ाने के पक्षपाती दिखाई पड़ रहे हैं और अपनी अर्थव्यवस्था को समृद्ध बनाने के लिए तीसरी दुनिया के देशों को एक बड़े बाजार के रूप में देख रहे हैं। हालांकि भूमंडलीकरण के प्रभाव में समाज, संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों पर भी अप्रोपियर संकट दिखाई पड़ा रहा है। इसके साथ-साथ परंपराओं, मूल्यों और स्थापनाओं आदि के पुनर्मूल्यांकन की भी बात हुई है। ऐसे में हिंदी भाषा भी भूमंडलीकरण रूपी रथ पर सवार होकर क्षेत्रीयता की परिधि से बाहर निकल कर वैश्विक परिप्रेक्ष्य में अपना वर्चस्व बनाने में सफल हुई है, जो हिंदी भाषा के महासागरीय रूप में दिखाई पड़ रहा है। भूमंडलीकरण ने अस्मिता की लड़ाई को तीव्र से तीव्रतर कर दिया है। इसने अलग-अलग तरह की अस्मिताओं को जन्म दिया, जिनमें भाषायी अस्मिता प्रमुख है। भूमंडलीकरण ने लोगों को अपनी संस्कृति, मिट्टी और बोली की ओर लौटने के लिए बाध्य किया है। यही कारण है कि लोग आज के समय में लोक साहित्य और संस्कृति की ओर मुखर हो रहे हैं।

तकनीक के विकास ने हिंदी को जहां लोकप्रिय बनाया है, वहीं उसके समक्ष अनेक चुनौतियां भी प्रस्तुत की हैं। इन चुनौतियों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पारिभाषिक शब्दावली का व्यावहारिक न होना, प्रशासनिक और न्यायालयी शब्दावली, अनुवाद की समस्या आदि प्रमुख हैं। जनसामान्य में प्रचलित शब्दों को अपना कर इस समस्या का निवारण किया जा सकता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि जो पारिभाषिक शब्द गढ़े जा रहे हैं, उन्हें निरंतर शोध और पर्यवेक्षण के आधार पर स्वीकार किया जाए। इसके लिए ऐसी कार्य योजनाएं तैयार की जानी चाहिए जिनसे पर्यवेक्षक जनसाधारण के बीच जाकर उन शब्दों का चयन करें। इसके साथ ही पारिभाषिक शब्दों के प्रचार-प्रसार की भी आवश्यकता है, जिससे आमजन को उनकी जानकारी मिल सके।

भाषाएं किसी भी समाज, सभ्यता व संस्कृति की वाहक होती हैं। भारतीय समाज में हिंदी की विभिन्न बोलियों के भी कई रूप देखने-सुनने को मिलते हैं।

हिंदी प्रदेश की प्रमुख बोलियों जैसे भोजपुरी, मैथिली, वज्जिका, अंगिका, अवधी, ब्रज आदि में तो इस विविधता को खासकर महसूस किया जा सकता है। भोजपुरी की बात करें तो पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के अलग-अलग क्षेत्रों में इसके ही कई रूप देखने को मिल जाते हैं। इसी तरह मैथिली-वज्जिका-अंगिका, राजस्थानी-हरियाणवी-गुजराती-मराठी, दक्षिण भारत की विभिन्न बोलियां आदि भी ऐसे ही साम्य-वैषम्य की लेकर चलती हैं।

व्यक्ति अपने परिवेश की उपज होता है और भाषा उसके परिवेश के निर्माण का एक महत्त्वपूर्ण साधन है। वह जब संस्कृतियों का वहन करती है तो साथ-साथ मनुष्य के भावों का भी वहन कर रही होती है। व्यक्ति चाहे किसी भी भाषायी परिवेश में चला जाए, उसकी अपनी भाषा या बोली कहीं न कहीं उसके अवचेतन में बनी रहती है। वह स्वयं को या किसी भी अन्य वस्तु को



अपने ही भाषायी संदर्भों से जोड़ कर देख पाता है। यह सिर्फ हिंदी के लिए नहीं है, बल्कि किसी अन्य भाषा-भाषी के लिए भी उतना ही सच है। चूंकि हिंदी और हिंदी की बोलियों में इतनी विविधता है, उसके इतने अधिक और अलग-अलग अर्थ-संदर्भ हैं कि हिंदी के मामले में यह बात विशेष रूप से उल्लेखनीय हो जाती है। हिंदी की इस विविधता को समझने के लिए वास्तव में उसकी बोलियों को बहुत बारीकी से समझना होगा।

भाषायी विविधता वाले हिंदुस्तान में किसी भी भाषा या बोली को किसी खास दायरे में बांध कर नहीं रखा जा सकता। यह भाषा के लोकतंत्र का तो हनन है ही, साथ ही एक नए तरह की भाषायी तानाशाही को बढ़ावा देना भी है। हमें यह मान कर चलना होगा कि भाषा सीखने

# चारदिवारी के पार

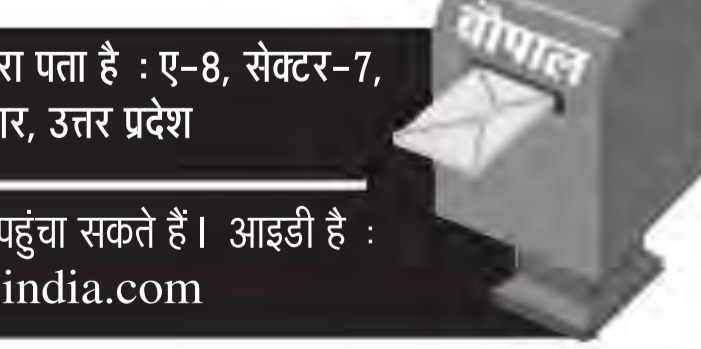
काम यही है कि वे शिक्षा से आपको दूर रखें। ये कह सकते हैं कि अपने सच को छिपाने के लिए वे इतनी दूर से चीजों को दिखाने की कोशिश करते रहेंगे, जितनी दूर से वे साफ-सुथरा भी दिखें और सच भी छिपा रहे। प्रगतिशीलता की राहों और स्वतंत्र विचारों में मानसिक गुलामी सदैव रोड़ा बनती रही है। इस महान देश में हमारी सामाजिक और आर्थिक स्थिति से ही लोगों को आंका जाता रहा है। आगे भी ऐसा होता रहेगा, अगर हमने अपनी स्वतंत्र सोच को जातीय, धार्मिक, रूढ़िवादी चिथड़ों से बाहर नहीं निकाला।

कभी दिमाग को काम पर लगा कर गहराई से सोचने को छोड़ दिया जाए कि ऐसा क्यों हुआ होगा कि स्त्री घरेलू कार्य में सक्षम थी, चारदिवारी संसार बसाए हुए थी, ऊंची कही जाने वाली जातियों में ‘स्वामिनी’ भी रही, फिर भी पुरुषों के कहने अनुसार अपनी गुमसुम पीढ़ियों को तैयार करती रही... नए मूक खोखले इतिहास लिखने दिए! कभी क्यों नहीं दहलीज पार करने की हठ ठानी? अरत्र-शत्रुधारी समाज में क्या कोई वीरांगना यह सोचने वाली जन्मी ही नहीं कि जीवित आग में क्यों कूदा जाए? या फिर ये कि पुरुष क्यों नहीं पत्नियों के मरने के साथ मर जाने की ‘रस्म’ निभाते हैं?

कई बार लगता है कि इतिहास में पंडचंत्र भरा पड़ा है। मंदिरों में देवदासियों के नाम पर वास्तव में अपनी स्वार्थपूर्ति के लिए देह-व्यापार की परंपरा कायम करना, उनसे पैदा होने वाली औलादों को गुलाम बनाने की ऐतिहासिक तौर पर गलत मानसिकता को सीधे तौर पर ‘ईश्वर’ से संबंध स्थापित करके पेश करना। इस तरह लेखनी और शस्त्रों पर एकाधिपत्य ने इतिहास रच डाला! मुझे लगता है कि अगर कोई भी स्त्री उस समय में शास्त्र, सभ्यता, संस्कृति के लेखन में भागीदार होती तो स्त्री के लिए गठित नियमों में कुछ रियायतें, लचीलापन लाने का एक प्रयास अवश्य करती। यह कुरेदने पर ही दिख पाती है कि इतिहास का राख में स्त्री वगं के लिए गहरी साजिश की दबी चिंगारियां रहीं। राजाओं की विलासितापूर्ण कथाएं, तलवारों की खनखनाहट के पीछे रानियों के रुदाली-रूप को दरकिनार करता कल्पना की ऐतिहासिक

की अनदेखी ही कर रही है। इसे किसी कारगर राजनीतिक रणनीति की संज्ञा इसलिए नहीं दी जा सकती कि कोई भी दल अपनी राजनीतिक जमीन को इतनी आसानी से नहीं छोड़ता। कांग्रेस तो दिल्ली से उसी तरह अपने कदम पीछे खींचती लग रही है जैसे उसने अतीत में अन्य राज्यों में खींचे। कांग्रेस के रुख-रवैये को देखते हुए इस नतीजे पर पहुंचने के अलावा और कोई उपाय नहीं कि वह दिल्ली में आम आदमी पार्टी और भाजपा में आमने-सामने की लड़ाई देkhना चाह रही है।

- हेमंत कुमार, गोरखीह, भागलपुर**



**किसी भी मुद्दे या लेख पर अपनी राय हमें भेजें। हमारा पता है : ए-8, सेक्टर-7, नोएडा 201301, जिला : गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश**

आप चाहें तो अपनी बात ईमेल के जरिए भी हम तक पहुंचा सकते हैं। आइडी है : **chaupal.jansatta@expressindia.com**

### हिंसा का ताप

इंटरनेशनल यूनिशन फॉर द कंजेशन ऑफ नेचर (आइयूसीएन) की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में वैश्विक ताप वृद्धि यानी ग्लोबल वार्मिंग की वजह से हो रहे जलवायु परिवर्तन के कारण महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं भी उसी अनुपात में बढ़ रही हैं। इसके मुताबिक दुनिया के पिछड़े देश ग्लोबल वार्मिंग से प्राकृतिक संसाधनों को बचाने में पूर्णतः वारिग हो रहे हैं, इसलिए उसी अनुपात में गरीबी भी बढ़ रही है और कम पढ़ते प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के लिए जबरदस्त प्रतिस्पर्धा हो रही है।

दुनिया भर में प्राकृतिक संसाधनों पर पुरुष वर्ग का कब्जा है इसलिए महिलाएं दायम दर्जे की नागरिक बन

और उसके प्रयोग का अधिकार भी कही न कही शिक्षा और जीवन के अधिकार जैसे मौलिक अधिकारों से जुड़ा है, क्योंकि सदियों से भाषा ही मानव जाति और विभिन्न सभ्यताओं की पहचान बनी है। यही कारण है कि हमेशा सबसे पहले भाषा ही अस्मिताओं और संस्कृतियों के टकरावों का शिकार हुई है। हिंदी ने भी ऐसे कई प्रहार झेले हैं। उसे कभी राजनीतिक अवसरवादियों ने अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करना चाहा, तो कभी कुछ अन्य असामाजिक और शरारती तत्त्वों ने उसका दुरुपयोग किया। भूमंडलीकरण की कोख से पनपा बाजार ही इन्हीं शरारती तत्वों में से है। बाजार ने अंग्रेजी को माध्यम बना कर हिंदी और हिंदुस्तानियों की जातीय स्मृतियों को, उनकी भाषायी संस्कृतियों को खरोच-खरोच कर मिटाने का प्रयास किया है। बाजार ने धर्म-राजनीति, मीडिया, विज्ञापन जैसे अपने औजारों की मदद से हिंदी की अस्मिता को चोट पहुंचाने की पूरी कोशिश की है, पर वह बार-बार अपनी पूरी शक्ति से उठ खड़ी हुई है।

किसी सभ्यता का अंत करने के लिए सदैव वर्चस्ववादी शक्तियों ने वहां की भाषा को अपना लक्ष्य बनाया है। हिंदी ने भी उपनिवेशवादी शक्तियों का सामना किया है, लेकिन वह बिखरी नहीं है। आज वह साम्राज्यवादी राष्ट्रों की भाषा की बराबरी में खड़ी है और कई मायनों में ज्यादा विस्तार और लोकप्रियता पा रही है। हिंदी का विस्तार उसकी बोलियों का विस्तार है, क्योंकि हिंदी अकेली ‘हिंदी’ नहीं है, बल्कि वह अपनी सभी बोलियों के साथ मिल कर ‘हिंदी’ है।

आज हिंदी ने अपना अंतरराष्ट्रीयकरण किया है। यह अंतरराष्ट्रीयकरण सिर्फ प्रचार-प्रसार के संदर्भ में नहीं है, बल्कि हिंदी की कुछ स्वभावगत विशेषताओं के कारण भी है। ये विशेषताएं हैं- हिंदी की आत्मसात करने और अनुकूलन की प्रवृत्ति। हिंदी ने बदलते वक्त के साथ खुद को इतना लचीला बनाया कि सिर्फ भारतीय बोलियों के शब्दों को ही नहीं, बल्कि विदेशी भाषाओं के शब्दों को भी अपने भीतर समेटा है। फ्रेंच, लैटिन, स्पैनिश, जापानी, अरबी, अंग्रेजी और न जाने कितनी ऐसी विदेशी भाषाएं हैं जिनका प्रयोग एक हिंदीभाषी अपने रोजमर्रा के जीवन में बड़े ही सहज व स्वाभाविक रूप में कर लेता है। बाजार के इस भयाक्रंत कर देने वाले दौर में भी हिंदी अनुकूलन की इस क्षमता के कारण ही अपनी पहचान बनाए रखने में सफल हुई है। आज हिंदी ने वह साबित कर दिया है कि तथाकथित तीसरी दुनिया की भाषा होते हुए भी वह बेचारी या हीन भावना से ग्रस्त नहीं है। ज्ञान-विज्ञान-तकनीक के क्षेत्र में अब वह एक नए तेवर और अपने नए अंदाज के साथ स्वयं को प्रस्तुत कर सकती है।

# दुनिया मेरे आगे

कथाओं पर आधारित हमारा इतिहास, जिसे हमारे सामने गौरवमय इतिहास के रूप में पेश किया गया है।

अपने-अपने समाज के अभिमान में मतवालापन इतना भी अच्छा नहीं लगेगा कि हमारा अंश हमारे जैसी ही वंशवालिियों पर पागलपन के चलते तेजाब फेंक दें, बलात्कार कर बैठे। या फिर सिरफिरापन इतना बढ़ जाए कि कभी वह पिता की जलती चिता में बैठाना चाहे तो ? तब परंपरागत होना, परंपरा की महानता के गीत गाना कितना दुर्लभ होगा ? मुझे यकीन है कि तब अट्टहासों की आवाजें कान के अंदर की झिल्लियों से बर्दाश्त नहीं होंगी। मिथ्याभिमान, झूठे विश्वासों को छोड़ें से कोई लाभ नहीं। धर्म में अंधविश्वास का आंछें मूंद कर अनुसरण करना भी महिलाओं के लिए कितना घातक सिद्ध हो रहा है, इसके अनेक उदाहरण समाज में मौजूद हैं। शक्ति होकर भी अगर आंछों पर पट्टी बांध कर रहना है तो धार्मिक शोषण होना मुमकिन है। अतीत के साथ खुद को बांध कर रखें, लेकिन इतना भी नहीं कि वर्तमान के सच नहीं दिखे। आदमी बारूद पर बैठ कर कैसे खुद को सुरक्षित समझ सकता है। मोर्चे से कोई लाभ नहीं। धर्म में अंधविश्वास का आंछें मूंद कर अनुसरण करना भी महिलाओं के लिए कितना घातक सिद्ध हो रहा है, इसके अनेक उदाहरण समाज में मौजूद हैं। शक्ति होकर भी अगर आंछों पर पट्टी बांध कर रहना है तो धार्मिक शोषण होना मुमकिन है। अतीत के साथ खुद को बांध कर रखें, लेकिन इतना भी नहीं कि वर्तमान के सच नहीं दिखे। आदमी बारूद पर बैठ कर कैसे खुद को सुरक्षित समझ सकता है। मोर्चे से कोई लाभ नहीं। धर्म में अंधविश्वास का आंछें मूंद कर अनुसरण करना भी महिलाओं के लिए कितना घातक सिद्ध हो रहा है, इसके अनेक उदाहरण समाज में मौजूद हैं। शक्ति होकर भी अगर आंछों पर पट्टी बांध कर रहना है तो धार्मिक शोषण होना मुमकिन है। अतीत के साथ खुद को बांध कर रखें, लेकिन इतना भी नहीं कि वर्तमान के सच नहीं दिखे। आदमी बारूद पर बैठ कर कैसे खुद को सुरक्षित समझ सकता है।

क्याओं पर आधारित हमारा इतिहास, जिसे हमारे सामने गौरवमय इतिहास के रूप में पेश किया गया है। अपने-अपने समाज के अभिमान में मतवालापन इतना भी अच्छा नहीं लगेगा कि हमारा अंश हमारे जैसी ही वंशवालिियों पर पागलपन के चलते तेजाब फेंक दें, बलात्कार कर बैठे। या फिर सिरफिरापन इतना बढ़ जाए कि कभी वह पिता की जलती चिता में बैठाना चाहे तो ? तब परंपरागत होना, परंपरा की महानता के गीत गाना कितना दुर्लभ होगा ? मुझे यकीन है कि तब अट्टहासों की आवाजें कान के अंदर की झिल्लियों से बर्दाश्त नहीं होंगी। मिथ्याभिमान, झूठे विश्वासों को छोड़ें से कोई लाभ नहीं। धर्म में अंधविश्वास का आंछें मूंद कर अनुसरण करना भी महिलाओं के लिए कितना घातक सिद्ध हो रहा है, इसके अनेक उदाहरण समाज में मौजूद हैं। शक्ति होकर भी अगर आंछों पर पट्टी बांध कर रहना है तो धार्मिक शोषण होना मुमकिन है। अतीत के साथ खुद को बांध कर रखें, लेकिन इतना भी नहीं कि वर्तमान के सच नहीं दिखे। आदमी बारूद पर बैठ कर कैसे खुद को सुरक्षित समझ सकता है।

जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में भाग लेने वाले 193 देशों के लोगों को यह बात खूब ठीक से समझनी ही होगी कि महिलाओं को अब दायम दर्जे का नागरिक बनाया और उनका अनवरत शोषण नहीं किया जा सकता। इस धरती के संसाधनों पर जितना पुरुषों का अधिकार है उतना ही अधिकार महिलाओं का भी है। जहां तक पर्यावरण में सुधार करने की बात है, इस मामले में महिलाओं के बनिस्बत प्रकृति और पर्यावरण के प्रति बहुत ही सजग, विनम्र, दयालु व सहिष्णु हैं इसलिए अब भविष्य में महिलाओं के प्रति हिंसा और भेदभावपूर्ण व्यवहार रुकना ही चाहिए। इसी में संपूर्ण प्रकृति, पर्यावरण, पृथ्वी और मानवमात्र आदि सभी की भलाई अंतर्निहित है।

- निर्मल कुमार शर्मा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश**

### जल संचयन

देश में भूजल का लगातार गिरता स्तर बेहद चिंताजनक है। गर्मियों में हमारे देश के अनेक भागों में पानी के लिए कैसी हायतीबा मचती है, यह सभी जानते हैं। पानी अनमोल है। यह जानने के बावजूद हम इसे संभालने-सहेजने के प्रति गंभीर नहीं हैं। एक तरफ करोड़ों क्यूसैक पानी समुद्र में जा रहा है तो दूसरी तरफ करोड़ों लोग पानी की कमी से जूझ रहे हैं। पृथ्वी को का उपयोग तो कर लेते हैं लेकिन उससे वापस कुछ को नहीं देते। जल संकट से निपटने का सबसे अच्छा तरीका वर्षा जल का संचयन करना है।

- साजिद अली, चंदन नगर, इंदौर**



### नई फिल्म

- मलंगा
- शिकारा
- हैवड



### बॉक्स ऑफिस

फिल्म	कुल कमाई	● 6
● जवानी जानेमन	18 करोड़	फरवरी तक की कमाई
● तानाजी	252 करोड़	
● स्ट्रीट डॉन्सर	67.1 करोड़	
● पंगा	21.75 करोड़	



### जन्मदिन

- सोफी चौधरी 8 फरवरी
- अमृता सिंह 9 फरवरी
- कुणाल रॉय कपूर 13 फरवरी
- रश्मि देसाई 13 फरवरी

# हां, मैं प्यार में हूँ : तापसी

आरती सक्सेना

**31**

पने बोल्ट किरदार और बेबाक अंदाज के लिए मशहूर अभिनेत्री तापसी पन्नू एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'थप्पड़' का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसमें वह महिला अधिकारों की बात करती नजर आईं।

**सवाल :** आप एक बार फिर अर्थपूर्ण फिल्म 'थप्पड़' लेकर आ रही हैं। इस फिल्म के बारे में आप क्या कहेंगी? ● 'थप्पड़' की कहानी नारी सम्मान की कहानी है। फिल्म में मैंने एक ऐसी शादीशुदा औरत अमृता के सम्मान की बात कही है, जिसके लिए लोगों के सामने थप्पड़ खाना बेइज्जती होना है और इसे वह किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं कर पाती। एक थप्पड़ कैसे किसी इंसान की जिंदगी में भूचाल ला सकता है यही इस फिल्म में दिखाया गया है। मेरी नजर में प्यार में सम्मान बहुत जरूरी है। एक औरत में भी आत्मसम्मान होना बहुत जरूरी है। अगर कोई उसे पब्लिकली थप्पड़ मार देता है तो उसे ऐसे ही नहीं लेना चाहिए।

**सवाल :** 'थप्पड़' में आपको सही में थप्पड़ पड़ा था या सिर्फ एक्टिंग थी?

● सही में थप्पड़ पड़ा था वो भी एक दम इन्नाटेदार। जब इस सीन का फिल्मांकन होना था तो मुझे थप्पड़ खाने का इतना टेंशन नहीं था, जितना कि मेरे फिल्म के हीरो पवेल गुलाटी को मुझे थप्पड़ मारने का था। दो दिन वह टेंशन के मारे सोया ही नहीं था कि वह मुझे थप्पड़ कैसे मारेगा। जब फिल्म का नाम ही 'थप्पड़' है तो वास्तविक शॉट तो होना जरूरी है न। मेरे लिए थप्पड़ वैसा ही था जैसे किसी एक्शन शॉट के दौरान पिटाई होना। बस मुझे यही टेंशन था कि कहीं शॉट रीटेक न हो। इसलिए मैंने पवेल से कहा भी था कि देख तू एक ही बार में जोरदार थप्पड़ मारना रीटेक नहीं होना चाहिए। लेकिन फिर भी उसको सात बार रीटेक करना पड़ा।

**सवाल :** आपने अब तक जो भी फिल्मों की हैं उसमें नारी सम्मान और प्रतिष्ठा को मान्यता दी गई है। पति द्वारा पत्नी को मारना आम बात है। ऐसे में इस फिल्म के जरिए क्या दर्शकों को कोशिश की गई है? ● ये सच है कि पति-पत्नी के बीच इस तरह का संबंध होता है। लेकिन वो खुद इन चीजों को कैसे लेते हैं इस पर निर्भर करता है। कई बार हमारे खुद के घर में ये सब चीजें होती हैं, हम ये सब देखते- देखते बड़े होते हैं। लेकिन कई बार आप इस तरह के रिश्तों में नहीं रह पाते। प्यार में थप्पड़ नहीं मारा जाता।

**सवाल :** आपने तेलुगु, तमिल और हिंदी तीनों भाषा की फिल्मों में काम किया है, कहां काम करके सबसे अच्छा लगा?

● मुझे तेलुगु फिल्म इंस्ट्री में काम करके सबसे ज्यादा मजा आया। वहां पर आपको इतना सम्मान मिलता है कि आप उसे कभी नहीं छोड़ना चाहेंगे। मुझे वहां पर रानी की तरह ट्रीट किया जाता था। जब तक मैं वैन से उतर कर सेट तक नहीं पहुंच जाती थी, तब तक यूनिट वाले मेरे लिए वही पर सर झुकाए खड़े रहते हैं। लेकिन कई बार आप इस तरह के रिश्तों में नहीं रह पाते। प्यार में थप्पड़ नहीं मारा जाता।

**सवाल :** क्या आप खुद को परफेक्ट मानती हैं या आपके माइंड प्लॉट आपको परेशान करते हैं?

● परेशान तो नहीं करते लेकिन मैं इसे सुधारना चाहती हूँ। मैं बहुत ज्यादा उतावली हूँ, मुझे सबकुछ फटाफट



चाहिए, मुझे इंतजार नहीं होता। मैं डोमिनेटिंग भी हूँ, मैं अपनी छोटी बहन शगुन से इतना ज्यादा प्यार करती हूँ कि अगर कोई उसकी बेइज्जती कर दे तो वह मेरा दुश्मन बन जाता है। उस वक्त मैं बहुत झगड़ालू भी बन जाती हूँ।

**सवाल :** सुना है आप रिलेशनशिप में हैं। फिर क्या आप इसी साल शादी करेंगी? आप किसी इंस्ट्री वाले से शादी करेंगी या बाहर के किसी व्यक्ति से?

● मैं फिल्मों से जुड़े किसी बंदे से शादी तो नहीं करूंगी। क्योंकि मैं नहीं चाहती कि एक घर में दो स्टार हों। घर में एक ही स्टार होगा, वो भी मैं। फिलहाल रिलेशनशिप में हूँ लेकिन अभी शादी का इरादा नहीं है। मेरा प्रेमी बैडमिंटन खिलाड़ी है, जो इंडिया में नहीं है बल्कि इंडिया से बाहर है। हम दोनों ही अपने अपने काम में व्यस्त रहते हैं इसलिए हम बहुत ज्यादा नहीं मिल पाते। बावजूद इसके हमारे बीच अच्छी समझ है और हम प्यार में हैं।

### खबर कोना

**सूरज बड़जात्या की फिल्म में फिर दिखेंगे सलमान**

**फि**

ल्व निर्माता-निदेशक सूरज बड़जात्या एक बार फिर पारिवारिक पृष्ठभूमि वाले कहानी पर काम कर रहे हैं। फिल्म में नए जमाने के तड़के के साथ परिवार के महत्व और प्रेम को दिखाया जाएगा। इस फिल्म में सलमान खान के होने की भी खबर है। सूरज बड़जात्या बॉलीवुड में पारिवारिक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 1989 में फिल्म 'मैंने प्यार किया' से पर्दा उठाया था। इसके बाद उन्होंने 'हम आपके हैं कौन' (1994), 'हम साथ-साथ हैं' (1999), 'विवाह' (2006) और 'प्रेम रतन धन पाये' (2015) जैसी पारिवारिक फिल्मों का निर्देशन किया। इन फिल्मों को दर्शकों का खूब प्यार मिला और फिल्म ने खूब कमाई की। अपनी फिल्म के बारे में सूरज बड़जात्या ने



कहा, "मैं एक स्टोरी पर काम कर रहा हूँ। एक या दो साल में ये पूरी हो जाएगी। मैंने सलमान खान संग इस आइडिया को डिस्कस किया है और उन्हें ये बहुत पसंद आया। ये मेरे ही स्पेस में है- फैमिली, ड्रामा और इमोशंस। उन्होंने कहा, 'परिवार केंद्रित फिल्में बनाने को लेकर मैं समाज के प्रति और भी ज्यादा जिम्मेदार महसूस कर रहा हूँ क्योंकि कोई और इन्हें नहीं बना रहा। युवाओं के लिए ऐसी फिल्में बनाना काफी चुनौतीपूर्ण है।"

**करण जोहर की 'तख्त' क्रिसमस पर होगी रिलीज**

**फि**

ल्व निर्माता करण जोहर की इतिहास पर आधारित बहुप्रतिक्षित फिल्म 'तख्त' अगले साल 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में आएगी। इस फिल्म में रणवीर सिंह, आलिया भट्ट, विकी कोशल, करीना कपूर खान और अनिल कपूर मुख्य भूमिका में हैं। जान्हवी कपूर और भीमि पंडेकर वाली इस फिल्म की पृष्ठभूमि मुगल काल में बनी गई है। करण जोहर समेत फिल्म से जुड़े सितारों ने हाल ही में ट्विटर पर फिल्म की ट्रेलर रिलीज किया है। करण जोहर ने ट्वीट किया, 'तख्त' पेश कर रहे हैं। फिल्म के निर्माता हीरू, यश जोहर, करण जोहर और अपूर्वा मेहता



है। इसकी पटकथा सुमित रॉय ने लिखी है। फिल्म 24 दिसंबर 2021 को सिनामाघरों में आएगी। हुसेन हैदरी ने इस फिल्म के संवाद लिखे हैं। करण जोहर पहली बार कोई पीरियड फिल्म बना रहे हैं। इसकी कहानी मुगल बादशाह औरंगजेब और उनके भाई दारा शिकोह के संबंधों पर आधारित है।

**अच्छा लुक नहीं होने की भरपाई की : अनिल**

**द**

र्जनों हिट और सुपरहिट फिल्मों के चुके अनिल कपूर को करिअर के पहले दिन से ही यह पता था कि दूसरों की तरह उन्हें उनके लुक के लिए फिल्मों में काम नहीं मिलेगा इसलिए उन्होंने मेहनत करने का निर्णय लिया। अनिल कपूर ने अरसी के दशक में अपने फिल्मी करिअर की शुरुआत की। पचास पाए गए इस अभिनेता के पास फिल्मों की लाइन लगी है। आज लोग उनके लुक और फुटी की तारीफ करते हैं लेकिन पहले ऐसा बिल्कुल नहीं था। अनिल कपूर ने एक साक्षात्कार में कहा, 'करिअर की शुरुआत में लोग मुझे कहते थे कि तुम्हें



ज्यादा काम करने की जरूरत नहीं है। लेकिन मुझे मजा आता था इसलिए मैंने किसी की बात पर ध्यान नहीं दिया कि लोग क्या कहते हैं। कहीं ना कहीं मुझे लगता था कि भगवान ने मुझे बहुत अच्छे चेहरा, शरीर या व्यक्तित्व नहीं दिया है इसलिए मुझे मेहनत करके ही काम मिलेगा।' आज अनिल कपूर की फिल्म 'मलंगा' रिलीज हो रही है।

**शेदी की फिल्म 'सूर्यवंशी' में जैकी की एंट्री**

**जै**

की श्रॉफ रोहित शेदी की फिल्म 'सूर्यवंशी' का हिस्सा बन गए हैं। इस फिल्म का लंबे समय से इंतजार हो रहा है। रोहित शेदी ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो साझा करते हुए फिल्म में जैकी श्रॉफ के होने की जानकारी दी। फोटो के साथ रोहित शेदी ने लिखा कि उनके कॉपी यूनिवर्स में एक और नया नाम जुड़ गया है। जैकी श्रॉफ ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा, 'मैंने रोहित के पिता शेदी साहब के साथ काम किया है जिनका मैं बहुत सम्मान करता हूँ। मैंने उनके साथ बहुत काम किया है



और अब उनके बेटे, रोहित के साथ काम करना शानदार है। कहानी उनके दिमाग में रहती है। वह जमीन से जुड़े व्यक्ति हैं। अभिनेता ने कहा, 'उन्हें उनका काम पता है और मुझे नहीं है। मैं अपना किरदार नहीं बता सकता लेकिन यह दिलचस्प भूमिका है।' अक्षय कुमार लीड रोल में हैं।

### फिगर स्केटिंग



दक्षिण कोरिया में आईसीयू चार-महाद्वीपों की फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप 2020 आयोजित की जा रही है। लेडीज शॉर्ट प्रोग्राम के दौरान आइस रिंग पर स्केटिंग करती वाक्की मॉंकडोंग।

## एकल और सामूहिक नृत्य प्रस्तुति

शशिप्रभा तिवारी

**हा**

ल ही में अल्पना की ओर से ओडिशी नृत्य समारोह 'नृत्य प्रवाह' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गुरु अल्पना नायक की शिष्या पीहू श्रीवास्तव ने बहुत ही खूबसूरत नृत्य पेश किया। पीहू एक उम्दा नृत्यांगना हैं, जो अपनी गुरु के सानिध्य में नृत्य सीखती हैं और रियाज करती हैं। इस नृत्य समारोह में पीहू श्रीवास्तव ने एकल नृत्य पेश किया। उन्होंने राग रागेश्वरी पर आधारित पल्लवी नृत्य पेश किया। पल्लवी नृत्य की रचना गुरु गंगाधर प्रधान की थी। बोल-"ता झेणु" और सरगम पर आधारित पेशकश में पीहू ने लयात्मक पद संचालन और अंग संचालन पेश किया। गुरु गंगाधर प्रधान की नृत्य रचनाएं लाखों पूर्ण होती हैं। इनमें अंगों का संचालन और विभिन्न ताल आवर्तनों को बरतने का अंदाज भी अनूठा होता है। पीहू की यह नृत्य प्रस्तुति अच्छी रही।

**नृत्योत्सव**



उन्होंने महाकवि जयदेव रचित गीत गोविंद की अष्टपदी पर अभिनय पेश किया। इसके लिए अष्टपदी 'धीरे समीरे यमुना तीरे' का चयन किया गया था। इसकी नृत्य परिकल्पना गुरु केलुचरण महापात्र की थी। नृत्यांगना पीहू ने उड़िया गीत 'आहे नील सेल' पर भाव पेश किया। यह संत साल बेग की रचना थी। एक ओर अष्टपदी में पीहू ने नायक कृष्ण को राधा का इंतजार करते हुए दिखाया। वहीं सखी के कहने पर नायिका राधा नीली साड़ी

पहनकर, कृष्ण से मिलने यमुना के तट पर जाती है। पीहू के अभिनय में अच्छी परिपक्वता दिखाई। यह नृत्य समारोह दूसरे समारोह से थोड़ा अलग था। नृत्यांगना पीहू ने प्रयोग करते हुए अपने साथी दिव्यांग कलाकारों के साथ सामूहिक नृत्य भी पेश किया। पहली पेशकश मंगलाचरण थी। यह रावण रचित शिव तांडव स्त्रोत पर आधारित थी। इसमें शिव के रौद्र रूप का विवेचन किया गया। एक अन्य नृत्य भी पीहू ने साथी कलाकारों के साथ पेश किया, यह बटु नृत्य था। परंपरागत बटु नृत्य ओडिशी की तकनीकी बारीकियों से ओत-प्रोत था। इस नृत्य की परिकल्पना भी गुरु केलुचरण महापात्र की थी। कलाकारों की यह प्रस्तुति लासानी थी।

नृत्य समारोह में दिव्यांग कलाकार अभिषेक, प्रीति, खुशी और तन्मय ने भाग लिया। सभी का नृत्य बेहद सराहनीय था। वहीं युवा कलाकार जब एकल नृत्य पेश करता है, तब उसमें इस तरह के प्रयोग अनपेक्षित लगते हैं। यह सच है कि दिव्यांग कलाकारों को मंच दिया जाना चाहिए। लेकिन एकल प्रस्तुति के बीच सामूहिक पेशकश से रस भंग का एहसास होता है। उभरते हुए, कलाकारों को इस तरह का प्रयोग करने से बचना चाहिए। वहीं सभागा में प्रकाश प्रभाव की नागयता की वजह से नृत्यांगना पीहू का नृत्य उस तरह से उभर नहीं पाया, जैसा की वह नृत्य करती रही हैं। नृत्य समारोह में पार्श्व संगीत भी बहुत संतुलित नहीं लगा, इन सबके कारण कहीं न कहीं पीहू का नृत्य प्रभावित हुआ।

कवि प्रदीप

(6 फरवरी, 1915-11 दिसंबर, 1998)

## दूर हटो ऐ दुनिया वालों हिंदुस्तान हमारा है...

गणेशानंदन तिवारी

सन 1942... आठ अगस्त को मुंबई से अंग्रेजों भारत छोड़ो के ऐलान के बाद आजादी के मतवाले सड़कों पर उतर आए थे। जगह-जगह धरने, प्रदर्शन शुरू हो गए थे। 'करो या मरो' का आह्वान हो रहा था। अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ चल रहे इस आंदोलन का भारतीय सिनेमा पर भी असर हुआ। यह असर लगभग 20 सालों तक तो बहुत गाढ़ा रहा और हिंदी फिल्मों में देशप्रेम के गाने खूब गुंजे। देशप्रेम के गाने लिखने वाले गीतकारों में रामचंद्र द्विवेदी यानी कवि प्रदीप का नाम सबसे आगे था। मध्य प्रदेश में पैदा हुए प्रदीप एक कवि सम्मेलन में भाग लेने मुंबई गए थे और वहां उन्हें बॉम्बे टॉकीज की 'कंगन' (1939) में काम मिल गया था। भारत छोड़ो आंदोलन के दौर में युवकों की जुबान पर 'चल चल रे नौजवान...' गाना चढ़ा हुआ था, जो प्रदीप ने बॉम्बे टॉकीज की 'बंधन' (अशोक कुमार, लीला चिटनिस, 1940) में लिखा था। मगर अभी



कवि प्रदीप का नाम लेते ही देशभक्ति के गाने लोगों के दिमाग में आते हैं और एक तरह से प्रदीप इन गानों तक ही सीमित कर दिए जाते हैं। मगर प्रदीप के रचना संसार में और तरह के गाने भी हैं। उन्होंने 'मैं तो आरती उतारूं रे संतोषी माता की...' भी लिखा, 'इनसान से इनसान का हो भाईचारा...' और देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान... जैसे गाने भी लिखे। दादा साहेब फालके पुरस्कार विजेता कवि प्रदीप की कल 105वीं जयंती थी।

**हमारी याद आएगी**

अंग्रेजों को सीधे ललकारने वाला गाना आना बाकी था। प्रदीप की कलम से यह काम हुआ 1943 की 'किस्मत' में, जो कोलकाता के रॉक्सि सिनेमाघर में 187 हफ्ते तक लगातार चली। जिनके राज में सूरज नहीं डूबता था, ऐसे ताकतवर अंग्रेजों को 'किस्मत' में सीधे ललकारा गया था, 'आज हिमालय की चोटी से फिर हमने ललकारा है, दूर हटो ऐ दुनिया वालों हिंदुस्तान हमारा है...' फिल्म का यह गाना आंदोलन में लोगों की जुबान पर चढ़ने लगा था। अंग्रेज इसका

मतलब समझ पाए, तब तक बहुत देर हो गई थी। गाना देश भर में पहुंच चुका था। चूंकि सेंसर बोर्ड उसे पास कर चुका था, इसलिए न तो अंग्रेजों ने फिल्म पर प्रतिबंध लगाया न पुनर्विचार के लिए फिल्म को वापस बुलाया। यज्ञा इसके प्रदीप के नाम पर नोटिस जारी कर दिया।

कवि प्रदीप ने सीधे-सरल शब्दों में देश प्रेम के गाने लिखे, जो खूब सराहे गए। 'आओ बच्चों तुम्हें दिखाएँ झांकी हिंदुस्तान की...', 'हम लाए हैं तूफान

# कोरोना वायरस : चीन में फंसे 21 भारतीय विद्यार्थी

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 6 फरवरी।

चीन में पढ़ने वाले भारत के 21 विद्यार्थी युनान के कुनमिंग हवाई अड्डे पर रोक दिए गए हैं। सभी 21 विद्यार्थी केरल से हैं, जो चीन की डालियान मेडिकल यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे थे। इस समूह में ज्यादातर छात्राएं हैं। इस बीच, विदेश मंत्रालय ने कहा कि अब तक चीन से 640 भारतीयों को निकाला गया है। 10 अन्य लोगों को निकाला जाना था, लेकिन जांच प्रक्रिया में विफल रहे। इनके अलावा 21 नए विद्यार्थियों के बारे में पता चला है, जो खुद के प्रयास से भारत लौट रहे थे और चीन में हवाई अड्डे पर रोक दिए गए। गुरुवार को भारत लाए गए और आइटीबीपी के शिफारि में रखे गए सभी 645 लोगों की कोरोना वायरस की जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई है।

केरल के 21 विद्यार्थियों ने सिंगापुर के रास्ते भारत आने का प्रयास किया। लेकिन सिंगापुर ने चीन से आने वाली उड़ानों पर रोक लगाई हुई है। इस कारण उन लोगों ने कुनमिंग हवाई अड्डे से उड़ान लेने की योजना बनाई। इन छात्रों ने प्रयास हॉटेल लौटने से मना कर दिया है और कुनमिंग हवाई अड्डे पर रुके हुए हैं। इन सभी ने विदेश मंत्रालय से मदद मांगी है। प्रवक्ता के मुताबिक, जल्द इन लोगों के लाने के इंतजाप किया जाएगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार के मुताबिक, चीन के शहर वुहान से भारतीयों को सुरक्षित निकालने का अभियान था। इसमें चीन की सरकार ने काफी

## डंडे झेलने के लिए पीठ मजबूत कर लूंगा : मोदी

पेज 1 का बाकी

इस बयान का जिक्र किए बिना कहा कि कांग्रेस के एक नेता ने घोषणा की है कि छह महीने में (युवा) मोदी को डंडे मारेंगे। यह काम कठिन है तो छह महीने तो लगेगा। मैं भी छह महीने में सूर्य नमस्कार की संख्या बढ़ा दूंगा। अपने आप को गालीपूफ बना दिया है। इतना सूर्य नमस्कार करूंगा कि मेरी पीठ डंडे झेलने के लिए मजबूत हो जाए। इस पर गांधी अपने स्थान पर खड़े होकर यह कहते हुए सुने गए कि आप रोजगार के बारे में बताइए।

मोदी पर इस पर भी तंज करते हुए कहा— पिछले 30–40 मिनट से बोल रहा हूं, करंट पढ़ूचते-पढ़ूचते समय लगा, बहुत सी ट्यूबलाइट के साथ ऐसा ही होता है।

## प्रधानमंत्री के दौरे से पहले दो आइईडी बरामद, एक गिरफ्तार

पेज 1 का बाकी

कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया गया है। मोदी शुक्रवार को असम में 27 जनवरी को हुए बड़ो शांति समझौते के बाद कोकराझार में आयोजित रैली को संबोधित करेंगे। गुवाहाटी के पुलिस आयुक्त मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने बताया कि बुधवार रात को शहर के व्यस्त रहने वाले पल्टन बाजार और पान बाजार इलाकों में दो आइईडी पाए गए थे। उन्होंने बताया कि बम निरोधक दस्ता बाजार क्षेत्र से आइईडी निकाल कर दूर ले जाया गया जिन्हें बाद में निष्क्रिय कर दिया गया। संदेह है कि यह उल्टा (यूपलएफए) का काम है। गुप्ता ने बताया कि पुलिस ने तुरंत तलाशी अभियान चला कर उरफ्ता के एक सश्रिध कार्यकर्ता को गिरफ्तार कर लिया। यह पृछने के लिए कि क्या यह मोदी की यात्रा प्रभावित करने के लिए किया गया था, गुप्ता ने कहा कि अभी यह कहना मुश्किल है कि आइईडी को पीएम की यात्रा प्रभावित करने के लिए लगाया गया था।

पुलिस ने पनीखेती क्षेत्र से पांच और आइईडी बरामद किए थे।

## ‘बिरयानी’ वाले बयान पर योगी को चुनाव आयोग का नोटिस

पेज 1 का बाकी

कहा— प्रथम दृष्टया इस तरह की टिप्पणी करके भाजपा के वरिष्ठ नेता ने 8 फरवरी के दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए लागू आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों का उल्लंघन किया है। योगी आदित्यनाथ ने यह टिप्पणी एक फरवरी को दिल्ली में एक भाषण के दौरान की थी। जिसमें उन्होंने दावा किया था कि अब आतंकवादियों को बिरयानी नहीं खिलाई जा रही है। बिरयानी खिलाने का शौक या तो कश्मीर के अंदर कांग्रेस को था या फिर बिरयानी खिलाने का शौक शाहीन बाग जैसी घटनाओं में केजरीवाल को है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पाकिस्तान का एक मंत्री केजरीवाल के समर्थन में अपील कर रहा है यानी उसे दिल्ली की जनता पर विश्वास नहीं है। वो अपने पाकिस्तान के आकाओं से कह कर अपने पक्ष में बयान दिलावा रहे हैं।

## नए मृत्यु वारंट के लिए कोर्ट में

पेज 1 का बाकी

संबंध में दायर याचिका पर चारों दोषियों से शुक्रवार तक जवाब मांगा। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धर्मेंद्र राणा ने नए सिरे से मृत्यु वारंट जारी करने के लिए तिहाड़ जेल के अधिकारियों की ओर से गुरुवार को दायर याचिका पर दोषियों का जवाब मांगा।

31 जनवरी को निचली अदालत ने मामले में चारों दोषियों मुकेश कुमार सिंह (32), पवन गुप्ता (25), विनय कुमार शर्मा (26) और अक्षय कुमार (31) की फांसी पर अगले आदेशों तक रोक लगा दी थी।

- कुनमिंग हवाई अड्डे पर रोके गए, सभी ने विदेश मंत्रालय से मदद मांगी

● चीन में पढ़ रहे पाकिस्तानी छात्रों ने वीडियो जारी कर भारत सरकार से निकालने की अपील की

- चीन से लाए गए भारतीय नागरिकों की कोरोना वायरस जांच रिपोर्ट नेगेटिव पाई गई

सहयोग किया। भारत ने 2 उड़ानों के जरिए चीन से 640 भारतीयों और मालदीव के 7 नागरिकों को सुरक्षित निकाला। उनसे जब पूछा गया कि चीन में फंसे कुछ पाकिस्तानी भारत सरकार से मदद की अपील की है तो क्या इस पर कोई चर्चा हुई है तो कुमार ने कहा कि पाकिस्तान ने ऐसा कोई अनुरोध नहीं किया है। अगर ऐसे हालात बनते हैं तो इस पर जरूर विचार किया जाएगा। चीन में रह रहे पाकिस्तानी छात्रों ने वीडियो जारी कर भारत से मदद की अपील की है।

कोरोना वायरस की वजह से चीन से आने वाले लोगों के लिए ई-वीजा पर अस्थायी तौर पर रोक के बारे में कुमार ने कहा कि वीजा संबंधी पाबंदियां सिर्फ चीनी मुख्य भूमि के लिए है। उन्होंने कहा कि चीन के लोगों को दिए गए सभी मौजूदा ई-वीजा अब वैध नहीं हैं। अगर ऐसा व्यक्ति, जिसके पास भारत आना बहुत ही ज्यादा जरूरी है तो वह हमारे दूतावास या नजदीकी वाणिज्य दूतावास से संपर्क कर वीजा के लिए आवेदन कर सकता है।

## पाकिस्तान-मलेशिया के बयान में कश्मीर के जिक्र पर भारत की आपत्ति

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 6 फरवरी।

भारत ने पाकिस्तान-मलेशिया के संयुक्त बयान में जम्मू-कश्मीर के जिक्र को लेकर गुरुवार को तीखी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि मलेशियाई नेतृत्व को तथ्यों की बेहतर समझ विकसित करनी चाहिए और स्वीकार करना चाहिए कि पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद का केंद्र है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा कि भारत जम्मू-कश्मीर के जिक्र को पूरी तरह खारिज करता है। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है।

दरअसल, प्रधानमंत्री इमरान खान की यात्रा के अंत में मलेशिया और पाकिस्तान की ओर से जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने मलेशिया के अपने समकक्ष महातिर बिन मोहम्मद के साथ चर्चा के दौरान कश्मीर के मुद्दे को उठाया। खान ने कश्मीर मुद्दे पर बोलने के लिए महातिर बिन-मोहम्मद को धन्यवाद भी दिया। भारत ने दिसंबर में मलेशिया के उप-राजदूत को तलब कर नए नागरिकता कानून को लेकर मलेशिया के प्रधानमंत्री के बयानों पर कड़ी आपत्ति जताई थी।

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 6 फरवरी।

भारत ने पाकिस्तान-मलेशिया के संयुक्त बयान में जम्मू-कश्मीर के जिक्र को लेकर गुरुवार को तीखी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि मलेशियाई नेतृत्व को तथ्यों की बेहतर समझ विकसित करनी चाहिए और स्वीकार करना चाहिए कि पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद का केंद्र है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा कि भारत जम्मू-कश्मीर के जिक्र को पूरी तरह खारिज करता है। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है।

दरअसल, प्रधानमंत्री इमरान खान की यात्रा के अंत में मलेशिया और पाकिस्तान की ओर से जारी संयुक्त बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने मलेशिया के अपने समकक्ष महातिर बिन मोहम्मद के साथ चर्चा के दौरान कश्मीर के मुद्दे को उठाया। खान ने कश्मीर मुद्दे पर बोलने के लिए महातिर बिन-मोहम्मद को धन्यवाद भी दिया। भारत ने दिसंबर में मलेशिया के उप-राजदूत को तलब कर नए नागरिकता कानून को लेकर मलेशिया के प्रधानमंत्री के बयानों पर कड़ी आपत्ति जताई थी।

कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया गया है। मोदी शुक्रवार को असम में 27 जनवरी को हुए बड़ो शांति समझौते के बाद कोकराझार में आयोजित रैली को संबोधित करेंगे। गुवाहाटी के पुलिस आयुक्त मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने बताया कि बुधवार रात को शहर के व्यस्त रहने वाले पल्टन बाजार और पान बाजार इलाकों में दो आइईडी पाए गए थे। उन्होंने बताया कि बम निरोधक दस्ता बाजार क्षेत्र से आइईडी निकाल कर दूर ले जाया गया जिन्हें बाद में निष्क्रिय कर दिया गया। संदेह है कि यह उल्टा (यूपलएफए) का काम है। गुप्ता ने बताया कि पुलिस ने तुरंत तलाशी अभियान चला कर उरफ्ता के एक सश्रिध कार्यकर्ता को गिरफ्तार कर लिया। यह पृछने के लिए कि क्या यह मोदी की यात्रा प्रभावित करने के लिए किया गया था, गुप्ता ने कहा कि अभी यह कहना मुश्किल है कि आइईडी को पीएम की यात्रा प्रभावित करने के लिए लगाया गया था।

पुलिस ने पनीखेती क्षेत्र से पांच और आइईडी बरामद किए थे।

## ‘बिरयानी’ वाले बयान पर योगी को चुनाव आयोग का नोटिस

कार्यकर्ता को गिरफ्तार किया गया है। मोदी शुक्रवार को असम में 27 जनवरी को हुए बड़ो शांति समझौते के बाद कोकराझार में आयोजित रैली को संबोधित करेंगे। गुवाहाटी के पुलिस आयुक्त मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने बताया कि बुधवार रात को शहर के व्यस्त रहने वाले पल्टन बाजार और पान बाजार इलाकों में दो आइईडी पाए गए थे। उन्होंने बताया कि बम निरोधक दस्ता बाजार क्षेत्र से आइईडी निकाल कर दूर ले जाया गया जिन्हें बाद में निष्क्रिय कर दिया गया। संदेह है कि यह उल्टा (यूपलएफए) का काम है। गुप्ता ने बताया कि पुलिस ने तुरंत तलाशी अभियान चला कर उरफ्ता के एक सश्रिध कार्यकर्ता को गिरफ्तार कर लिया। यह पृछने के लिए कि क्या यह मोदी की यात्रा प्रभावित करने के लिए किया गया था, गुप्ता ने कहा कि अभी यह कहना मुश्किल है कि आइईडी को पीएम की यात्रा प्रभावित करने के लिए लगाया गया था।

पुलिस ने पनीखेती क्षेत्र से पांच और आइईडी बरामद किए थे।

इस बयान का जिक्र किए बिना कहा कि कांग्रेस के एक नेता ने घोषणा की है कि छह महीने में (युवा) मोदी को डंडे मारेंगे। यह काम कठिन है तो छह महीने तो लगेगा। मैं भी छह महीने में सूर्य नमस्कार की संख्या बढ़ा दूंगा। अपने आप को गालीपूफ बना दिया है। इतना सूर्य नमस्कार करूंगा कि मेरी पीठ डंडे झेलने के लिए मजबूत हो जाए। इस पर गांधी अपने स्थान पर खड़े होकर यह कहते हुए सुने गए कि आप रोजगार के बारे में बताइए।

## रोजगार के मुद्दे पर कुछ नहीं बोले प्रधानमंत्री : राहुल

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 6 फरवरी।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा में गुरुवार को दिए गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वक्तव्य पर टिप्पणी करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के सामने खड़ी सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी के बारे में कोई बात नहीं की और अपने डेढ़-दो घंटे के भाषण में सिर्फ ध्यान भटकाने की कोशिश करते रहे।

गांधी ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए जवाब को लेकर संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा—आज देश के सामने सबसे बड़ा मुद्दा रोजगार का है, अर्थव्यवस्था का है। हर युवा चाहता है कि पढ़ाई के बाद यह देश उसे रोजगार दे पाए। उन्होंने कहा कि हमने प्रधानमंत्री से कई बार कहा कि आप देश के युवाओं को रोजगार के बारे में बताइए। प्रधानमंत्री जवाब नहीं दे पाए। वह रोजगार के बारे में एक शब्द नहीं बोल सकते। वित्त मंत्री ने भी अपने भाषण में रोजगार के बारे में कुछ नहीं बोला।

कांग्रेस नेता ने दावा किया—वह भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। कभी जवाहरलाल नेहरू की बात करेंगे, कभी पाकिस्तान की बात करेंगे और कभी बांग्लादेश की बात करेंगे। बस रोजगार की बात नहीं करते। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने हर साल दो करोड़ लोगों को रोजगार देने का वादा किया था, लेकिन नए रोजगार की बात छोड़िए, पिछले साल एक करोड़ अग्रिमों की नौकरी चली गई। इससे पहले लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्ववर्ती कांग्रेस नीत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले जो कुछ भी हुआ—राजनीति के तराजू से तौलकर और आधे-अधूरे मन से किया गया जबकि उनकी सरकार ने चुनौतियों को चुनौती देते हुए समस्याओं का समाधान निकालने के लिए दौर्धकालिक नीति के तहत काम किया जिससे अर्थव्यवस्था आगे बढ़ी और वित्तीय घाटा व महंगाई स्थिर रही।

## यूबीआइ के निदेशक मंडल ने वित्त परिणामों को मंजूरी दी

जनसत्ता संवाददाता

नई दिल्ली, 6 फरवरी।

यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआइ) के निदेशक मंडल ने गुरुवार को 31 दिसंबर 2019 को समाप्त 2019-20 को तीसरी तिमाही के वित्त परिणामों को अपनी मंजूरी दे दी। बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अशोक कुमार प्रधान की ओर से यह जानकारी दी गई। प्रधान के मुताबिक तीसरी तिमाही में बैंक का व्यापार 2,08,615 करोड़ रुपए तक पहुंच गया जिसमें 1,34,624 करोड़ जमा और 73,991 करोड़ अग्रिम रहे। पिछले साल के मुकाबले इस साल जमा में 4.68 फीसद और अग्रिम में 6.79 फीसद की बढ़ोतरी हुई। वहीं, कुल व्यापार में 5.42 फीसद का सुधार हुआ।

बैंक ने वर्ष 2019-20 की तीसरी तिमाही में 113.56 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया जबकि 2018-19 की तीसरी तिमाही में बैंक को 1139.25 करोड़ रुपए की शुद्ध हानि हुई थी। इस तिमाही बैंक ने शुद्ध ब्याज आय (एनआइआइ) में पिछले साल की तुलना में 116 फीसद की बढ़ोतरी दर्ज की है। 2019-20 की तीसरी तिमाही में एनआइआइ 819.43 करोड़ था जबकि 2018-19 की तीसरी तिमाही में 380.04 करोड़ रुपए था। गैर निष्पादित संपत्ति (एनपीए) में 52.24 फीसद की कमी दर्ज की गई है।

## सीएए विरोधी प्रदर्शनों से देश में फैल सकती है अराजकता

से अनुच्छेद 370 नहीं हटता। आपके तौर तरीके से चलते तो मुसलिम महिलाओं को तीन तलाक की तलवार आज भी डराती। आपकी सोच के साथ चलते तो राम जन्मभूमि आज भी विवादों में रहती, करतारपुर साहिब गलियारा कभी नहीं बन पाता और भारत-बांग्लादेश विवाद कभी नहीं सुलझता।

संशोधित नागरिकता कानून पारित कर संविधान का उल्लंघन करने के विपक्ष के आरोपों की ओर इंगित करते हुए प्रधानमंत्री ने कांग्रेस को देश में आपातकाल लागू करने, चुनौी हुई कई राज्य सरकारों को गिराने जैसी विभिन्न घटनाओं का हवाला दिया और कहा-संविधान बचाने की बात कांग्रेस को दिन में 100 बार बोलनी चाहिए, ये तो उनका मंत्र होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसलिए जितनी बार आप संविधान बोलोगे, कुछ चीजें आपको अपनी गलतियों का एहसास करा देंगी।

विभाजन के बाद भारत आए लोगों को लेकर पीएम मोदी ने प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पंक्तियों का उल्लेख किया- इसमें कोई संदेह नहीं है कि जो प्रभावित लोग भारत में बसने के लिए आए हैं, वे नागरिकता के अधिकारी हैं और अगर इसके लिए कानून अनुकूल नहीं हैं तो कानून में बदलाव किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग हम पर आरोप लगा रहे हैं, उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या पंडित नेहरू हिंदू- मुसलिम भेद करते थे? क्या पंडित नेहरू हिंदू राष्ट्र बनाना चाहते थे? उन्होंने कहा, ‘भारत-पाकिस्तान में रहने वाले अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए

## डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ खुदरा महंगाई बढ़ेगी, किस्तें जस की तस

पेज 1 का बाकी
कारकों का असर होगा। रिजर्व बैंक ने खाद्य मुद्रास्फीति को लेकर कहा है कि दिसंबर के उच्च स्तर की तुलना में इसमें नरमी आने का अनुमान है। खरीफ की देरी से आने वाली फसल व रबी फसल की आवक के कारण प्याज की कीमतें सुधर रही हैं, अत: चौथी तिमाही में खाद्य मुद्रास्फीति में नरमी अधिक स्पष्ट दिखेगी। इन कारकों की ध्यान में रखते हुए व 2020-21 में उहरी-पश्चिमी मानसून के सामान्य रहने के अनुमान के मद्देनजर खुदरा मुद्रास्फीति का अनुमान बढ़ाकर 2019-20 की पहली दो तिमाहियों में 6.5 फीसद, 2020-21 की पहली दो तिमाहियों में 5.4-5 फीसद और 2020-21 की तीसरी तिमाही में 3.2 फीसद किया गया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि सब्जियों को छोड़ अन्य खाद्य पदार्थों विशेषकर लागत बढ़ने से दूध की कीमतों में व खरीफ उत्पादन कम रहने से दालों के दाम में हुई हालिया वृद्धि के जारी रहने का अनुमान है। इन कारकों से कुल खाद्य कीमतों में कुछ तेजी आ सकती हैं।

इसके अलावा, एक तरफ पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक तनावों व दूसरी तरफ अनिश्चित वैश्विक आर्थिक परिदृश्य के कारण कच्चे तेल में उलथ-पुलथ बनी रह सकती है। हालिया महीनों में सेवा लागत में भी वृद्धि देखने को मिली है। रिजर्व बैंक ने कुछ समय पहले प्याज की कीमतें 150 से

## श्रीनगर में थाने पर ग्रेनेड फेंका, एक पुलिसकर्मी घायल

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 6 फरवरी।

श्रीनगर में गुरुवार को एक पुलिस थाने पर आतंकवादियों ने ग्रेनेड फेंका, जिसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों ने यहां लाल बाजार पुलिस थाना को निशाना बनाकर ग्रेनेड फेंका था जो पास में कचरे के एक डब्बे में जा गिरा। उन्होंने बताया कि धमाके में एक पुलिसकर्मी मामूली रूप से जखमी हुआ है।

हालांकि पुलिस यही कहती रही कि कचरे के डब्बे के पास हुआ विस्फोट संदेहास्पद है जिसकी जांच की जा रही है। इससे पहले बुधवार को शहर के बाहरी इलाके में शालातंग में बुधवार को गोलीबारी की एक घटना में दो आतंकवादी मारे गए थे और एक आतंकवादी को गिरफ्तार कर लिया गया था। घटना में सीआरपीएफ का एक जवान भी शहीद हो गया था।

दूसरी ओर, श्रीनगर के लाल चौक में सीआरपीएफ जवानों पर कथित रूप से ग्रेनेड हमला करने के मामले में गुरुवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। रविवार को शहर के व्यस्त लाल चौक इलाके में प्रताप पार्क के पास ट्यूटी पर तैनात सीआरपीएफ जवानों पर ग्रेनेड फेंका गया था, जिसमें दो जवान और सात आम

## किसी को प्रधानमंत्री बनना था, इसलिए देश का बंटवारा कर दिया : मोदी

पेज 1 का बाकी

ने कहा कि सरकार पर देश के टुकड़े करने का आरोप लगाकर जनता में काल्पनिक भय पैदा करने का काम वो लोग कर रहे हैं जो देश के टुकड़े-टुकड़े की बात करने वालों के साथ खड़े होते हैं, फोटो खिंचवाते हैं। नाम लिए बगैर पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू पर परोक्ष निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि किसी को प्रधानमंत्री बनना था, इसलिए देश का बंटवारा कर दिया गया और लकीर खींच दी गई। उसके बाद से जिस तरह से पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर जुलूम और जबरदस्ती हुई, उसकी कल्पना नहीं की जा सकती।

संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर निचले सदन में हुई चर्चा

## चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा भारत की संप्रभुता का अतिक्रमण

पेज 1 का बाकी

उन विभिन्न हिस्सों से गुजर रही है, जिन पर पाकिस्तान ने अवैध तरीके से कब्जा कर रखा है। भारत सरकार ने चीन से इस बारे में आपत्ति जताई है और जम्मू-कश्मीर व लद्दाख के उन इलाकों में सीपेक की गतिविधियां रोकने को कहा है। विदेश मंत्रालय ने चीन के उस तर्क को भी खारिज किया है, जिसमें कहा गया है कि यातायात संपर्क परियोजना से सबका भला होगा। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, संपर्क बढ़ाने की परियोजनाओं या किसी भी तरह

## महबूबा व उमर के खिलाफ पीएसए के तहत मामला

पेज 1 का बाकी

कारोबारी इलाके में सागर का मजबूत आधार माना जाता है। इसी प्रकार पीडीपी के नेता सरताज मदनी के खिलाफ भी पीएसए के तहत मामला दर्ज किया गया है। मदनी महबूबा मुफ्ती के मामा हैं। सागर और मदनी दोनों को केंद्र सरकार द्वारा पांच अगस्त के बाद राज्य के नेताओं पर की गई कार्रवाई के तहत नजरबंद किया गया था। पांच अगस्त को केंद्र ने जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को समाप्त करने के साथ ही इसे दो केंद्र शासित हिस्सों में बांट दिया था। इन लोगों की छह महीने की एहतियातन हिरासत अवधि गुरुवार को खत्म हो रही थी।

## निर्भया दोषियों को जल्द फांसी के लिए केंद्र की अर्जी पर सुनवाई आज

को एक साथ फांसी दी जाएगी न कि अलग-अलग। साथ ही अदालत ने उन्हें बाकी के बचे कानूनी उपायों का इस्तेमाल करने के लिए एक हफ्ते की समयसीमा भी दी थी। हाई कोर्ट ने कहा कि अगर दोषी अब से सात दिन के भीतर किसी तरह की याचिका दायर नहीं करते हैं तो संबंधित संस्थान/प्राधिकरण बिना किसी विलंब के कानून के अनुसार मामले से निपट सकते हैं |हाई कोर्ट के फैसले के कुछ घंटों बाद केंद्र ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर कर दी।

हाई कोर्ट ने संबंधित अधिकारियों को इस बात के लिए भी कसूरवार ठहराया कि उन्होंने 2017 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अभियुक्तों की अपील खारिज किए जाने के बाद मौत की सजा की तामील के लिए वारंट जारी करने के लिए कदम नहीं उठाया। निचली अदालत ने 31 जनवरी को मामले में तिहाड़ जेल में बंद मुकेश कुमार सिंह (32), पवन गुप्ता (25), विनय कुमार शर्मा (26) और अक्षय कुमार (31) को फांसी दिए जाने पर अगले आदेश तक रोक लगा दी थी।

मामले से जुड़े एक वकील ने बताया कि शीर्ष अदालत में चुनौती के लिए जो आधार बनाए गए हैं वे लगभग वहीं हैं जो निचली अदालत के फैसले के खिलाफ अपील दाखिल करते समय हाई कोर्ट में रखे गए थे। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका में कहा गया है कि दोषियों को अलग-अलग फांसी दी जा सकती है क्योंकि मुकेश दया याचिका सहित सारे कानूनी विकल्पों का इस्तेमाल कर चुका है।

नई दिल्ली

नागरिक घायल हो गए थे। अधिकारियों के मुताबिक, पुलवामा जिले के रहने वाले नावीद लतीफ को तड़के गिरफ्तार किया गया और उससे पूछताछ की जा रही है।

नावीद यहां एक कोचिंग सेंटर में नीट की तैयारी कर रहा था।

## ईरान में 11 महीने से हिरासत में रखे गए छह भारतीय रिहा

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 6 फरवरी।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि ईरान में 11 महीने से हिरासत में रखे गए ‘अब्दुल रजाक’ पोत के चालक दल के छह भारतीय सदस्यों को रिहा कर दिया गया है। जयशंकर ने ईरानी अधिकारियों का उनकी मदद के लिए आभार जताया। उन्होंने ट्वीट किया, ‘ईरान में 11 महीने से हिरासत में रखे गए ‘अब्दुल रजाक’ पोत के चालक दल के छह भारतीय सदस्यों को रिहा कर दिया गया है।

## विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि ईरान में 11 महीने से हिरासत में रखे गए ‘अब्दुल रजाक’ पोत के चालक दल के छह भारतीय सदस्यों को रिहा कर दिया गया है।

नागरिकता संशोधन कानून को संसद पारित कर चुकी है और अधिसूचित हो चुका है, उसके बारे में अब लोग कह रहे हैं कि सरकार भेदभाव कर रही है, हिंदू-मुसलिमों को बांट रही है।

मोदी ने तत्कालीन कांग्रेस नेता भूपेंद्र कुमार दत्त और पाकिस्तान के पहले कानून मंत्री जोगेंद्र दास मंडल का जिक्र करते हुए कहा कि इन्हें भी वहां अत्याचारों के बाद पाकिस्तान से अंततः भारत लौटना पड़ा और उन्होंने अंतिम सांस देश की धरती पर ली। उन्होंने कहा कि हमें याद दिलाया जा रहा है कि भारत छोड़ो का नारा सबसे पहले मुसलमानों ने दिया था। कांग्रेस की नजर में वे सिर्फ मुसलिम रहे, हमारी नजर में भारतीय हैं, हिंदुस्तानी हैं।





## DETAILED PUBLIC STATEMENT (DPS) TO THE PUBLIC SHAREHOLDERS OF

**INDOSTAR CAPITAL FINANCE LIMITED**

IN TERMS OF REGULATION 3(1) AND REGULATION 4 READ WITH REGULATION 13(4), REGULATION 14(3), REGULATION 15(2) AND REGULATION 15(3) OF SEBI (SUBSTANTIAL ACQUISITION OF SHARES AND TAKEOVERS) REGULATIONS, 2011, AS AMENDED.

Registered Office: One Indiabulls Center, 20<sup>th</sup> Floor, Tower 2A, Jupiter Mills Compound, Senapati Bapat Marg, Mumbai 400013, Maharashtra; Tel: +91 22 4315 7000; Fax: +91 22 4315 7010

Open offer for acquisition of up to 37,195,411 (Thirty seven million one hundred ninety five thousand four hundred and eleven) fully paid up equity shares of face value of INR 10 (Indian Rupees Ten) each ("Equity Shares") of IndoStar Capital Finance Limited ("Target Company") representing 26% (twenty six percent) of the Expanded Voting Share Capital (as defined below) from the Public Shareholders (as defined below) of the Target Company, by BCP V Multiple Holdings Pte. Ltd. ("Acquirer"), together with Brookfield Business Partners L.P. ("PAC") in its capacity as a person acting in concert with the Acquirer ("Open Offer" or "Offer").

This detailed public statement ("DPS") is being issued by Nomura Financial Advisory and Securities (India) Private Limited, the manager to the Offer ("Manager"), for and on behalf of the Acquirer and the PAC, to the Public Shareholders (as defined below) of the Target Company, pursuant to and in compliance with Regulation 3(1) and Regulation 4 read with Regulation 13(4), Regulation 14(3), Regulation 15(2) and Regulation 15(3) of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 and subsequent amendments thereto ("SEBI (SAST) Regulations"). This DPS is being issued pursuant to the public announcement filed with the Stock Exchanges (as defined below) on January 31, 2020, sent to the Target Company on January 31, 2020 and filed with the Securities and Exchange Board of India ("SEBI") on February 3, 2020 ("Public Announcement" or "PA").

For the purpose of this DPS:

- "Public Shareholders" shall mean all the public shareholders of the Target Company, and for the avoidance of doubt, excluding the promoter and members of the promoter group of the Target Company, the Acquirer, the PAC, the persons deemed to be acting in concert with the Acquirer and the PAC, the parties to the SPA (as defined below), the SSA (as defined below) and the SHA (as defined below), and any persons deemed to be acting in concert with the parties to the SPA, the SSA and the SHA, pursuant to and in compliance with the SEBI (SAST) Regulations.
- "Stock Exchanges" shall mean BSE Limited and National Stock Exchange of India Limited;
- "Expanded Voting Share Capital" means the total voting equity share capital of the Target Company on a fully diluted basis as of the tenth (10th) working day from the closure of the tendering period of the Open Offer. This includes all the 8,550,477 outstanding employee stock options granted to employees of the Target Company and its subsidiary, as on December 31, 2019, and the impact of Subscription Securities (as defined below) which shall be issued pursuant to the SSA (as defined below); and
- "Sale Shares" means the number of Equity Shares that the Acquirer shall purchase from IndoStar Capital ("ICM") subject to and in accordance with the terms of the SPA and is the aggregate of: (i) 5,000,000 (five million) Equity Shares held by ICM ("Tranche 1 Shares"); and (ii) such additional number of Equity Shares held by ICM (up to a maximum of 3,000,000 (three million) Equity Shares) which together with the Tranche 1 Shares, the Subscription Securities and the securities acquired from Public Shareholders pursuant to the Open Offer, amount to 40% (forty percent) of the Expanded Voting Share Capital.

**1. ACQUIRER, PAC, SELLER, TARGET COMPANY AND OFFER****(A) Details of the Acquirer:**

- The Acquirer is BCP V Multiple Holdings Pte. Ltd., a private limited company incorporated under the laws of Singapore (Company Registration Number: 201840080G) on November 27, 2018. The name of the Acquirer has not changed since its inception.
- The Acquirer has its registered office/permanent address at Income at Raffles 16 Collyer, Quay 19-00, Singapore, 049315.
- The Acquirer currently does not conduct any business activity. It has been incorporated to act as an investment holding company.
- The Acquirer belongs to the Brookfield group. The Acquirer is a wholly owned subsidiary of BCP V Holdings Pte. Ltd. ("BCP V Holdings"). BCP V Holdings is ultimately controlled by Brookfield Asset Management Inc. Brookfield Asset Management Inc. is traded on the New York Stock Exchange and the Toronto Stock Exchange. No individual investors/natural persons own 10% or more of Brookfield Asset Management Inc. The PAC indirectly holds stake in the Acquirer.
- Neither the Acquirer nor any securities issued by it are listed on any stock exchange in India or offshore.
- As of the date of this DPS, the Acquirer, its directors and key employees do not have any interest in the Target Company except for the transactions contemplated by the Acquirer in the SPA (as defined below), SSA (as defined below), and SHA (as defined below), as detailed in Part II (Background to the Offer) below, that have triggered this Open Offer.
- As of the date of this DPS, the Acquirer has not been prohibited by SEBI, from dealing in securities, in terms of directions issued by SEBI under Section 11B of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 ("SEBI Act") or any other regulations made under the SEBI Act.
- The key financial information of the Acquirer based on the latest audited financial statements, which have been audited by Deloitte & Touche LLP (Singapore), as of December 31, 2019, and for the period from November 27, 2018 (date of incorporation of the Acquirer) to December 31, 2019, are as follows:

Particulars	For the financial period from November 27, 2018 (Date of incorporation) to December 31, 2019	
	in USD	in INR
Total Revenue	-	-
Net Income/(Loss)	(431,795)	(30,863,498)
Earnings/(Loss) Per Share	(431,795)	(30,863,498)
Net worth/Shareholders' Funds	(431,794)	(30,863,426)

Note 1: Since the financial statements of the Acquirer have been prepared in United States Dollars ("USD"), they have been converted into INR for purpose of convenience of translation. INR to USD conversion has been assumed at a rate of 1 USD = INR 71.4772 as on January 30, 2020, the date preceding the PA date (Source: FBIL reference rate).

Note 2: The financial information mentioned above is based on the audited standalone financial statements of the Acquirer since incorporation.

Note 3: The financial statements of the Acquirer are prepared under Companies Act (Singapore) and financial reporting standards in Singapore.

**(B) Details of the PAC:**

- The PAC is Brookfield Business Partners L.P., an exempted limited partnership incorporated under the laws of Bermuda (Company Registration Number: 51099) on January 18, 2016, as amended on June 16, 2016. The name of the PAC has not changed since its inception.
- The PAC has its registered office/permanent address at 73 Front Street, 5<sup>th</sup> Floor, Hamilton, HM 12, Bermuda.
- The business activity of the PAC is to act as an investment holding company.
- The PAC belongs to the Brookfield group. The PAC indirectly holds stake in the Acquirer. The PAC is ultimately controlled by Brookfield Asset Management Inc. Brookfield Asset Management Inc. is traded on the New York Stock Exchange and the Toronto Stock Exchange. No individual investors/natural persons own 10% or more of Brookfield Asset Management Inc.
- The PAC is listed on the Toronto Stock Exchange and the New York Stock Exchange. The PAC is not listed in India.
- As of the date of this DPS, the PAC, its directors and key employees do not have any interest in the Target Company, except for any indirect interest by way of the transactions contemplated by the Acquirer in the SPA (as defined below), SSA (as defined below), and the SHA (as defined below), as detailed in Part II (Background to the Offer) below, that have triggered this Open Offer.
- As of the date of this DPS, the PAC has not been prohibited by SEBI, from dealing in securities, in terms of directions issued by SEBI under SEBI Act or any other regulations made under the SEBI Act.
- The key financial information of the PAC is below. This is based on its audited consolidated financial statements, as at and for the financial years ended December 31, 2018, December 31, 2017 and December 31, 2016 audited by Deloitte LLP (Canada), the statutory auditors of the PAC, and the unaudited consolidated limited review financials as at and for the nine month period ended September 30, 2019 are as follows:

Particulars	(In millions except for Earnings per Share)							
	As at and for financial year ended December 31, 2016		As at and for financial year ended December 31, 2017		As at and for financial year ended December 31, 2018		As at and for nine months period ended September 30, 2019	
	in USD	in INR	in USD	in INR	in USD	in INR	in USD	in INR
Total Revenue	7,960	5,68,959	22,823	1,631,324	37,168	26,58,685	31,712	22,86,885
Net Income/(Loss)	(202)	(14,438)	215	15,368	1,203	85,987	347	24,803
Basic and diluted earnings per limited partner unit	0.06	4	(1.04)	(74)	1.31	79	1.41	101
Net worth/Shareholders' Funds	4,038	2,88,625	8,064	4,33,438	6,494	4,64,173	9,424	6,73,601

Note: Since the financial statements of the PAC have been prepared in United States Dollars ("USD"), they have been converted into INR for purpose of convenience of translation. INR to USD conversion has been assumed at a rate of 1 USD = INR 71.4772 as on January 30, 2020, the date preceding the PA date (Source: FBIL reference rate).

**(C) Details of Seller:**

The details of IndoStar Capital ("ICM") under the Share Purchase Agreement (as defined below) is as follows:

- ICM is a private company limited by shares, incorporated under the laws of Mauritius. The name of ICM has not changed since its inception.
- ICM has its registered office at 3rd Floor, Standard Chartered Tower, Bank Street, 19, Cybercity, Ebene 72201, Mauritius.
- ICM is a promoter of the Target Company and has been named as a promoter in the shareholding pattern filed by the Target Company with the Stock Exchanges for the quarter ended on December 31, 2019, along with other members of the promoter group.
- ICM is a part of the Everstone group.
- Neither ICM nor any securities issued by it are listed on any stock exchange in India or offshore.
- ICM's shareholding in the Target Company prior to the Underlying Transactions (as defined below) is 52,594,228 Equity Shares, representing 57.00% (Fifty Seven Percent) of the existing paid up equity share capital of the Target Company.
- As of the date of this DPS, ICM has not been prohibited by SEBI from dealing in securities, in terms of directions issued by SEBI under Section 11B of the SEBI Act or any other regulations made under the SEBI Act.

**(D) Target Company:**

- IndoStar Capital Finance Limited is a public listed company having corporate identification number L65100MH2009PLC268160. The name of the Target Company was changed from "R V Vyapaar Private Limited" to "IndoStar Capital Finance Private Limited", by way of fresh certificate of incorporation issued on November 15, 2010, and was further changed to its present name, by way of fresh certificate of incorporation issued on May 28, 2014, upon conversion into a public limited company. There has been no change in the name of the Target Company in the last three years.
- The Target Company has its registered office at One Indiabulls Center, 20<sup>th</sup> Floor, Tower 2A, Jupiter Mills Compound, Senapati Bapat Marg, Mumbai-400013, Maharashtra, India.
- The Equity Shares of the Target Company are listed on the BSE Limited ("BSE") (Scrip Code: 541336) and National Stock Exchange of India Limited ("NSE") (Symbol: INDOSTAR). The ISIN of the Target Company is INE896L01010. The Target Company was listed on BSE and NSE on May 21, 2016.
- The Equity Shares of the Target Company are frequently traded in terms of Regulation 2(1)(j) of the SEBI (SAST) Regulations.
- The key financial information of the Target Company, as submitted by the Target Company to the Stock Exchanges and based on its audited consolidated financial statements, which has been audited by the Target Company's Statutory Auditor S. R. Balliboi & Co. LLP, as at and for the 12 (twelve) month period ended March 31, 2019, March 31, 2018 and March 31, 2017 and the interim unaudited consolidated financial statements, which have been subjected to limited review by the Target Company's Statutory Auditor, S. R. Balliboi & Co. LLP, as at and for the 6 (six) month period ended on September 30, 2019, are as follows:

(In millions except for Earnings per Share)

Particulars	As at and for financial year ended March 31, 2017 (GAAP)	As at and for financial year ended March 31, 2018 (GAAP)	As at and for financial year ended March 31, 2019 (Ind-AS)	As at and for six months period ended September 30, 2019 (Ind-AS)
	in INR	in INR	in INR	in INR
Total Revenue	7,191.77	8,220.11	12,056.28	8,429.80
Net Income	2,107.95	2,243.72	2,407.95	965.00
Earnings Per Share (Basic)	28.69	28.53	26.63	10.46
Earnings Per Share (Diluted)	26.31	25.74	26.07	10.31
Net worth/Shareholders' Funds	19,027.54	21,371.26	30,062.83	31,022.40

**(E) Details of the Offer:**

- This Open Offer is a mandatory offer in compliance with Regulation 3(1), Regulation 4 and other applicable regulations of the SEBI (SAST) Regulations, pursuant to the substantial acquisition of shares, voting rights and control of and over the Target Company.
- This Offer is being made by the Acquirer and the PAC, to acquire up to 37,195,411 (Thirty seven million one hundred ninety five thousand four hundred and eleven) Equity Shares of the Target Company, constituting 26% (Twenty Six Percent) of the Expanded Voting Share Capital of the Target Company ("Offer Size"), at a price of INR 290 (Indian Rupees Two hundred and ninety) ("Offer Price") per Equity Share, subject to the terms and conditions mentioned in the Public Announcement, this DPS and to be set out in the letter of offer ("LoF") that is proposed to be issued in accordance with the SEBI (SAST) Regulations.
- The Offer Price has been arrived at, in accordance with Regulation 8 of the SEBI (SAST) Regulations. Assuming full acceptance of the Open Offer, the total consideration payable by the Acquirer in accordance with the SEBI (SAST) Regulations will be INR 10,786,669,190 (Indian Rupees ten billion seven hundred eighty six million six hundred sixty nine thousand one hundred and ninety only) ("Maximum Open Offer Consideration").
- The Offer Price is payable in cash by the Acquirer in accordance with Regulation 9(1)(a) of the SEBI (SAST) Regulations.
- As on December 31, 2019, there were 8,550,477 outstanding employee stock options granted to employees of the Target Company and its subsidiary.
- If the aggregate number of Equity Shares validly tendered in this Open Offer by the Public Shareholders, is more than the Offer Size, then the Equity Shares validly tendered by the Public Shareholders will be accepted on a proportionate basis, in consultation with the Manager to the Open Offer.
- All the Equity Shares validly tendered by the Public Shareholders in this Open Offer, will be acquired by the Acquirer fully paid-up, free from all liens, charges and encumbrances and together with the rights attached thereto, including all rights to dividend, bonus and rights offer declared thereof, and in accordance with the terms and conditions set forth in the PA, this DPS and as will be set out in the LoF, and the tendering Public Shareholders shall have obtained all necessary consents for it to sell the Offer Shares on the foregoing basis.
- The Public Shareholders who tender their Equity Shares in this Open Offer shall ensure that the Equity Shares are clear from all liens, charges and encumbrances. The Acquirer shall only acquire the Equity Shares from the Public Shareholders who have validly tendered their Equity Shares in this Open Offer, together with all rights attached thereto, including all rights to dividend, bonus and rights declared thereof.
- As on the date of this DPS, to the best of the knowledge of the Acquirer and the PAC, other than as set out in Part VI of this DPS, there are no statutory approvals required by the Acquirer/PAC to complete this Open Offer. However, in case any further statutory approvals are required by the Acquirer/PAC at a later date before closure of the tendering period, this Open Offer shall be subject to such statutory approvals and the Acquirer shall make the necessary applications for such statutory approvals. In the event that such statutory approvals are refused for any reason, or if the conditions precedent as specified in the SSA, SPA and the SHA, are not satisfied, outside the reasonable control of the Acquirer, the Acquirer shall have the right to withdraw this Open Offer in terms of Regulation 23 of the SEBI (SAST) Regulations. In the event of withdrawal of this Offer, a public announcement will be made within 2 (Two) working days of such withdrawal, in the same newspapers in which this DPS has been published and such public announcement will also be sent to the Stock Exchanges, SEBI and the Target Company at its registered office.
- If Public Shareholders who are not persons resident in India (including non-resident Indian ("NRI"), overseas corporate body ("OCB") and foreign institutional investors ("FIIs"/Foreign Portfolio Investors ("FPIs")) had required any approvals (including from the Reserve Bank of India ("RBI"), or any other regulatory body) in respect of the Equity Shares held by them, they will be required to submit such previous approvals, that they would have obtained for acquiring/holding the Equity Shares, in order to tender the Equity Shares held by them in this Open Offer, along with the other documents required to be tendered to accept this Open Offer. In the event such approvals are not submitted, the Acquirer and the PAC reserve their right to reject such Equity Shares tendered in this Open Offer.
- This Offer is not conditional upon any minimum level of acceptance in terms of Regulation 19(1) of the SEBI (SAST) Regulations.
- This Offer is not a competing offer in terms of Regulation 20 of the SEBI (SAST) Regulations.
- Where any statutory or other approval extends to some but not all of the Public Shareholders, the Acquirer and the PAC shall have the option to make payment to such Public Shareholders in respect of whom no statutory or other approvals are required in order to complete this Open Offer.
- The Manager to the Offer shall not deal, on its own account, in the Equity Shares of the Target Company during the Offer period.
- Currently, the Acquirer and the PAC do not have any intention to dispose-off or otherwise encumber any assets or investments of the Target Company or any of its subsidiaries, through sale, lease, encumbrance, reconstruction, restructuring or otherwise, other than (a) in the ordinary course of business, or (b) as already agreed, disclosed and/or publicly announced by the Target Company, or (c) on account of regulatory approvals or conditions, or compliance with any law that is or becomes binding on or applicable to the operations of the Target Company, if the Acquirer intends to alienate

any material asset of the Target Company or any of its subsidiaries within a period of 2 (two) years from the date of completion of this Open Offer, a special resolution of the shareholders of the Target Company or any of its subsidiaries, as applicable, in accordance with proviso to Regulation 25(2) of the SEBI (SAST) Regulations would be taken before undertaking any such alienation of any material assets.

- As per Regulation 38 of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, as amended ("LODR Regulations") read with Rule 19A of the Securities Contract (Regulation) Rules, 1957, as amended ("SCRR"), the Target Company is required to maintain at least 25% (twenty five percent) public shareholding, as determined in accordance with SCRR, on a continuous basis for listing. Pursuant to completion of this Open Offer and the Underlying Transactions, in the event that the public shareholding of the Target Company falls below the minimum public shareholding requirement as per SCRR, as amended, and the LODR Regulations ("MPS Requirement"), the Acquirer and the PAC undertake to take necessary steps to bring down the non-public shareholding in the Target Company, in a manner as set out in the SHA (as defined below), to the level specified within the time prescribed in, and in accordance with the SCRR, SEBI (SAST) Regulations and other applicable SEBI guidelines/regulations, i.e. to bring down the non-public shareholding to 75% within 12 (twelve) months from the date of such fall in the public shareholding to below 25%, through permitted routes and any other such routes as may be approved by SEBI from time to time.

**II. BACKGROUND TO THE OFFER**

- This Offer is being made by the Acquirer and the PAC, to the Public Shareholders of the Target Company with an intention to acquire control of the Target Company (with the existing promoters) in accordance with Regulation 3(1) and Regulation 4 of the SEBI (SAST) Regulations, pursuant to (collectively, "Underlying Transactions"):
  - the share subscription agreement dated January 31, 2020 executed amongst the Acquirer, the Target Company and ICM (the "SSA") and approved by the board of directors of the Target Company ("Board") on January 31, 2020, wherein it is agreed that the Target Company shall, by way of preferential allotment, issue to the Acquirer and the Acquirer shall subscribe to:
    - 30,172,414 (thirty million one hundred seventy two thousand four hundred and fourteen) Equity Shares representing 21.09% (twenty one point zero nine percent) of the Expanded Voting Share Capital, at a subscription price of INR 290 (Indian Rupees two hundred and ninety only) per Equity Share; and
    - 12,068,966 (twelve million sixty eight thousand nine hundred and sixty six) compulsorily convertible preference shares ("CCPS") representing 8.44% (eight point four four percent) of the Expanded Voting Share Capital (along with the Equity Shares issued, the "Subscription Securities"), at a subscription price of INR 290 (Indian Rupees two hundred and ninety only) per CCPS ("CCPS Issue Price"). Each CCPS will carry a dividend of 10% (ten percent) per annum (calculated on CCPS Issue Price) net of any taxes, and will be converted into 1 (one) Equity Share within 18 (eighteen) months from the date of issuance. The CCPS shall rank senior and superior to the current Equity Shares with respect to dividend distribution and repayment, in case of a winding up or repayment of capital. The equity shares issued upon conversion of the CCPS shall rank *pari passu* with the existing Equity Shares of the Company, in all respects, in accordance with applicable law.

The total consideration paid for the Subscription Securities aggregates to INR 12,250,000,200 (Indian Rupees twelve billion two hundred and fifty million and two hundred rupees only) ("Subscription Amount"). The Target Company shall utilize the Subscription Amount for onward lending in accordance with the applicable law, for general corporate purposes, for repaying indebtedness of the Target Company or its subsidiaries, business acquisitions in the existing segments or for such other purpose, in accordance with the business plan adopted in accordance with the SHA.

The subscription to the Subscription Securities in accordance with the terms of the SSA, is subject to completion (or waiver) of various conditions precedent to the SSA including (i) obtaining consents/waivers from or making intimations (as required) to creditors/lenders under various financing arrangements of the Target Company, as set out therein; (ii) non-occurrence of a material adverse effect (as defined therein); (iii) procurement of warranty and indemnity insurance ("W&I Insurance") in accordance with terms of the SSA or the parties agreeing to a satisfactory indemnity construct under the SSA in lieu of the W&I insurance; (iv) completion of conditions precedent to the SPA (including those set out below); (v) obtaining all statutory approvals as set out in Part VI of this DPS; (vi) receipt of requisite corporate authorisations from the shareholders of the Target Company for the issuance of the Subscription Securities on the terms set out in the SSA and such issuance taking place in accordance with applicable SEBI guidelines; (vii) representations and warranties provided to the Acquirer being true and correct at the time of subscription to the Subscription Securities.

The SSA may be terminated (i) by mutual written agreement of the parties thereto; (ii) in case of non-fulfilment of the conditions precedents to the SSA; (iii) upon termination of the SPA; (iv) if completion of the transactions contemplated therein are not completed by the long stop date (which is 9 (nine) months from January 31, 2020, or such other date as may be mutually agreed between ICM and Acquirer, "Long Stop Date"); and/or (v) at any time prior to the completion by the Acquirer, if (a) any representation and warranties provided to it have been breached by ICM or the Target Company as on date of completion; (b) in case of failure of ICM to procure satisfactory W&I insurance as set out under the SSA or failure of the parties to mutually agree to a satisfactory indemnity construct under the SSA in lieu of the W&I insurance; (c) upon occurrence of an event having a material adverse effect (as defined therein); (d) any material breach of the terms of the SSA or the SPA by ICM and/or the Target Company; (e) upon insolvency of the Target Company, its subsidiaries or ICM; (f) disclosure of an event that may result in material loss to the Target Company or its subsidiaries for which an indemnity has not been/is not capable of being provided.

- the share purchase agreement dated January 31, 2020 executed between the Acquirer and ICM (the "SPA"), wherein it is agreed that the Acquirer shall purchase (in one or two tranches) from ICM, the Sale Shares, at a price of INR 290 (Indian Rupees two hundred and ninety only) per Equity Share

The purchase of the Sale Shares by the Acquirer is subject to fulfillment of conditions precedent set out in the SPA, including: (i) regarding representations and warranties provided to the Acquirer by ICM (including in respect of the SPA and the Sale Shares) being true and correct at the time of completion of the transactions contemplated therein; (ii) delivery of shareholding statements by ICM to the Acquirer; and (iii) satisfaction (or waiver) of the conditions precedent to the SSA (as set out above). Subject to the satisfaction of the conditions precedent set out in the SPA, the Acquirer may consummate the sale and purchase of the Sale Shares in one or two tranches ("Sale Transaction"). The Sale Transaction may be undertaken either on the floor of the Stock Exchanges as permitted under applicable law, or as an "off-market" transaction.

The Sale Transaction will be completed in a single tranche if it is consummated after the expiry of the offer period under the SEBI (SAST) Regulations. In such an event, the Acquirer shall purchase all the Sale Shares from ICM.

The Sale Transaction will be consummated in two tranches, if the Acquirer elects to purchase the Tranche 1 Shares prior to the expiry of the offer period under the SEBI (SAST) Regulations. Subsequently, the Acquirer will purchase the Remaining Sale Shares (as defined below) from ICM.

The Remaining Sale Shares shall mean such number of Equity Shares (subject to a maximum of 3,000,000 Equity Shares) computed using the following formula: Equity Shares representing 40% (forty percent) of the Expanded Voting Share Capital minus (the aggregate of: (i) the Subscription Securities; (ii) the Tranche 1 Shares; and (iii) the Equity Shares tendered by the Public Shareholders in the Open Offer and purchased by Acquirer in accordance with the SEBI (SAST) Regulations), if positive.

The SPA may be terminated (i) by mutual written agreement of the parties thereto; (ii) automatically, upon termination of the SSA; (iii) in case of non-fulfilment of the conditions precedents thereto; (iv) if the sale and purchase of the Tranche 1 Shares does not occur by the long stop date specified therein; (v) upon material breach of any of the representations and warranties provided by the parties to the SSA or the SPA, or insolvency of the parties to the SPA or SSA.

- the shareholders' agreement dated January 31, 2020 ("SHA") amongst the Acquirer, the Target Company and ICM, and approved by the Board on January 31, 2020, recording the terms and conditions governing the management of the Target Company and the *inter se* rights and obligations between the Acquirer and ICM, in relation to the Target Company.
  - The SHA shall only come into force and full effect, vis-à-vis each party to the SHA (as applicable) as per the terms of the SHA, on the earlier of: (A) the date on which the later of each of the following has occurred: (x) the Acquirer has deposited 100% (one hundred percent) of the Maximum Open Offer Consideration in Escrow Account as per the SEBI (SAST) Regulations, for completion of the sale and purchase of the Tranche 1 Shares prior to the expiry of the offer period under the SEBI (SAST) Regulations; and (y) date of allotment of the Subscription Securities by the Company to the Acquirer in accordance with the terms of the SSA; and (B) the date on which the transactions contemplated under the SSA and the sale and purchase of the Tranche 1 Shares under the SPA have been consummated, in accordance with the terms of the SSA and SPA, respectively (the "Effective Date").
  - On and from the Effective Date, and provided that the Tranche 1 Sale and issuance of the Subscription Securities by the Target Company to Acquirer in accordance with the terms of the SSA have been completed, the Board shall be re-constituted as follows:
    - 2 (two) non-executive directors nominated by the Acquirer;
    - 2 (two) non-executive directors nominated by ICM and its affiliates ("ICM Group");
    - 3 (three) independent directors appointed in the manner set out in the SHA; and
    - 1 (one) executive director.

The right of the Acquirer and the ICM Group to nominate directors on to the Board shall be subject to their respective shareholding in the Target Company, as set out below:

Threshold Shareholding Requirement (% of the Share Capital)	Number of Directors
Equal to or more than 20%	2
Equal to or more than 10% but less than 20%	1
Less than 10%	0

Provided that the Acquirer shall have the right but not the obligation to nominate a total of:

- 3 (three) nominee directors, subject to the Acquirer holding at least 25.1% (twenty five point one percent) of the share capital of the Target Company, in the event that the ICM Group ceases to hold the right to nominate 1 (one) nominee director i.e., the ICM Group ceases to own and hold at least 20% (twenty percent) of the share capital of the Target Company; and
- 4 (four) nominee directors in the event that the ICM Group falls below 10% (ten percent) of the share capital of the Target Company.

Further, in the event of a change of control of the ICM Group in a manner contemplated in the SHA, the Acquirer shall have the right to nominate a total of 4 (four) nominee directors.

On and from the Effective Date, the Acquirer and the ICM Group shall be classified as 'promoters' of the Target Company until they are reclassified in terms of Regulation 31A of the LODR Regulations.

As per the SHA, certain reserved matters as set out in the SHA shall not be approved, acted upon or undertaken by, or in respect of, the Target Company and/or its subsidiaries or their respective boards, shareholders, officers, employees and/or managers (whether at a meeting of the shareholders, meeting of the board of directors, board committees, or by way of resolutions by circulation or otherwise), in a single transaction or a series of transactions, directly or indirectly, without having received the prior written approval of the Acquirer and ICM, in manner set out in the SHA. In the event of a deadlock in relation to certain key reserved matters and matters arising out of or in connection with such reserved matters, as identified in the SHA, the procedure as per the terms of the SHA for resolving such deadlock shall be complied with and in certain instances, the Acquirer's decision regarding such matters shall prevail.

Under the SHA, the shareholding of the Acquirer (including affiliates) and ICM (including affiliates) shall be at least 51% (fifty one percent) of the share capital of the Target Company for a period of 2 (two) years from the allotment of the Subscription Securities to the Acquirer, in accordance with the terms of the SSA and the transfer of Sale Shares, in accordance with the terms of the SPA.

On and from the Effective Date and until the earlier of: (i) the expiry of 2 (two) years from the Effective Date; and (ii) the ICM Group ceasing to hold at least 10% (ten percent) of the share capital of the Target Company, any disposal of securities by the Acquirer or ICM (and/or their respective affiliates), is subject to a right of first offer in favour of the other party (and/or its affiliates). However, any disposal of securities constituting 1% (one percent) of the share capital of the Target Company or less in one or more transactions shall not be subject to a right of first offer, so long as such disposals, on a cumulative basis, do not exceed 3% (three percent) of the share capital of the Target Company at the time of undertaking such disposal.

If at any time, the Target Company is in breach of the MPS Requirement pursuant to this Open Offer, the Acquirer, ICM and the Target Company have agreed under the SHA that:

- the ICM Group shall, to the extent that they are classified as a part of the promoter and promoter group of the Target Company, sell-down the first 3,000,000 (three million) Equity Shares required to ensure compliance with the MPS Requirement, and thereafter.
- the Acquirer and the ICM Group shall, to the extent that they are classified as a part of the promoter and promoter group of the Target Company, sell-down equal number of Equity Shares in the Target Company, to the extent required to ensure compliance with MPS Requirement.

The Acquirer and its affiliates undertaking private equity business in India and ICM and its affiliates have agreed not to acquire (so long as they hold 20% (twenty percent) or more of the share capital of the Target Company), directly or indirectly, any securities or voting rights in a competitor (as defined in the SHA) which results in such party (or its relevant affiliates) owning or holding, directly or indirectly, more than 20% (twenty percent) of the share capital of such competitor (on a fully diluted basis) and/or acquiring governance rights.

The Acquirer and ICM are also subject to non-solicitation obligation vis-à-vis customers, suppliers and employees of the Company and its subsidiaries, for a period of 18 (eighteen) months from the date of termination of the SHA vis-à-vis such party.

On the occurrence of an Event of Default (as defined under the SHA), the non-defaulting party shall among other things, have a call option against the defaulting party in a manner as set out in the SHA.

The SHA may be terminated (i) automatically if completion of the transactions contemplated under the SSA and SPA has not occurred by the Long Stop Date; (ii) if the Target Company is wound-up; (iii) by mutual written agreement of the parties to the SHA; (iv) termination of the SPA/SSA prior to completion of the transactions contemplated therein; and (v) upon the Acquirer or the ICM Group ceasing to hold at least 10% (ten percent) of the share capital of the Target Company.

- The total consideration for the Underlying Transactions shall be paid in cash by the Acquirer.
- Pursuant to the Open Offer, and consummation of the Underlying Transactions, the Acquirer will have control over the Target Company (along with the existing promoters) and the Acquirer shall become the promoter of the Target Company including in accordance with the provisions of the Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, as amended. ICM will continue to be in control and classified as a promoter of the Company.
- The object and purpose of the acquisition of control (with the existing promoters) in the Target Company is aligned with the Acquirer's strategy to grow the revenue and profit of business portfolio, thereby increasing the consolidated return on equity and further diversifying the consolidated group revenue and profits into the financial services sector.

### III. SHAREHOLDING AND ACQUISITION DETAILS

- The current and proposed shareholding of the Acquirer and the PAC in the Target Company and the details of their acquisition are as follows:

Details	Acquirer		PAC	
	No.	%	No.	%
Shareholding as on the PA date.	Nil	Nil	Nil	Nil
Shares acquired between the PA date and the DPS date.	Nil	Nil	Nil	Nil
Post Offer shareholding calculated on the Expanded Voling Share Capital (assuming full acceptance in the Open Offer and Sale Shares as 5,000,000 Equity Shares).	72,367,825 Equity Shares and 12,068,966 CCPS	50.59% of the Expanded Voling Share Capital and 12,068,966 CCPS, which upon conversion, would constitute 8.44% of the Expanded Voling Share Capital, aggregating to 59.02% of the Expanded Voling Share Capital	Nil	Nil

- The Acquirer, the PAC and their respective directors do not have any shareholding in the Target Company as on the date of the public announcement and this DPS.

### IV. OFFER PRICE

- The Equity Shares of the Target Company are listed on the Stock Exchanges.
- The trading turnover of the Equity Shares on the Stock Exchanges from January 2019 to December 2019, both months included ('Relevant Period') (12 (twelve) calendar months preceding the calendar month in which the PA is made) are set forth below:

Stock Exchange	No. of Equity Shares of the Target Company traded during the Relevant Period (A)	Total No. of Equity Shares of the Target Company during the Relevant Period (B)*	Traded turnover percentage (A/B)
BSE	2,666,345	92,261,360	2.89%
NSE	13,201,988	92,261,360	14.31%

\*Note: The total number of Equity Shares of the Target Company during the Relevant Period, have been calculated as the weighted average of the total number of Equity Shares, since the share capital of the Company has changed during the Relevant Period.

- Based on the above, in terms of Regulation 2(1) (j) of the SEBI (SAST) Regulations, and the certificate dated January 31, 2020 issued by M/s. SSPA & Co., Chartered Accountants (Firm Registration No. 128851W), the Equity Shares of the Target Company are frequently traded.

- The Offer Price of INR 290 (Indian Rupees two hundred and ninety only) per equity share is justified in terms of Regulation 8(2) of the SEBI (SAST) Regulations, being the highest of:

a.	The highest negotiated price per Equity Share of the Target Company for any acquisition under the agreements attracting the obligation to make a public announcement of this Open Offer.	INR 290.00
b.	The volume-weighted average price paid or payable for acquisitions, by the Acquirer and/or the PAC, during the 52 (fifty two) weeks immediately preceding the date of the Public Announcement.	N.A.
c.	The highest price paid or payable for any acquisition, by the Acquirer and/or the PAC, during the 26 (twenty six) weeks immediately preceding the date of the Public Announcement.	N.A.
d.	The volume-weighted average market price of the Equity Shares, for a period of 60 (sixty) trading days immediately preceding the date of the Public Announcement as traded on the NSE, being the stock exchange where the maximum volume of trading in the shares of the Target Company has been recorded during such period, and such shares are frequently traded.	INR 211.26
e.	Where the shares are not frequently traded, the price determined by the Acquirer, the PAC and the Manager to the Offer taking into account valuation parameters including book value, comparable trading multiples, and such other parameters as are customary for valuation of shares of such companies.	N.A.
1.	The per equity share value computed under regulation 8(5), if applicable	N.A.*

\*Not applicable since this is not an indirect acquisition.

- In view of the parameters considered and presented in the table in paragraph 3 above, the Offer Price, under Regulation 8(2) of the SEBI (SAST) Regulations, is INR 290 per Equity Share, and the same has been certified by M/s. SSPA & Co., Chartered Accountants (Firm Registration No. 128851W), vide their certificate dated January 31, 2020. Accordingly, the Offer Price is justified in terms of the SEBI (SAST) Regulations.
- Since the date of the PA, there have been no corporate actions by the Target Company warranting adjustment of any of the relevant price parameters under Regulation 8(3) of the SEBI (SAST) Regulations. The Offer Price may be revised in the event of any corporate actions like bonus, rights, split, etc. where the record date for effecting such corporate actions falls within 3 (three) Working Days prior to the commencement of Tendering Period of the Offer.
- As on date of this DPS, there is no revision in Offer Price or Offer Size. The Offer Price may be subject to upward revision, if any, pursuant to the SEBI (SAST) Regulations or at the discretion of the Acquirer at any time prior to 1 (One) working day before the commencement of the tendering period in accordance with Regulation 18(4) of the SEBI (SAST) Regulations. In the event of such revision, (i) the Acquirer shall make corresponding increases to the escrow amounts and/or Bank Guarantee; (ii) make a public announcement in the same newspapers in which this DPS has been published; and (iii) simultaneously with the issue of such public announcement, inform SEBI, the Stock Exchanges and the Target Company at its registered office of such revision.
- In the event of acquisition of the Equity Shares by the Acquirer and/or the PAC, during the Open Offer period, whether by subscription or purchase, at a price higher than the Offer Price per equity share, the Offer Price will be revised upwards to be equal to or more than the highest price paid for such acquisition in terms of Regulation 8(5) of the SEBI (SAST) Regulations. In the event of such revision, (i) the Acquirer shall make corresponding increases to the escrow amounts and/or Bank Guarantee; (ii) make a public announcement in the same newspapers in which this DPS has been published; and (iii) simultaneously with the issue of such public announcement, inform SEBI, the Stock Exchanges, and the Target Company at its registered office of such revision. However, the Acquirer and/or the PAC shall not acquire any Equity Shares after the 3<sup>rd</sup> (Third) working day prior to the commencement of the tendering period of this Open Offer and until the expiry of the tendering period of this Open Offer. An upward revision to the Offer Price or to the Offer Size, if any, on account of competing offers or otherwise, may be done at any time prior to the commencement of the last 1 (One) working day before the commencement of the tendering period of this Open Offer in accordance with Regulation 18(4) of the SEBI (SAST) Regulations.
- If the Acquirer acquires Equity Shares of the Target Company during the period of 26 (Twenty Six) weeks after the tendering period at a price higher than the Offer Price per equity share, then the Acquirer shall pay the difference between the highest acquisition price and the Offer Price, to all the Public Shareholders whose shares have been accepted in the Offer within 60 (Sixty) days from the date of such acquisition. However, no such difference shall be paid in the event that such acquisition is made under another open offer under the SEBI (SAST) Regulations, or open market purchases made in the ordinary course on the stock exchanges, not being negotiated acquisition of shares of the Target Company in any form.

### V. FINANCIAL ARRANGEMENTS

- The total funding requirement for this Offer is INR 10,786,669,190 (Indian Rupees ten billion seven hundred eighty six million six hundred sixty nine thousand one hundred and ninety only) assuming full acceptance of this Offer i.e. the Maximum Open Offer Consideration.
- The Acquirer has confirmed that it has made firm financial arrangements for fulfilling the payment obligations under this Open Offer in terms of Regulation 25(1) of the SEBI (SAST) Regulations and the Acquirer is able to implement this Open Offer. The Acquirer has received an equity commitment letter from the PAC, stating the fact that necessary funds required for the Open Offer and the Underlying Transactions, will be provided by the PAC or any of its affiliates to fulfill the financial arrangements in connection with the Open Offer, and the PAC has access to withdraw credit facilities from banks for this purpose. The source of funds is foreign funds.
- In accordance with Regulation 17(4) of the SEBI (SAST) Regulations, the Acquirer, the Manager to the Offer and HDFC Bank Limited, having its registered office at HDFC Bank House, Senapati Bapat Marg, Lower Panel (West) Mumbai, 400 013 and acting through its Mumbai branch at Fort, Mumbai - 400 001 ("Escrow Bank") have entered into an Escrow Agreement dated January 31, 2020 ("Escrow Agreement"). Pursuant to the Escrow Agreement, the Acquirer has opened an escrow account under the name and title of "ICFL Open Offer Escrow Account" bearing account number 5750000243104 ("Escrow Account") with the Escrow Bank and has made a cash deposit of INR 120,000,000 (Indian Rupees one hundred and twenty million only) in the Escrow Account in accordance with the Regulation 17(5) of the SEBI (SAST) Regulations. This cash deposit is in excess of 1% of the Maximum Open Offer Consideration, and has been confirmed vide a confirmation letter dated February 03, 2020 issued by the Escrow Bank. The Manager to the Open Offer has been solely authorised by the Acquirer to operate and realise the monies lying to the credit of the Escrow Account, in terms of the SEBI (SAST) Regulations.
- The Acquirer has also furnished an unconditional, irrevocable, and on demand bank guarantee dated February 01, 2020, having bank guarantee number OGT005200040526 for an amount of INR 1,920,000,000 (Indian Rupees one billion and nine hundred twenty million only) from IndusInd Bank Limited ("Bank Guarantee"), in favour of the Manager to the Open Offer. The Bank Guarantee is valid up to July 29, 2020. The Manager to the Offer has been duly authorised to realize the value of the aforesaid Bank Guarantee in terms of the SEBI (SAST) Regulations. The Acquirer undertakes that in case the Open Offer is not completed within the validity of the Bank Guarantee, then the Bank Guarantee will be further extended at least up to the 30th day from the date of completion of payment of the shares validly tendered in the Open Offer. The bank issuing the Bank Guarantee is neither an associate company nor a group company of the Acquirer, the PAC or the Target Company.
- M/s. SSPA & Co., Chartered Accountants with Firm Registration No. 128851W having its office at 1<sup>st</sup> Floor, "Anjan", Plot No. 8 & A, V. P. Road, Andheri (W), Mumbai - 400 058, India (Telephone Number: +91 22 2670 4376/4 91 22 2670 3682), by its certificate dated January 31, 2020, has certified that the Acquirer and the PAC, have made firm financial arrangements to meet its financial obligations under the Open Offer.
- Based on the above, the Manager to the Open Offer is satisfied that firm arrangements have been put in place by the Acquirer and the PAC to fulfill their obligations in relation to this Open Offer through verifiable means in accordance with the SEBI (SAST) Regulations.
- In case of any upward revision in the Offer Price or the Offer Size, the cash in the Escrow Account and/or the amount of the Bank Guarantee, shall be increased by the Acquirer in terms of Regulation 17(2) of the SEBI (SAST) Regulations, prior to effecting such revision.

### VI. STATUTORY AND OTHER APPROVALS

- To the best of the knowledge of the Acquirer and the PAC, the regulatory/statutory approvals required to complete the Underlying Transaction and the Open Offer as on the date of this DPS are (collectively, the 'Requisite Regulatory Approvals'):
  - Approval of the Competition Commission of India for the consummation of the Underlying Transactions and the Open Offer
  - Approval from the Reserve Bank of India (RBI) for the Underlying Transactions and the Open Offer, followed by the expiry of 30 (thirty) calendar days from the date of issuance of a public notice issued pursuant to the aforesaid approval (unless waived by Department of Supervision, RBI) and no objection having been received or any objection if received, such objection being duly resolved
  - Approval from the National Housing Board (NHB) or the RBI (as required under applicable law on the date of receipt of such approval) for indirect change in control of IndoStar Home Finance Private Limited, a wholly owned subsidiary of the Target Company, followed by the expiry of 30 (thirty) calendar days from the date of issuance of a public notice issued pursuant to the aforesaid approval (unless waived by NHB/RBI (whichever is the relevant authority as on such date)) and no objection having been received or any objection if received, such objection being duly resolved
  - In-principal approval from the Stock Exchanges for the issue and allotment of the Subscription Securities
- The necessary applications for these regulatory / statutory approvals shall be made shortly.
- Except as mentioned above, as on the date of this DPS, to the best knowledge of the Acquirer and the PAC, there are no statutory approvals required by the Acquirer and/or the PAC, to complete the Underlying Transaction and this Open Offer. However, in case of any further statutory approvals being required by the Acquirer and/or the PAC, at a later date, this Open Offer shall be subject to such approvals and the Acquirer and/or the PAC shall make the necessary applications for such approvals.
- In case of delay/non receipt of any statutory approvals which may be required by the Acquirer, as per Regulation 18(11) of the SEBI (SAST) Regulations, SEBI may, if satisfied, that non-receipt of approvals was not attributable to any willful default, failure or neglect on the part of the Acquirer to diligently pursue such approvals, grant an extension of time for the purpose of completion of this Open Offer, subject to the Acquirer agreeing to pay interest to the Public Shareholders of the Target Company (who validly tender their shares in the Open Offer) at such rate as may be specified by SEBI. Provided where the statutory approvals extend to some but not all holders of the Equity Shares, the Acquirer shall have the option to make payment to such holders of the Equity Shares in respect of whom no statutory approvals are required in order to complete this Open Offer
- If Public Shareholders who are not persons resident in India (including non-resident Indian ("NRI"), overseas corporate body ("OCB") and foreign institutional investors ("FIIs"/Foreign Portfolio Investors ("FPIs") or any other regulatory body) in respect of the Equity Shares held by them, they will be required to submit such previous approvals, that they would have obtained for acquiring/holding the Equity Shares, in order to tender the Equity Shares held by them in this Open Offer, along with the other documents required to be tendered to accept this Open Offer. In the event such approvals are not submitted, the Acquirer and the PAC reserve their right to reject such Equity Shares tendered in this Open Offer.

- The Acquirer and the PAC will have the right to withdraw this Open Offer in accordance with Regulation 23 of the SEBI (SAST) Regulations, in the event the statutory approvals whether relating to the acquisition under the Underlying Transactions or this Open Offer are not received or are refused for any reason, or if the conditions precedent as specified in the SSA, SPA and the SHA, are not satisfied, outside the reasonable control of the Acquirer. In the event of withdrawal of this Open Offer, a public announcement will be made within 2 (two) working days of such withdrawal, in the same newspapers in which this DPS has been published and such public announcement will also be sent to the Stock Exchanges, SEBI and the Target Company at its registered office.

### VII. TENTATIVE SCHEDULE OF ACTIVITY

No.	Name of Activity	Schedule of Activities (Day and Date)
1.	Issue of Public Announcement	Friday, January 31, 2020
2.	Publication of this DPS in newspapers	Friday, February 7, 2020
3.	Filing of the draft Letter of Offer with SEBI	Friday, February 14, 2020

4.	Last date for public announcement for competing offer(s)	Tuesday, March 03, 2020
5.	Last date for receipt of comments from SEBI on the draft Letter of Offer (in the event SEBI has not sought clarification or additional information from the Manager to the Offer)	Wednesday, March 11, 2020
6.	Identified Date*	Friday, March 13, 2020
7.	Last date for dispatch of the Letter of Offer to the Shareholders of the Target Company whose names appear on the Register of Members on the Identified Date	Friday, March 20, 2020
8.	Last date for upward revision of the Offer Price and/or the Offer Size	Thursday, March 26, 2020
9.	Last date by which a committee of independent directors of the Target Company is required to give its recommendation to the Shareholders of the Target Company for this Offer	Thursday, March 26, 2020
10.	Date of publication of Offer opening public announcement, in the newspapers in which this DPS has been published	Friday, March 27, 2020
11.	Date of commencement of the Tendering Period ("Offer Opening Date")	Monday, March 30, 2020
12.	Date of closure of the Tendering Period ("Offer Closing Date")	Thursday, April 16, 2020
13.	Last date of communicating the rejection/ acceptance and completion of payment of consideration or refund of Equity Shares to the Shareholders of the Target Company	Thursday, April 30, 2020
14.	Last date for filing the post Offer report with SEBI	Monday, May 11, 2020
15.	Last date for publication of post-Offer public announcement in the newspapers in which this DPS has been published	Monday, May 11, 2020

\*The Identified Date is only for the purpose of determining the Public Shareholders as on such date to whom the LoF will be dispatched. It is clarified that all Public Shareholders (registered or unregistered) of Equity Shares (except the Acquirer, the PAC, the persons deemed to be acting in concert with the Acquirer and the PAC, the parties to the Underlying Transactions and the persons deemed to be acting in concert with such parties) are eligible to participate in the Open Offer at any time before the Offer Closing Date, subject to paragraph 4 of Part VI (Statutory and Other Approvals) above.

\*The above timelines are indicative (prepared on the basis of timelines provided under the SEBI (SAST) Regulations) and are subject to receipt of relevant approvals from various statutory/regulatory authorities and may have to be revised accordingly.

### VIII. PROCEDURE FOR TENDERING THE SHARES IN CASE OF NON RECEIPT OF LOF

- Subject to Part VI (Statutory and Other Approvals) above, all the Public Shareholders of the Target Company, holding the shares in dematerialized form, registered or unregistered are eligible to participate in this Open Offer at any time during the period from Offer Opening Date and Offer Closing Date ("Tendering Period") for this Open Offer.
- The Acquirer is not a person resident in India under applicable Indian foreign exchange control regulations. If the Acquirer does not have control over the Target Company at the time of acquiring the Equity Shares tendered by the Public Shareholders under the Offer ("Offer Shares"), the Acquirer will not be permitted to acquire the Equity Shares of the Target Company on the floor of the recognized stock exchanges in India, as per applicable Indian foreign exchange control regulations. Therefore, the Acquirer will acquire the Offer Shares in accordance with the 'tender offer method' prescribed by SEBI, in accordance with paragraph (c) of the SEBI Circular CIR/CFD/POLICYCELL/1/2015 dated April 13, 2015, as amended by SEBI Circular CFD/DCR2/CIR/P/2016/131 dated December 9, 2016.
- For the purpose of the Offer, Link Intime India Private Limited ("Registrar to the Offer"/"Registrar") has opened a special escrow depository account in the name and style of "LIPLI INDOSTAR CAPITAL ESCROW DEMAT ACCOUNT" ("Open Offer Escrow Demat Account") with Ventura Securities Limited as the depository participant in National Securities Depository Limited. The depository participant identification number is IN303116 and the client identification number is 13035388.
- Persons who have acquired the Equity Shares but whose names do not appear in the register of members of the Target Company on the Identified Date or unregistered owners or those who have acquired Equity Shares after the Identified date or those who have not received the LoF may participate in this Open Offer, (subject to Part VI (Statutory and Other Approvals) above and provided that they are not parties to the SPA or the SSA or the SHA, or actual or deemed persons acting in concert with such parties), by submitting an application on plain paper giving details regarding their shareholding and confirming their consent to participate in this Offer on the terms and conditions of this Offer as set out in the Public Announcement, this DPS and the Letter of Offer to be issued. Alternatively, such holders of Equity Shares may also apply in the form of acceptance-cum-acknowledgement in relation to this Offer annexed to the Letter of Offer, which may be obtained from the SEBI website (www.sebi.gov.in) or the Registrar to the Offer. Any such applications must be sent to the Registrar to the Offer at the address mentioned below in Part XI (Other Information) so as to reach the Registrar to the Offer on or before 4:00 p.m. on the date of closure of the Tendering Period, together with:
  - Where the Equity Shares held in dematerialized form, the name of the Depository Participant ("DP"), the DP identity and beneficiary account number, together with a photocopy or counterfoil of the delivery instruction slip in "off-market" mode duly acknowledged by the DP for transferring the Equity Shares in favour of the Open Offer Escrow Demat Account. Any Public Shareholders tendering Equity Shares in dematerialized form should ensure that the Equity Shares are credited in the favour of the Open Offer Escrow Demat Account during the Tendering Period. Any form of acceptance in respect of dematerialized Equity Shares not credited to the Open Offer Escrow Demat Account on or before the Offer Closing Date is liable to be rejected;
  - Public Shareholders having their beneficiary account with Central Depository Services (India) Limited must use the inter-depository delivery instruction slip for the purpose of crediting their Equity Shares in favour of the Open Offer Escrow Demat Account.
- If the Acquirer has control over the Target Company at the time of acquiring the Offer Shares, the Open Offer will be implemented by the Acquirer through a stock exchange mechanism made available by stock exchanges in the form of a separate window, as provided under the SEBI (SAST) Regulations and SEBI circulars CIR/CFD/POLICYCELL/1/2015 dated April 13, 2015 and CFD/DCR2/CIR/P/2016/131 dated December 09, 2016 and BSE notice no. 20170202-34 dated February 02, 2017, in each case as amended from time to time. Further details regarding the same, shall be available in the Letter of Offer to be despatched to all the Public Shareholders.
- Procedure to be followed by Shareholders holding Equity Shares in Physical Form:
  - As per the provisions of Regulation 40(1) of the LODR Regulations and SEBI PR 51/2018 dated December 3, 2018, requests for transfer of securities shall not be processed unless the securities are held in dematerialized form with a depository with effect from April 1, 2019.
  - Accordingly, the Public Shareholders who are holding Equity Shares in physical form and are desirous of tendering their Equity Shares in the Offer can do so only after the Equity Shares are dematerialised. Such Public Shareholders are advised to approach any depository participant to have their Equity Shares dematerialised.

### IX. OTHER INFORMATION

- The Acquirer, the PAC and their respective directors accept full responsibility for the information contained in the Public Announcement and this DPS (other than such information as has been obtained from public sources or provided or relating to and confirmed by the Target Company and/or the Seller), and undertake that they are aware of and will comply with their obligations under the SEBI (SAST) Regulations.
- The information pertaining to the Target Company and/or the Seller contained in the PA or the DPS or the Letter of Offer or any other advertisement/publications made in connection with the Open Offer has been compiled from information published or provided by the Target Company or the Sellers, as the case may be, or publicly available sources which has not been independently verified by the Acquirer or the PAC or the Manager. The Acquirer, the PAC and the Manager do not accept any responsibility with respect to the information provided by the Target Company and/or the Seller.
- In this DPS, any discrepancy in any table between the total and sums of the amount listed is due to rounding off and/or regrouping.
- In this DPS, all references to "Re." and "Rs." and "INR" are references to the Indian Rupee(s).
- This DPS and the Public Announcement would also be available on SEBI's website (www.sebi.gov.in).
- The Acquirer has appointed Nomura Financial Advisory and Securities (India) Private Limited as the Manager to the Open Offer, as per the details below:

MANAGER TO THE OPEN OFFER	
<b>NOMURA FINANCIAL ADVISORY AND SECURITIES (INDIA) PRIVATE LIMITED</b> Ceejay House, Level-11, Plot F, Shivsagar Estates, Dr Annie Besant Road, Worli, Mumbai, 400 018, Maharashtra, India Tel: +91 22 4037 4037 Fax: +91 22 4037 4111 Email: indostaropenoffer@nomura.com Contact Person: Vishal Kanjani/Sandeep Baid SEBI Registration Number: INM000011419	
	
The Acquirer has appointed Link Intime India Private Limited as the Registrar to the Offer, as per the details below:	
REGISTRAR TO THE OFFER	
<b>LINK INTIME INDIA PRIVATE LIMITED</b> C-101, 247 Park, Lal Bahadur Shastri Marg, Vikhroli (West), Mumbai - 400 083 Tel: +91 22 4918 6200 Fax: +91 22 4918 6195 Website: www.linkintime.co.in Email: indostar.offer@linkintime.co.in Contact Person: Mr. Sumet Deshpande SEBI Registration Number: INR00004058	
	

For and on behalf of the Acquirer and the PAC  
 BCP V Multiple Holdings Pte. Ltd. Brookfield Business Partners L.P.  
 Sd/- Sd/-  
 Authorized Signatory Authorized Signatory

Place : Mumbai  
 Date : February 6, 2020







## आयकर विभाग ने कर आकलन के लिए ई-कैलकुलेटर पेश किया

नई दिल्ली, 6 फरवरी (भाषा)।

आयकर विभाग ने लोगों के लिए कर देनदारी का पता लगाने के लिए ई-कैलकुलेटर पेश किया है। इसके जरिए आयकरदाता अगर छूट और कटौतों को छोड़ते हुए नए कर स्लैब से रिटर्न भरने विकल्प चुनते हैं तो वे अपनी कर देनदारी का आकलन कर

सकेंगे। सरकार ने बजट में करदाताओं को आयकर रिटर्न भरने के मामले में विकल्प दिया है। कैलकुलेटर विभाग की आधिकारिक ई-फाइलिंग (एचटीटीपी://डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.इंकमअैक्सईडिप।फाइलिंग.गव.इन) पर उपलब्ध है। इसमें करदाता यह देख पाएंगे कि पुरानी और नई कर

व्यवस्था में उन्हें कितना कर देना होगा। इसके जरिए सामान्य नागरिक (60 साल से कम), वरिष्ठ नागरिक (60 से 79) और अति वरिष्ठ नागरिक (79 साल से ऊपर) सभी स्त्रोत से अपनी सालाना आय, कुल कटौती और छूट का आकलन कर यह पता लगा सकते हैं कि पुरानी या नई व्यवस्था में उनकी कर देनदारी कितनी बनेगी।

पंजाब नैशनल बैंक		कच्चा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)					
...भरोसे का प्रतीक!							
जबकि, पंजाब नेशनल बैंक को तरफ से प्राधिकृत अधिकारी ने सिक्किम/इंडियेशन एण्ड रिजर्व/इण्डियन ऑफ काइनेटिशियल एक्ट्स एण्ड इनकोर्पोरेट ऑफ सिक्किम/टी इंटररेस्ट एक्ट 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में सिक्किम/टी इंटररेस्ट 2002 के साथ 80 दिनों के भीतर नोटिस में निहित शर्तों को अपायगी हेतु एक विचार नोटिस जारी किया था। कच्ची के द्वारा रकम की अदायगी न करने के कारण निम्नलिखित ऋणकर्ता एवं उन सभाग्रण को नोटिस दी जाती है कि ऋणोहरताक्षरी ने प्रत्येक खातों के सम्बन्ध अंकित तिथि को तक नियमों के नियम 8 के साथ मदेत तक अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के तहत प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में अधोलिखित सम्पत्ति का मौखिक कब्जा दिनांक 03, फरवरी, 2020 को ले लिया है। विशेषतः कच्ची एवं जन सभाग्रण को एतद द्वारा सतर्क किया जाता है कि वे सम्बन्धित पारिसम्पत्ति को खरीद कर/उपलब्ध न करें तथा इन पारिसम्पत्ति को किसी भी क्रय विक्रय के लिए यहाँ नीचे खाले के समक्ष रकम उस पर देय ब्याज के बिना पंजाब नेशनल बैंक के सम्रा अधीन हों। कच्चीदार का ध्यान, प्रत्यभूत आतिथ्यों को घुड़ाने के लिए, उपलब्ध समग्र ऋं सावध में अधिनियम को धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधान की ओर अनुरक्त किया जाता है।							
क्र। सं०	शाखा का नाम	खाता का नाम	ऋणकर्ता व गारंटर का नाम और पता	बंधक सम्पत्ति का विवरण	(8/2)कृपा नोटिस की तिथिक्रय नोटिस के अनुसार कच्चा राशि	मौखिक कब्जे की तिथि	प्राधिकृत अधिकारी का नाम
1.	ककर खेड़ा, मेरठ	श्री रमेश गोयल, गोपाल गोयल और श्रीमती राधा रानी	श्री रमेश गोयल, गोपाल गोयल और श्रीमती राधा रानी मकान नं. 35/4, शिवलोमपुरी, मेरठ	मुनि अशोक भवन, मकान नं. 35/4, शिवलोमकपुरी मेरठ, सम्पत्ति श्री रमेश गोयल, गोपाल गोयल और श्रीमती राधा रानी के नाम	₹ 30,11,2019 रु. 16,14,018.00 दिनांक 01.04.2017 से ब्याज व अन्य खर्चें	03.02.2020 सांकेतिक कब्जे की तिथि 23.11.2017	संजीव कुमार शर्मा (मुख्य प्रबंधक)
दिनांक:- 06.02.2020				स्थान:- मेरठ	प्राधिकृत अधिकारी		

पंजाब नैशनल बैंक		Punjab national bank				
...भरोसे का प्रतीक!		...the name you can BANK upon!				
आंचलिक कार्यालय- 1, पल्टन बाजार, क्लोक टॉवर, देहरादून, फोन नं०: 0135-2710107						
आम लोगों का तथा विशेष रूप से ऋणी(ओं) / गारन्टर(ओं) उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित घल/अचल सम्पत्ति जो प्रतिभूति लेनदार को प्राप्त गिरी/ प्रभावि है, का रचनात्मक / मौखिक / सांकेतिक कब्जा प्रतिभूति लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी, बैंक द्वारा लिया गया है, को "जहाँ है, जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर बैंक नीचे उल्लिखित ऋणी ऋणी(ओं) / गारन्टर(ओं) की बकाया राशि को दबोचने हेतु बेची जायेगी। प्रत्येक संपत्ति का रिजर्व मूल्य एवं अनेस्ट नमी विवरण नीचे उल्लिखित है, तथा संपत्तियों का ज्ञात प्रभार का ज्ञापित विवरण, यदि कोई हो, के रूप में नीचे उल्लेख किया गया है।						
क्र। सं०	शाखा का नाम	अचल सम्पत्ति का विवरण एवं सम्पत्ति स्वामी का नाम	दिनांक नोटिस सरफेसी 13(2) के अनुसार कच्चा राशि दिनांक कब्जे दिनांक सरफेसी 13(4) के अनुसार कब्जे का प्रकार (सांकेतिक/ मौखिक / रचनात्मक)	रिजर्व मूल्य अनैस्ट नमी (EMD) इष्टमूल्य जमा के अंतिम तिथि न्यूनतम बोली की वृद्धि	ई-नीलामी की तिथि एवं समय	सुरक्षित लेनदारों का ज्ञात प्रभार का विवरण
<b>सरफेसी एक्ट 2002 के तहत प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 8(6) के अन्तर्गत 15 दिन का वैधानिक बिक्री नोटिस माना जाये।</b>						
1.	शाखा <span> </span> : कांढली रोड ऋणी/बंधककर्ता: बहाल कुमार देवोचौम, श्रीमती कविता गुर्गानी की उदरार्थ गुरु (प्रीप्राइड/ऋणी), श्री दिनेश कुमार गुर्ग पुर श्री कल्याण गुर्ग (बंधककर्ता/गारन्टर) एवं श्री कुंज कुमार गुर्ग पुर श्री बालीराम गुर्ग (बंधककर्ता/गारन्टर)	बंधक सम्पत्ति खतर नं० 796/71 माप क्षेत्रफल 0.432 हेक्टर, 1450 वर्गफीट एव 134.7 वर्गमीटर क्लिन मोज़ प्लासिडल् ग्रोट परगना गुरुदा दुन देहरादून, उत्तरांचल, पूर्व- पूर्व-श्रीमती कविता एवं श्री कुंज कुमार साहू माप 58 फीट, पश्चिम- सतिशरान दुर्गी की सम्पत्ति, साहू माप 58 फीट, उत्तर- 15 फीट शीडा गुरु, साहू माप 25 फीट, गिरफ्त, श्री नीतिशाल की सम्पत्ति, साहू माप 25 फीट। सम्पत्ति स्वामी श्री दिनेश कुमार गुर्ग पुर श्री काली राम गुर्ग निवासी: 61/13 लक्ष्मण विहार कांसध रोड मुक्तनगर-2000	₹ 93,80,042.40/- काज एवं अन्य खर्च इनक 01.06.2019 से 20.09.2019	₹ 39.6 लाख 25.02.2020 ₹ 0.40 लाख	26.02.2020 सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक	कोई ज्ञात नहीं
<b>नियम व शर्त<span> </span>:</b>						
1. किसी सुरक्षा नियम (प्रवर्तन) नियम 2002 और निम्नलिखित शर्तों में निश्चित नियमों और शर्तों के अधीन होगी।						
2. गौणिकों की सम्पत्तियों को जहाँ है, जैसा है, जोड़ के आधार पर बिक्री की जायेगी।						
3. अनुसूची में निर्दिष्ट सुविधा परिस्थितियों के विवरण को प्रधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी को लिए किया गया है, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी उस घोषणा में किसी बृद्धि, गलत ब्ययन या कुछ के लिए जवाबदेही नहीं होगी।						
4. किसी अधोहरताक्षरी द्वारा ई-नीलामी के माध्यम से निरूपण पर उपलब्ध ब्याजदर: www.msceccommerce.com, 14 दिनांक 26.02.2020 को प्रात 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक						
5. विस्तृत नियम व शर्तों की जानकारी के लिये आम वेब साइट www.ibpi.in, www.tenders.gov.in, www.msceccommerce.com, https://eprocure.gov.in/epubli/app पर ऑनलाइन कर सकते हैं या नियम व शर्तों की प्रतिनिधि हमारे कार्यालय से किसी भी कार्यदिपत्र पर प्राप्त कर सकते हैं।						
<b>सरफेसी एक्ट 2002 के नियम 8(6) के तहत सांविधिक निकी सूचना</b>						
दिनांक: 06.02.2020				स्थान - देहरादून	प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक	

पंजाब नैशनल बैंक		Punjab national bank						
...भरोसे का प्रतीक!		...the name you can BANK upon!						
आंचलिक कार्यालय- 1, पल्टन बाजार, क्लोक टॉवर, देहरादून, फोन नं०: 0135-2710107								
आम लोगों का तथा विशेष रूप से ऋणी(ओं) / गारन्टर(ओं) उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित घल/अचल सम्पत्ति जो प्रतिभूति लेनदार के प्राधिकृत अधिकारी, बैंक द्वारा लिया गया है, को "जहाँ है, जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर बैंक नीचे उल्लिखित ऋणी ऋणी(ओं) / गारन्टर(ओं) की बकाया राशि को दबोचने हेतु बेची जायेगी। प्रत्येक संपत्ति का रिजर्व मूल्य एवं अनेस्ट नमी विवरण नीचे उल्लिखित है, तथा संपत्तियों का ज्ञात प्रभार का ज्ञापित विवरण, यदि कोई हो, के रूप में नीचे उल्लेख किया गया है।								
क्र। सं०	शाखा का नाम	खाता का नाम	ऋणी/ गारन्टर का नाम व पता	अचल सम्पत्ति का विवरण एवं सम्पत्ति स्वामी का नाम	रिजर्व मूल्य अनैस्ट नमी (EMD) इष्टमूल्य जमा के अंतिम तिथि न्यूनतम बोली की वृद्धि	ई-नीलामी की तिथि एवं समय	सुरक्षित लेनदारों का ज्ञात प्रभार का विवरण	
<b>सरफेसी एक्ट 2002 के तहत प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 8(6) के अन्तर्गत 15 दिन का वैधानिक बिक्री नोटिस माना जाये।</b>								
1.	शाखा <span> </span> : कांढली रोड ऋणी/बंधककर्ता: बहाल कुमार देवोचौम, श्रीमती कविता गुर्गानी की उदरार्थ गुरु (प्रीप्राइड/ऋणी), श्री दिनेश कुमार गुर्ग पुर श्री कल्याण गुर्ग (बंधककर्ता/गारन्टर) एवं श्री कुंज कुमार गुर्ग पुर श्री बालीराम गुर्ग (बंधककर्ता/गारन्टर)	श्री रमेश गोयल, गोपाल गोयल और श्रीमती राधा रानी	श्री रमेश गोयल, गोपाल गोयल और श्रीमती राधा रानी मकान नं. 35/4, शिवलोमपुरी, मेरठ	बंधक सम्पत्ति खतर नं० 796/71 माप क्षेत्रफल 0.432 हेक्टर, 1450 वर्गफीट एव 134.7 वर्गमीटर क्लिन मोज़ प्लासिडल् ग्रोट परगना गुरुदा दुन देहरादून, उत्तरांचल, पूर्व- पूर्व-श्रीमती कविता एवं श्री कुंज कुमार साहू माप 58 फीट, पश्चिम- सतिशरान दुर्गी की सम्पत्ति, साहू माप 58 फीट, उत्तर- 15 फीट शीडा गुरु, साहू माप 25 फीट, गिरफ्त, श्री नीतिशाल की सम्पत्ति, साहू माप 25 फीट। सम्पत्ति स्वामी श्री दिनेश कुमार गुर्ग पुर श्री काली राम गुर्ग निवासी: 61/13 लक्ष्मण विहार कांसध रोड मुक्तनगर-2000	₹ 93,80,042.40/- काज एवं अन्य खर्च इनक 01.06.2019 से 20.09.2019	₹ 39.6 लाख 25.02.2020 ₹ 0.40 लाख	26.02.2020 सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक	कोई ज्ञात नहीं
<b>नियम व शर्त<span> </span>:</b>								
1. किसी सुरक्षा नियम (प्रवर्तन) नियम 2002 और निम्नलिखित शर्तों में निश्चित नियमों और शर्तों के अधीन होगी।								
2. गौणिकों की सम्पत्तियों को जहाँ है, जैसा है, जोड़ के आधार पर बिक्री की जायेगी।								
3. अनुसूची में निर्दिष्ट सुविधा परिस्थितियों के विवरण को प्रधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी को लिए किया गया है, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी उस घोषणा में किसी बृद्धि, गलत ब्ययन या कुछ के लिए जवाबदेही नहीं होगी।								
4. किसी अधोहरताक्षरी द्वारा ई-नीलामी के माध्यम से निरूपण पर उपलब्ध ब्याजदर: www.msceccommerce.com, 14 दिनांक 26.02.2020 को प्रात 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक								
5. विस्तृत नियम व शर्तों की जानकारी के लिये आम वेब साइट www.ibpi.in, www.tenders.gov.in, www.msceccommerce.com, https://eprocure.gov.in/epubli/app पर ऑनलाइन कर सकते हैं या नियम व शर्तों की प्रतिनिधि हमारे कार्यालय से किसी भी कार्यदिपत्र पर प्राप्त कर सकते हैं।								
<b>सरफेसी एक्ट 2002 के नियम 8(6) के तहत सांविधिक निकी सूचना</b>								
दिनांक: 06.02.2020				स्थान - देहरादून	प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक			

पंजाब नैशनल बैंक		Punjab national bank	
...भरोसे का प्रतीक!		...the name you can BANK upon!	
पारिसम्पत्ति वसूली प्रबंध शाखा			
प्रथम तल, राजेन्द्र भवन, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 (फोन: 011-25854313) ई-मेल: bo4168@pnb.co.in			
सेवा में,		तिथि: 16.11.2019	
मै. आर.आर. ओवरसीज, बी-345, न्यू फ्रैंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली-110065			
श्री संदीप चौधरी, पुत्र श्री एस.पी. चौधरी, बी-345, न्यू फ्रैंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली-110065			
श्री संदीप चौधरी, पुत्र श्री एस.पी. चौधरी, सी-45, एम अरुन्धत आवलीनी रिट्रीट, सोहना रोड, गुडगाँव			
श्री संदीप चौधरी एवं श्रीमती मनीषा चौधरी, पार्टनर, मै. आर.आर. ओवरसीज, एच. नं. 2, सी-114, आवलीन कॉलोनी, बरौत, बागपत, उ.प्र. ऋणधारक/ गारन्टर/ नान-ग्रुप कॉर्पोरेट गारन्टर (रें)/ ग्रुप कॉर्पोरेट गारन्टर (रें) के लिये कारण बताओ सूचना			
प्रिय महोदय / विषय: बैंक में मै. आर.आर. ओवरसीज की ऋण खाता में "विलफुल" के रूप में डिफॉल्ट की पहचान-तदनुसार "विलफुल डिफॉल्टर्स" के रूप में आपके नाम का उद्घाटन तथा प्रकाशन कृपया, हमारी सूचना तिथि 01.12.2015 देखें जिसके माध्यम से हमने ऋण खाता में विलफुल डिफॉल्ट की घटना (ओं) का उल्लेख किया था। आप ने विलफुल डिफॉल्ट की घटना (ओं) पर कोई प्रतिनिधित्व नहीं किया था। हमारी ओर से उसकी समीक्षा की गई, लेकिन आपका स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं मिला। मामले के तथ्यों को विलफुल डिफॉल्टर्स पर समिति के समक्ष रखा गया जिसने मामले के तथ्यों, अभिलेख पर साक्ष्य तथा आपके द्वारा की गई प्रतिनिधित्व के अध्ययन के उपरान्त यह पाया है कि आपके द्वारा इस मामले में जानबूझकर डिफॉल्ट की गई है। तदनुसार, बैंक द्वारा स्थापित "विलफुल डिफॉल्टर्स पर समिति" ने अन्य बातों के अलावे निम्न कारणों से आप (ऋणधारक) एवं निदेशकों/ पार्टनरों/ आदि को "विलफुल डिफॉल्टर" के रूप में वर्गीकृत करने के लिये विलफुल के रूप में डिफॉल्ट की पहचान की है:-			
1. भुगतान की क्षमता है, लेकिन भुगतान नहीं कर रहे हैं। यदि "विलफुल डिफॉल्टर्स पर समिति" के निष्कर्ष से आप स्वयं को आहत महसूस कर रहे हों तो यदि आप चाहें, "विलफुल डिफॉल्टर्स पर समिति" के पास आपना स्पष्टीकरण/प्रतिनिधित्व प्रस्तुत कर सकते हैं तथा यह कारण बता सकते हैं कि क्यों न आपको "विलफुल डिफॉल्टर" के रूप में वर्गीकृत किया जाय। आपका स्पष्टीकरण/प्रतिनिधित्व इसकी प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर उपरोक्त शाखा के डाक के पते पर शाखा प्रबंधक के पास पहुंच जाना चाहिये अथवा उसे डाक के पते अर्थात् उप महा प्रबंधक, एसएसटीआरए प्रभाग, 3रा तल, पंजाब नेशनल बैंक, प्रधान कार्यालय, प्लॉट नं. 4, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली-110075 के पास भेजा जा सकता है। यदि हमें आपका स्पष्टीकरण/प्रतिनिधित्व प्राप्त नहीं होता है तो यह माना जायेगा कि आपको अपनी प्रतिक्रिया में ("विलफुल डिफॉल्टर्स" पर समिति के निष्कर्ष के विरुद्ध) कुछ नहीं कहना है तथा बैंक जो भी उपयुक्त समझे अपनी सम्प्रभु स्वच्छा से उस प्रक्रिया तथा उस माध्यम से भा.रि.वै./ सीआईडीआईएल/ अन्य साख सूचना कम्पनियों के लिये आपकी कम्पनी/ फर्म/ युनिट तथा आपके निदेशक/कों/ पार्टनर/रें/ प्राॅप्राइटर का नाम "विलफुल डिफॉल्टर्स" के रूप में प्रकाशित करेगा।			
आपका विश्वासभाजन कृते, पंजाब नेशनल बैंक, मुख्य प्रबंधक			

पंजाब नैशनल बैंक		Punjab national bank	
...भरोसे का प्रतीक!		...the name you can BANK upon!	
एसएसटीआरए प्रभाग, कॉर्पोरेट कार्यालय: सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली-110075			
टेलेफोन: 011-28044555, ईमेल: horecovery@pnb.co.in, vp_singh@pnb.co.in			
संदर्भ: एसडी/डब्ल्यूडी/50/ डीईएल, सीडीईएल/वीपीएस.एमके		परिशिष्ट III	
ऋणधारक/ गारन्टर/ नान-ग्रुप कॉर्पोरेट गारन्टर (रें)/ ग्रुप कॉर्पोरेट गारन्टर (रें) के लिये कारण बताओ सूचना सेवा में,			
मै. एस आय फेशन (इंडिया) प्रा.लि., सी-7/160-161, सेक्टर-7, रोहिणी, दिल्ली-110085			
श्री राजेन्द्र प्रसाद तायल, पुत्र श्री सुख भान तायल, भूतल, सी-7/160-161, ब्लॉक-सी, पॉकेट-7, रोहिणी, दिल्ली-110085			
श्री संजय तायल, पुत्र श्री राजेन्द्र प्रसाद तायल, भूतल, सी-7/160-161, ब्लॉक-सी, पॉकेट-7, रोहिणी, दिल्ली-110085			
श्री अन्य तायल, पुत्र श्री राजेन्द्र प्रसाद तायल, भूतल, सी-7/160-161, ब्लॉक-सी, पॉकेट-7, रोहिणी, दिल्ली-110085			
श्रीमती शकुन्तला शुनवतुवाल, पत्नी श्री मधु सुनवतुवाल, सी-2/24, राजस्थली अपार्टमेंट्स, पीएमपुरा, दिल्ली-110034			
श्रीमती मीरा अगरवाल, पत्नी श्री प्रदीप अगरवाल, 1291-सी, ब्लॉक-जे, पालम विहार, गुडगाँव			
श्रीमती मृदुल अगरवाल, पत्नी श्री राकेश अगरवाल, 1291-सी, ब्लॉक-जे, पालम विहार, गुडगाँव			
ऋणधारक/ गारन्टर/ नान-ग्रुप कॉर्पोरेट गारन्टर (रें)/ ग्रुप कॉर्पोरेट गारन्टर (रें) के लिये कारण बताओ सूचना प्रिय महोदय / विषय: बैंक में मै. एस आय फेशन (इंडिया) प्रा.लि. की ऋण खाता में "विलफुल" के रूप में डिफॉल्ट की पहचान-तदनुसार "विलफुल डिफॉल्टर्स" के रूप में आपके नाम का उद्घाटन तथा प्रकाशन कृपया, हमारी सूचना तिथि 2.2.2015 देखें जिसके माध्यम से हमने ऋण खाता में विलफुल डिफॉल्ट की घटना (ओं) का उल्लेख किया था। आप ने पत्र तिथि मिल के माध्यम से विलफुल डिफॉल्ट की घटना (ओं) पर प्रतिनिधित्व किया था। हमारी ओर से उसकी समीक्षा की गई, लेकिन आपका स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं मिला। मामले के तथ्यों को विलफुल डिफॉल्टर्स पर समिति के समक्ष रखा गया जिसने मामले के तथ्यों, अभिलेख पर साक्ष्य तथा आपके द्वारा की गई प्रतिनिधित्व के अध्ययन के उपरान्त यह पाया है कि आपके द्वारा इस मामले में जानबूझकर डिफॉल्ट की गई है। तदनुसार, बैंक द्वारा स्थापित "विलफुल डिफॉल्टर्स पर समिति" ने अन्य बातों के अलावे निम्न कारणों से आप (ऋणधारक) एवं निदेशकों/ पार्टनरों/ आदि को "विलफुल डिफॉल्टर" के रूप में वर्गीकृत करने के लिये विलफुल के रूप में डिफॉल्ट की पहचान की है:-			
- <b>निधियों का साफल्यम</b>			
यदि "विलफुल डिफॉल्टर्स पर समिति" के निष्कर्ष से आप स्वयं को आहत महसूस कर रहे हों तो यदि आप चाहें, "विलफुल डिफॉल्टर्स पर समिति" के पास आपना स्पष्टीकरण/ प्रतिनिधित्व प्रस्तुत कर सकते हैं तथा यह कारण बता सकते हैं कि क्यों न आपको "विलफुल डिफॉल्टर" के रूप में वर्गीकृत किया जाय। आपका स्पष्टीकरण/प्रतिनिधित्व इसकी प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर उपरोक्त शाखा के डाक के पते पर शाखा प्रबंधक के पास पहुंच जाना चाहिये अथवा उसे डाक के पते अर्थात् उप महा प्रबंधक, एसएसटीआरए प्रभाग, 3रा तल, पंजाब नेशनल बैंक, प्रधान कार्यालय, प्लॉट नं. 4, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली-110075 के पास भेजा जा सकता है। यदि हमें आपका स्पष्टीकरण/प्रतिनिधित्व प्राप्त नहीं होता है तो यह माना जायेगा कि आपको अपनी प्रतिक्रिया में "विलफुल डिफॉल्टर्स" पर समिति के निष्कर्ष के विरुद्ध) कुछ नहीं कहना है तथा बैंक जो भी उपयुक्त समझे अपनी सम्प्रभु स्वच्छा से उस प्रक्रिया तथा उस माध्यम से भा.रि.वै./ सीआईडीआईएल/ अन्य साख सूचना कम्पनियों के लिये आपकी कम्पनी/ फर्म/ युनिट तथा आपके निदेशक/कों/ पार्टनर/रें/ प्राॅप्राइटर का नाम "विलफुल डिफॉल्टर्स" के रूप में प्रकाशित करेगा।			
आपका विश्वासभाजन कृते, पंजाब नेशनल बैंक, मुख्य प्रबंधक			

# रिजर्व बैंक के अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन देने के उपायों का स्वागत

नई दिल्ली, 6 फरवरी (भाषा)।

अर्थशास्त्रियों और वित्तीय क्षेत्र के विशेषज्ञों ने रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर के मोचों पर यथास्थिति कायम रखने और आर्थिक वृद्धि को प्रोत्साहन के अन्य उपायों और प्रभावी तरीके से धन का प्रवाह सुनिश्चित करने के कदमों का स्वागत किया है।

रिजर्व बैंक ने गुरुवार को अपनी द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा में रेपो दर को 5.15 फीसद पर कायम रखा है। इससे पहले फरवरी से दिसंबर, 2019 के दौरान केंद्रीय बैंक ने रेपो दर में कुल मिलाकर 1.35 फीसद की कटौती की थी। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास की अगुआई वाली छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति ने सर्वसम्मति से रेपो दर में बदलाव नहीं करने का फैसला किया। बैंक आफ इंडिया के मुख्य कार्यकारी

अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक एके दास ने कहा कि रिजर्व बैंक की नीति काफी प्रगतिशील और आगे की सोच वाली है। "नीतिगत दरों में बदलाव नहीं किया गया है लेकिन मियादी रेपो से ब्याज दरों में बदलाव का लाभ उपभोक्ताओं को दिया जा सकेगा।' आरबीएल बैंक की अर्थशास्त्री रजनी ठाकुर ने कहा कि एमपीसी का निर्णय उम्मीद के अनुकूल है। ठाकुर ने कहा कि विकास और नियामकीय नीतियों में बदलाव एक सकारात्मक बदलाव है और इससे अर्थव्यवस्था के संकट वाले क्षेत्रों की मदद की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में राहत या बैंकों के लिए दीर्घावधि की टिकाऊ पूंजी से वित्तीय प्रणाली में कुल ऋण बढ़ सकेगा। कोटक महिंद्रा बैंक की अर्थशास्त्री उपासना भारद्वाज ने कहा कि एमपीसी ने

## वीवीआइपी की उड़ानों पर एअर इंडिया का

822 करोड़ से

## अधिक बकाया

नई दिल्ली, 6 फरवरी (भाषा)।

नकदी संकट से जूझ रही विमानन कंपनी एअर इंडिया का अतिविशिष्ट लोगों की उड़ानों को लेकर 822 करोड़ रुपए से अधिक की ऊपरी सीमा को पार कर जाएगा। श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस के प्रबंध निदेशक और सीईओ उमेश रेवाकर नीति के आकर्षित करने वाले पहलू औद्योगिक उत्पादन, विनिर्माण सूचकांक (पीएमआई) और सेवा इंडेक्स में मामूली सुधार हैं। उन्होंने कहा कि इन आंकड़ों से गतिविधियां बढ़ने का संकेत मिलता है।

# सूचकांक 163 अंक मजबूत

मुंबई, 6 फरवरी (भाषा)।

शेयर बाजारों में तेजी का सिलसिला कारोबार के चौथे दिन भी बना रहा और बंबई शेयर बाजार का सूचकांक गुरुवार को 163 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। आरबीआई के प्रमुख नीतिगत दर को यथावत रखने लेकिन वृद्धि को गति देने के लिए नरम रख बनाए रखने के बाद बाजार में यह तेजी आई। तीस शेयर्स वाला बीएसई सूचकांक 163.37 अंक यानी 0.40 फीसद बढ़कर 41,306.03 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निष्पटी 48.80 अंक यानी 0.40 फीसद बढ़कर 12,137.95 अंक पर बंद हुआ।

छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने 2019-20 की अपनी छठी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में आम सहमित से नीतिगत दर यानी रेपो को 5.15 फीसद बरकरार रखने का फैसला किया। इसके साथ नरम रुख भी कायम रखा है। केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष में जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर अनुमान को भी 5 फीसद पर बरकरार रखा है। वहीं अगले

# कृष्णापुरम के प्याज निर्यात की सशर्त अनुमति मिली

नई दिल्ली, 6 फरवरी (भाषा)।

सरकार ने कृष्णापुरम प्याज का कुछ शतों के साथ निर्यात करने की अनुमति दी है। यह आंध्र प्रदेश के कृष्णापुरम इलाकेकी खास किस्म की प्याज है। सरकार ने केवल 18 अंत तक की

अवधि में इस किस्म की 10 हजार टन प्याज के निर्यात की अनुमति दी है। विदेश ट्रेडिंग एंड एग्रीकल्चर महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कहा कि प्याज के निर्यात की अनुमति सिर्फ चेन्नई बंदरगाह के जरिए होगी। डीजीएफटी ने ए क अधिसूचना में कहा- दरस हजार टन तक कृष्णापुरम प्याज के निर्यात की अनुमति दी गई है। यह निर्यात

31 मार्च, 2020 तक किया जाना है। यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। छोटे आकार और तीखेपन को वजह से कृष्णापुरम प्याज की थाईलैंड, हांगकांग, मलेशिया, श्रीलंका और सिंगापुर में अच्छी मांग है।

अनुसूची-1	अनुसूची-2
प्रमुख ए	प्रमुख ए
सार्वजनिक घोषणा	सार्वजनिक घोषणा
(भारतीय विद्याला और ऋण स्रोत अधिनियम कोड (संशोधित) अधिनियम प्रक्रिया) अधिनियम, 2017 के अधिनियम 14 के अधीन)	(भारतीय विद्याला और ऋण स्रोत अधिनियम कोड (संशोधित) अधिनियम प्रक्रिया) अधिनियम, 2017 के अधिनियम 14 के अधीन)
बफेलोग्रिड प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के हिताधारकों के ध्यानार्थ	बफेलोग्रिड प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड
1. कर्पोरेट खाता का नाम	बफेलोग्रिड प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड
2. कर्पोरेट खाता के नियमों की तिथि	20/11/2015
3. प्राधिकरण जिसके अधीन कारोरेट खाते निर्मित / पंजीकृत हैं।	रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज-दिल्ली
4. कर्पोरेट खाता संख्या / सीमित देयता बचत खाता/सीपीएल खाता की संख्या	U74990DL2014FT3034020
5. कर्पोरेट खाता के रजिस्ट्रार/क्याबलर ऑफ प्रमाण प्रमाणपत्र (यदि कोई हो तो) का ज्ञा।	खाता नंबर 01-4 दूधरी रोड/एल नंबर 4, अंबाला सिटी, गाजियाबाद, नई दिल्ली - 110025
6. कर्पोरेट खाता का परिचयानुसार होने की तिथि	03/02/2020
7. परिचयपत्र का नाम, पता, ई-मेल पता, दूरभाष संख्या तथा पंजीकरण संख्या	सतिश्वर कपूर पता: सुदूर नगर 10, 1 तिहाड़ रोड, अमरपुर एक्सटेंशन, नई दिल्ली - 110014 ईमेल: sashishwar.kapoor@gmail.com मोबाईल: 9810753200 पंजीकरण सं. - IBS/HPA-002/HP-N00302/2017-18/10880
8. द्वारा जमा किये गये अंतिम तिथि	04/03/2020
प्रकाश सूचना की जाती है कि <b>बफेलोग्रिड प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड</b> के हिताधारकों को सूचनाएं संद 7 के सम्पूर्ण अधिनियमों तथा परिचयपत्र के प्रां 04 मार्च 2020 को या द्वारा से अपने ज्ञानों के प्रमाण जमा करने के लिए कहा जाता है। निम्नलिखित संकेत इलेक्ट्रॉनिक फार्मों से ही जमा करने के लिए कहा करेगा। (अन्य सभी) प्रकाश अपने धारकों के प्रमाण अधिसूचना संद में, अत्र द्वारा क इलेक्ट्रॉनिक फार्मों द्वारा जमा करने सकते हैं।	हस्ता /- दिनांक 06.02.2020 पंजीकरण सं. - IBS/HPA-002/HP-N00302/2017-18/10860
धर्म के धर्माधिकार प्राप्त की प्रस्तुति देवनी होगी।	

पंजाब नैशनल बैंक		Punjab national bank	
...भरोसे का प्रतीक!		...the name you can BANK upon!	
पारिसम्पत्ति वसूली प्रबंध शाखा			
प्रथम तल, राजेन्द्र भवन, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 (फोन: 011			







## खबर कोना



नासा की अंतरिक्ष यात्री क्रिस्टीना कोच अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर 11 महीने बिताने के बाद सुरक्षित पृथ्वी पर लौटीं।

## अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी पर लौटी

अलमाती (कजाखिस्तान), 6 फरवरी (एएफपी)।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की अंतरिक्ष यात्री क्रिस्टीना कोच अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आइएसएस) पर लगभग 11 महीने बिताने के बाद गुरुवार को सुरक्षित पृथ्वी पर लौट आईं। अंतरिक्ष में उनका यह मिशन किसी महिला का अब तक का सबसे लंबा मिशन है। कोच अंतरराष्ट्रीय समयानुसार सुबह नौ बज कर 12 मिनट पर पृथ्वी पर लौटीं। उन्होंने अंतरिक्ष में 328 दिन गुजारे। उनके साथ यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के लुका परमितानो और रूसी अंतरिक्षक एजेंसी के अलेक्जेंडर स्कोवोर्त्सोव भी थे। अंतरिक्ष एजेंसी 'रोस्कोसमोस' द्वारा लैंडिंग स्थल के बनाए गए वीडियो में कोच मॉड्यूल से निकलते समय मुस्कुराते दिख रही हैं। कोच पिछले वर्ष 14 मार्च को पृथ्वी से रवाना हुई थीं। उन्होंने कहा, 'मैं अभी बहुत अभिभूत और खुश हूँ। मिशिन में जन्मी और पेशे से इंजीनियर कोच 41 वर्ष की हैं।

## राजपक्षे आज भारत में कई मुद्दों पर होगी वार्ता

कोलंबो, 6 फरवरी (भाषा)।

श्रीलंका के प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे चार दिवसीय राजकीय यात्रा पर शुक्रवार को भारत जाएंगे और इस दौरान वह व्यापार, रक्षा एवं समुद्री सुरक्षा सहयोग समेत कई अहम मुद्दों पर बातचीत करेंगे। राजपक्षे के कार्यालय ने यहां गुरुवार को यह घोषणा की।

महिंदा राजपक्षे के छोटे भाई गोटबाया राजपक्षे के नवंबर में राष्ट्रपति चुने जाने के बाद से यह उनकी पहली विदेश यात्रा होगी। महिंदा राजपक्षे की यात्रा सात फरवरी से शुरू होगी।

श्रीलंकाई प्रधानमंत्री इस दौरान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करेंगे। महिंदा के कार्यालय ने एक बयान में कहा, 'तय

## 'खतना' से हर साल 1.4 अरब डॉलर का बोझ : डब्लूएचओ

संयुक्त राष्ट्र, 6 फरवरी (भाषा)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक 'फीमेल जेनिटल म्यूटिलेशन' या जननांगों का खतना (एफजीएम) के चलते महिलाओं और बच्चियों की सेहत पर गंभीर खतरा पैदा होता है। इससे सेहत पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के इलाज के लिए दुनिया भर में हर साल 1.4 अरब अमेरिकी डॉलर का बोझ पड़ता है। अनुमान के मुताबिक हर साल 20 करोड़ से अधिक महिलाओं और बच्चियों को सांस्कृतिक और गैर-चिकित्सकीय कारणों से खतने का सामना करना पड़ता है।

आमतौर पर ऐसा जन्म से 15 वर्ष के बीच किया जाता है। इसका उनके स्वास्थ्य पर गहरा असर होता है, जिसमें संक्रमण, रक्तस्राव या सदमा शामिल है। इससे ऐसी असाध्य बीमारी हो सकती है, जिसका बोझ जिंदगी भर उठाना पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने गुरुवार को मनाए गए 'जननांगों का खतना के प्रति पूर्ण असहिष्णुता दिवस' के अवसर पर जारी आंकड़ों के अनुसार दुनिया भर में हर साल एफजीएम से सेहत पर होने वाले दुष्प्रभावों के इलाज की कुल लागत 1.4 अरब डॉलर होती है। आंकड़ों के अनुसार कई देश अपने कुल स्वास्थ्य व्यय का करीब 10 फीसद हर साल एफजीएम के इलाज पर खर्च करते हैं। कुछ देशों में तो ये आंकड़ा 30 फीसद तक है।

डब्ल्यूएचओ के यौन व प्रजनन स्वास्थ्य और अनुसंधान विभाग के निदेशक इयान आस्क्यू ने कहा, 'एफजीएम न सिर्फ मानवाधिकारों का भयानक दुरुपयोग है, बल्कि इससे लाखों लड़कियों और महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को उल्लेखनीय नुकसान पहुंच रहा है। इससे देशों के कीमती आर्थिक संसाधन भी नष्ट हो रहे हैं।' उन्होंने कहा कि एफजीएम को रोकने और इसके होने वाली तकलीफ को खत्म करने के लिए अधिक प्रयास करने की जरूरत है।

## श्रीलंकाई पीएम इस दौरान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर से मुलाकात करेंगे।

बैठकें दोनों देशों के बीच पहले से मौजूद संबंधों को आगे बढ़ाएंगी।' बयान में कहा गया है कि महिंदा को 45 करोड़ डॉलर की उस ऋण सुविधा के क्रियान्वयन को अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है जिसका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवंबर में दिल्ली में गोटबाया की यात्रा के

## श्रीलंकाई प्रधानमंत्री की चार दिवसीय भारत यात्रा

दौरान वादा किया था। बयान में कहा गया है, 'उप-क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के लक्ष्य के साथ दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच रक्षा एवं समुद्री सुरक्षा पहलों के तहत अहम मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। इन पहलों में श्रीलंका-भारत वार्षिक रक्षा वार्ता और भारत एवं मालदीव के साथ त्रिपक्षीय समुद्री सुरक्षा सहयोग शामिल है।' बयान में कहा गया है कि इस यात्रा के दौरान राजपक्षे वाराणसी, सारनाथ, बोधगया और तिरुपति के धार्मिक स्थलों पर भी जाने के इच्छुक हैं।

बयान में कहा गया है कि राजपक्षे सरकार में दो तमिल मंत्रियों डगलस देवानंदा और अरसुगम थोदमन को भी दस सप्ताह की प्रतिनिधिमंडल में शामिल किए जाने की संभावना है।

## अदालत से दाऊद के साथी जाबीर के प्रत्यर्पण को मंजूरी

लंदन, 6 फरवरी (भाषा)।

अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की डी कंपनी में 'नंबर दो' बताए जाने वाले पाकिस्तानी नागरिक जाबीर मोती को मादक पदार्थों की तस्करी और धनशोधन के आरोपों का सामना करने के लिए अमेरिका प्रत्यर्पित किया जाएगा। ब्रिटेन की एक अदालत ने गुरुवार को कहा कि उसके प्रत्यर्पण पर कोई रोक नहीं है।

के वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट के न्यायाधीश जॉन जैनी ने अपना फैसला दो हिस्सों में लिखा है। फैसले का एक हिस्सा सार्वजनिक किया जा सकता है जबकि दूसरे हिस्से को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता है, क्योंकि पिछले साल प्रत्यर्पण के मामले पर सुनवाई के दौरान अदालत को बंद कमरे में कुछ संवेदनशील सबूत सौंपे गए थे। न्यायाधीश ने कहा, 'मैं आपको सारी चुनौतियों को खारिज करता हूँ। मैंने उन्हें सावधानी से पढ़ा था, लेकिन मैंने प्रत्यर्पण पर फैसला लेने के लिए मामले को विदेश मंत्री को भेजने का फैसला किया है।'

ब्रिटेन की गृह मंत्री प्रीति पटेल को दो महीने के अंदर प्रत्यर्पण प्रक्रिया को पूरा करने के लिए अदालत के आदेश को मंजूरी देनी होगी। अमेरिका ने प्रत्यर्पण के अपने अनुरोध में कहा था कि मोति उर्फ मोतिवाला उर्फ जाबीर सिद्दीक



दाऊद के सहयोगी

पाकिस्तानी नागरिक

जाबीर मोती को मादक

पदार्थों की तस्करी और

धनशोधन के आरोपों का

सामना करने के लिए

अमेरिका प्रत्यर्पित किया

जाएगा।

दाऊद को सीधे रिपोर्ट करता है, जो पोषित आतंकवादी है और मुंबई में 1993 में हुए सिलसिलेवार बम विस्फोटों के लिए भारत में वांछित है।

इस बीच, मोती की कानूनी टीम ने संकेत दिया कि वे हाई कोर्ट में अपील के लिए इजाजत मांग सकते हैं, जो पटेल के प्रत्यर्पण आदेश पर हस्ताक्षर के बाद होगा। भारत-ब्रिटेन प्रत्यर्पण संधि के विपरीत, अमेरिका- ब्रिटेन की प्रत्यर्पण संधि में प्रत्यर्पण के लिए अपेक्षाकृत सरल कानूनी प्रक्रिया है। प्रत्यर्पण के लिए अनुरोध करने वाले देश को ब्रिटिश अदालतों के समक्ष अभियुक्तों के खिलाफ पहली नजर में मामला स्थापित करना की आवश्यकता नहीं है।

## तुर्की में विमान रनवे पर फिसला, तीन मरे

इस्तांबुल, 6 फरवरी (एएफपी)।

तुर्की के इस्तांबुल हवाईअड्डे में रनवे पर उतरते समय एक विमान फिसल गया, उसमें आग लग गई और वह तीन हिस्सों में टूट गया। इससे तीन लोगों की मौत हो गई और 179 लोग घायल हो गए।

तुर्की के टेलीविजन पर प्रसारित तस्वीरों में दिख रहा है कि कई लोग विमान के टूटे हुए हिस्से से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं।

तुर्की की पीगासस एअरलाइंस के उड़ान भरने वाले बोइंग 737 ने बुधवार को एपीन बंदरगाह शहर से इस्तांबुल के सबीहा गोकेन हवाईअड्डे के लिए बुधवार को उड़ान भरी थी।

## भारत विरोधी गतिविधियों को धन मुहैया कराने वाले पाकिस्तानी पर नजर

ह्यूस्टन, 6 फरवरी (भाषा)।

भारतीय अमेरिकी समुदाय ने उस खबर का स्वागत किया है जिसके मुताबिक अमेरिका में भारत विरोधी गतिविधियों को धन मुहैया कराने के आरोपी पाकिस्तानी इवेंट मैनेजर की गतिविधियों पर भारतीय एजेंसियां नजर रख रही हैं। भारतीय अमेरिकी समुदाय के लोगों ने कहा कि उन्होंने कई बार रेहान सिद्दीकी का मामला विदेश और गृह मंत्रालय के समक्ष उठाया जो अमेरिका में भारत विरोधी गतिविधियों के लिए धन जुटाने के वास्ते यहां बॉलीवुड हस्तियों का कार्यक्रम आयोजित करवाता है।

उन्होंने बताया कि शिकायत के बावजूद कोई कदम नहीं उठाए जाने से वे नाराज थे क्योंकि सिद्दीकी लगातार बॉलीवुड सितारों और गायकों के साथ कार्यक्रम की बुकिंग कर रहा था। समुदाय ने कहा कि चूंकि अब पाकिस्तानी नागरिक भारत सरकार की नजर में आ चुका है तो वे इससे राहत महसूस कर रहे हैं।

भारतीय समुदाय का आरोप है कि पाकिस्तानी नागरिक सिद्दीकी पिछले कई साल से कश्मीर विरोधी गतिविधि पर बड़ी राशि खर्च कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद-370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त किए जाने के बाद सिद्दीकी की गतिविधियां और बढ़ गईं। समुदाय के सदस्य नवन

*आधिकारिक सूत्रों* ने कहा, 'आप भारत विरोधी गतिविधि को लंबे समय तक नजरअंदाज नहीं कर सकते। इस प्रवृत्त (सिद्दीकी) के खिलाफ लंबे समय से जांच चल रही थी लेकिन नतीजे आने में समय लगता है।' खबरों के मुताबिक भारतीय एजेंसियां सिद्दीकी की गतिविधि पर नजर रख रही हैं जो अमेरिका में रीडियो स्टेशन का भी मालिक है।

डी कौर ने आरोप लगाया कि पिछले साल सितंबर में 'हॉउडी मोदी' कार्यक्रम के दौरान भारत विरोधी रैली आयोजित कराने में सिद्दीकी ने मदद की।

समुदाय के एक कार्यकर्ता राजीव वर्मा ने कहा कि सिद्दीकी बॉलीवुड का चहेता बन गया था क्योंकि ह्यूस्टन में भारतीय मीडिया और मनोरंजन पर उसका एकाधिकार था।

उन्होंने कहा, 'सिद्दीकी फिल्मी सितारों के नाम पर भारतीय समुदाय से पैसा लेता था और इस धन का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों में करता था। मीडिया में बुधवार को प्रकाशित खबर के मुताबिक बॉलीवुड स्टार सलमान खान ने ह्यूस्टन में होने वाले कार्यक्रम को रद्द कर दिया है जिसका आयोजन सिद्दीकी कर रहा था। 'अप क्लोज एंड पर्सनल विद बॉलीवुड सुपर स्टार सलमान खान' कार्यक्रम 10 अप्रैल को होना था। यहां के भारतीय समुदाय ने सलमान के फैसले का स्वागत किया है।

## मलाला पर हमले का जिम्मेदार पाक तालिबानी प्रवक्ता जेल से भागा

इस्लामाबाद, 6 फरवरी (भाषा)।

पाकिस्तान में 2012 में मलाला यूसुफजई पर हमले और 2014 में पेशावर में सैन्य स्कूल में जानलेवा हमले के लिए जिम्मेदार पाकिस्तान तालिबान का प्रवक्ता पूर्व एहसान-उल्ला-एहसान जेल से भाग गया है। एहसान ने खुद ऑडियो क्लिप जारी कर यह जानकारी दी।

सोशल मीडिया पर गुरुवार को साझा ऑडियो क्लिप में एहसान ने कहा कि वह 11 जनवरी को पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों की जेल से भाग गया है। उसने दावा किया पाकिस्तानी सेना 2017 में आत्मसमर्पण के दौरान उससे किए गए वादे निभाने में नाकाम रही।

क्लिप में वह ये कहता सुनाई दे रहा है, 'अल्लाह की मदद से, मैं एक जनवरी 2020 को सुरक्षा बलों की जेल से भागने में कामयाब रहा।' अगर यह क्लिप विश्वसनीय निकली तो यह तालिबान के खतमे के लिए अभियान चला रहे

*मलाला यूसुफजई और पेशावर में सैन्य स्कूल में हुए हमले के जिम्मेदार एहसान-उल्ला-एहसान ने खुद ऑडियो क्लिप जारी कर फरारी की जानकारी दी।*

पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका साबित होगा। एहसान ने अपना मौजूदा ठिकाना बताए बिना कहा कि वह आने वाले दिनों में जेल में बीते अपने दिनों और भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताएगा।

सबसे युवा नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला को 2012 में महिला शिक्षा के लिए अभियान के दौरान पाकिस्तान की स्वात घाटी में एक बंदूकधारी ने गोली मार दी थी। वहीं 16 दिसंबर 2014 को पेशावर के आर्मी स्कूल पर हुए हमले में 132 छात्रों समेत 149 लोगों की मौत हो गई थी। इस हमले में भी एहसान शामिल था।

## कर्नाटक में भाजपा को सत्ता में लाने वाले विधायकों को मंत्री पद

*मंत्रिमंडल* में शामिल किए गए दस नए मंत्री उन 16 कांग्रेस-जद (सेकु) विधायकों में शामिल हैं जिनके चलते एच डी कुमारस्वामी की गठबंधन सरकार गिर गई थी

इन अयोग्य करार दिए गए विधायकों में से 13 ने उपचुनाव लड़ा था और इनमें से 11 जीते थे

बंगलुरु, 6 फरवरी (भाषा)।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने उन 10 विधायकों को गुरुवार को मंत्री पद दिए जिन्होंने कांग्रेस-जद (सेकु) गठबंधन सरकार को हटाने और भाजपा की सत्ता में आने में मदद की थी। तब अयोग्य करार दिए गए कांग्रेस-जद (सेकु) के ये विधायक भाजपा में शामिल हो गए थे और उन्होंने दिसंबर में हुए उपचुनाव में जीत दर्ज की थी।

जिन 10 नए मंत्रियों को शामिल किया गया है उनमें एस टी सोमशेखर (यशवंतपुर निर्वाचन क्षेत्र), रमेश जारकीहोली (गोकक), आनंद सिंह (विजयनगर), के सुधाकर (चिकबल्लापुर), बी बासवराज (के आर पुरम), ए. शिवराज हेन्वार (येल्लपुर), बी सी पाटिल (हिरेकेर), के गोपालैया (महालक्ष्मी लेआउट), के सी नारायण

## ट्रस्ट में नाम नहीं होने का दुख नहीं : वेदांती

बहराइच, 6 फरवरी (भाषा)।

राम जन्मभूमि न्यास के उपाध्यक्ष राम विलास वेदांती ने कहा है कि राम जन्मभूमि ट्रस्ट के घोषित नामों में उनका नाम नहीं होने का उन्हें कोई दुख नहीं है बल्कि ट्रस्ट घोषित होने की खुशी है। वेदांती ने कहा कि सरकार चाहे तो मंदिर की नींव

गौडा (के आर पेट) और श्रीमंत बालासाहेब पाटिल (कगवाड) शामिल हैं।

येदियुरप्पा ने रविवार को घोषणा की थी कि गुरुवार को शपथ लेने वाले दस मंत्रियों समेत 13 विधायकों और भाजपा के तीन पुराने सदस्यों को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। जिन तीन को मंत्री पद मिलने की संभावना थी उनमें उमेश कट्टी, अरविंद लिंबावली और सी पी योगेश्वर शामिल थे।

भाजपा के एक वर्ग ने योगेश्वर को मंत्री बनाने का विरोध करते हुए कहा कि वह विधानसभा चुनाव हार गए थे और सदन के सदस्य भी नहीं हैं। बुधवार की देर रात को येदियुरप्पा ने कहा कि पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशों के बाद भाजपा के पुराने सदस्यों को मंत्रिमंडल में शामिल करने पर रोक लगा दी गई है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि भाजपा के किसी भी नेता को मंत्रिमंडल विस्तार में शामिल न करने का फैसला तब लिया गया जब मंत्री बनने की इच्छा जता चुके कई नेताओं ने साथ छोड़ने की धमकी दी। मंत्रिमंडल में शामिल किए गए दस नए मंत्री उन 16 कांग्रेस-जद (सेकु) विधायकों में शामिल हैं जिनके चलते एच डी कुमारस्वामी की गठबंधन सरकार गिर गई थी। इन अयोग्य करार दिए गए विधायकों में से 13 ने दिसंबर में हुआ उपचुनाव लड़ा था और इनमें से 11 जीते थे।

एक विधायक महेश कुमारतली को मंत्रिमंडल विस्तार से बाहर रखा गया है जिन्हें मुख्यमंत्री ने कुछ और बड़ी जिम्मेदारी देने का वादा किया है।

के अंदर मेरे शरीर-मेरी लाश को लगा दे, लेकिन भव्य राम मंदिर का निर्माण होना चाहिए। वेदांती ने कहा कि हमें के. पारासरन को ट्रस्ट का अध्यक्ष बनाए जाने एवं जगद्गुरु स्काराचार्य स्वामी वासुदेवानंद जी, स्वामी परमानंद जी महाराज को ट्रस्ट में शामिल किए जाने की खुशी है।

## भारत 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था : राजनाथ

जनसत्ता ब्यूरो नई दिल्ली, 6 फरवरी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 2030 तक भारत के दुनिया की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने का विश्वास व्यक्त करते हुए गुरुवार को कहा कि देश को पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में उत्तर प्रदेश का अहम योगदान होगा। सिंह ने लखनऊ में आयोजित 'डिफेंस एक्सपो-2020' में 'उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कारिडोर' विषयक सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि 2030 तक भारत

दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा। इसमें उत्तर प्रदेश का प्रमुख योगदान होगा।

सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2024 तक भारत को 5,000 अरब डालर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य तय किया है। कुछ अर्थशास्त्री इस पर चिंता जताते हुए कहते हैं कि दुनिया में मंदी है, ऐसे में भारत इस लक्ष्य को कैसे हासिल करेगा। मगर इसके बावजूद सबसे तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्था भारत की ही है। कुछ तिमिहियों के लिए कुछ कमी ही जाती है तो मैं समझता हूँ कि वह कोई बहुत बड़ी चिंता का विषय नहीं है।



फाइल फोटो

## श्रद्धालुओं का प्रवेश अनिश्चित काल के लिए रोका

## कोरोना असर

चीन से लौटे दो छात्रों को निगरानी में रखा

## कोरोना वायरस की दहशत से मंदिर पर लगा ताला

बहराइच/श्रावस्ती (उप्र), 6 फरवरी (भाषा)।

चीन में फैले कोरोना वायरस के संक्रमण का भय देश में तेजी से परसता जा रहा है। वायरस से बचाव की सावधानियां बरती जा रही हैं। इसका असर पर्यटन कारोबार पर भी हो रहा है। बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटकों की मौजूदगी वाले बौद्ध तीर्थ श्रावस्ती में कोरोना वायरस संक्रमण की दहशत से डेन महामांकोल मंदिर पर ताला लगा दिया गया है।

मंदिर प्रशासन ने मुख्य द्वार पर नोटिस बोर्ड लगाते हुए गेट पर ताला लगाकर देशी- विदेशी पर्यटकों का प्रवेश अनिश्चित काल के लिए रोक दिया है। नोटिस बोर्ड पर लिखा है कि कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुए मंदिर को अनिश्चित समय के लिए बंद कर दिया गया है। हालात में सुधार के बाद मंदिर को फिर खोल दिया जाएगा।



फाइल फोटो

उपजिलाधिकारी राजेश मिश्र ने बताया, 'बौद्ध स्थली श्रावस्ती में डेन महामांकोल एक विदेशी संस्था द्वारा बनवाया हुआ मंदिर है। एहतियातन उन्होंने मंदिर को बंद किया है क्योंकि आने वाली बहुत बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक आते हैं।' जिले में अभी कोरोना वायरस का एक भी मामला सामने नहीं आया

है, फिर भी एहतियातन मंदिर को बंद किया गया है।

उधर, बहराइच में नेपाल के रास्ते चीन से लौटे एनबीवीएस छात्रों को होम आइसोलेशन में रखने के निर्देश जिला प्रशासन ने दिए हैं। हाल ही में चीन से लौटे दो छात्रों को उनके घर में ही रहने को कहा गया है। स्वास्थ्य महकमे

के लोग 12-12 घंटे पर दोनों छात्रों का परीक्षण करके उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट दे रहे हैं।

कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए मठ मंदिरों और होटलों की निगरानी भी की जा रही है और एहतियात के तौर पर लोगों को मास्क लगाने की भी सलाह दी जा रही है। पर्यटन कारोबारियों के मुताबिक इन दिनों यहां विदेशी पर्यटकों की मौजूदगी सबसे अधिक होती है, लेकिन इस बार उनकी संख्या घटकर आधे से भी कम रह गई है।

श्रावस्ती में बारिश के मौसम के बाद हर साल चीन, जापान, थाईलैंड, श्रीलंका, कोरिया, म्यांमार् सहित कई देशों के करीब दो लाख से अधिक बौद्ध भिक्षु व धर्मावलंबी आते हैं। सर्दियों में अनेक मंदिरों में विशेष ध्यान सत्र चलाए जाते हैं। मंदिरों में बौद्ध भिक्षु और विदेशी धर्मावलंबी मौन व्रत रखकर विशेष पूजा करते हैं।

CIN NO. L74899DL1990PLC041790



Banega...  
toh farq dikhega.  
Perfectly Selected. Perfectly Aged.



## UNAUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE PERIOD ENDED DECEMBER 31, 2019

(Amount in ₹ Lakhs except per share data)

Extract of Consolidated Unaudited Financial Results for the Quarter and Nine months ended on December 31, 2019							
SI No.	Particulars	Quarter ended			Nine months ended		Year ended
		December 31, 2019 (Unaudited)	September 31, 2019 (Unaudited)	December 31, 2018 (Unaudited)	December 31, 2019 (Unaudited)	December 31, 2018 (Unaudited)	March 31, 2019 (Audited)
1	Total Income from Operations	99,760.29	98,435.31	111,679.85	296,727.55	289,696.72	391,453.33
2	Net Profit for the period (before tax, Exceptional and/or Extraordinary items#)	6,748.84	6,351.18	6,582.33	19,969.13	18,123.15	21,363.91
3	Net Profit for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary items#)*	6,748.84	5,959.71	6,582.33	19,577.66	18,123.15	21,363.91
4	Net Profit for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items#)	4,818.58	4,734.72	3,822.98	14,096.00	11,562.88	13,746.54
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	5,127.23	4,426.57	5,307.57	13,749.99	13,773.70	16,666.18
6	Equity Share Capital	3,198.45	3,198.45	3,198.45	3,198.45	3,198.45	3,198.45
7	Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the Audited Balance Sheet of the previous year	-	-	-	-	-	129,713.74
8	Earnings Per Share (₹1 each) (for continuing and discontinued operations)						
	1. Basic	1.42	1.33	1.09	4.08	3.34	3.96
	2. Diluted	1.42	1.33	1.09	4.08	3.34	3.96

#Exceptional and/or Extraordinary items adjusted in the Statement of Profit &amp; Loss in accordance with Ind-AS Rules/AS Rules, whichever is applicable.

\*Before share of profit / (loss) of associates and joint ventures accounted for using equity method

Brief of Standalone unaudited Financial Results of the Quarter and Nine months ended on December 31, 2019							
SI No.	Particulars	Quarter ended			Nine months ended		Year ended
		December 31, 2019 (Unaudited)	September 31, 2019 (Unaudited)	December 31, 2018 (Unaudited)	December 31, 2019 (Unaudited)	December 31, 2018 (Unaudited)	March 31, 2019 (Audited)
1	Total Income from Operations	57,888.73	61,034.43	61,352.59	179,372.96	163,135.36	221,009.09
2	Profit Before Tax	3,274.14	2,822.05	2,477.71	9,252.02	6,817.19	8,322.17
3	Profit After Tax	2,400.02	2,456.73	1,563.20	6,958.87	4,493.61	5,448.54

## Notes:

- In accordance with Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations 2015, the Company has opted to publish unaudited consolidated financial results. The standalone financial results of the Company, will however, be available on the website of BSE (www.bseindia.com) or/and NSE (www.nseindia.com) and on company's website (www.ltgroup.in).
- The Company is primarily engaged in the business of manufacturing, trading and marketing of rice which is a single primary reportable segment as per Indian accounting standard (IndAS) 108 "Operating Segment" which is in line with review of operating result by chief operating decision maker.
- Note reproduced from the unaudited standalone financial results of Daawat Foods Limited (a subsidiary of the company) for the period ended December 31, 2019. On June 7, 2014, a major fire occurred in the Bhopal Plant resulting in loss of stock of raw material (including Paddy, Unprocessed rice, Bardana, Consumables and other items) having a book value of ₹17,991.40 Lakhs. The company has filed an insurance claim with the insurance company amounting to ₹ 18,971.02 Lakhs and had recognised an insurance claim to the extent of net book value ₹17,810.53 Lakhs in the books of accounts. The insurance company repudiated the insurance claim vide its order dated February 04, 2016. On the basis of claim assessment reports issued by the surveyors to the insurance company and obtained by the management of company under RTI, as a matter of prudence, a loss of ₹4,400 Lakhs had been recorded during the year ended March 31, 2016. The company has filed a civil suit against the repudiation of insurance claim and on the basis of legal opinion and other available information, the management expects to recover the said claim. The auditors of the Company have invited attention to the aforementioned issue as an emphasis of matter paragraph in the review report for the nine months period ended December 31, 2019.
- The Company has adopted Ind AS 116 'Leases', effective April 01, 2019, as notified by Ministry of Corporate Affairs ('MCA') in the Companies (Indian Accounting Standard) Amendment Rules, 2019 using modified retrospective approach. The adoption of this standard did not have any material impact on the profit for the period ended December 31, 2019.
- The above financial results were reviewed by the Audit Committee and approved by the Board of Directors on February 06, 2020 and review of the same has been carried out by the statutory auditors of the Company.
- Foreign Brokerage Firm, M/s FoodTech Solutions, engaged by one of the subsidiary company, Nature Bio Foods Limited (NBFL) had made claim on account of commission on export sales, which were disputed and not accepted by NBFL. Subsequently, the said brokerage firm has invoked the arbitration clause and initiated legal proceedings in International Arbitration Court for recovery of the claim. Based on the legal advice from the external legal counsel, NBFL had created a provision amounting to ₹ 31.08 Lakhs in the books of accounts. During the quarter ended September 30, 2019, the International Arbitration Court, Singapore has awarded a claim amounting to ₹422.54 Lakhs against NBFL vide its order dated September 26, 2019 and accordingly, the differential amount of ₹391.47 Lakhs has been shown as an exceptional item in the consolidated results for the period ended December 31, 2019.
- The Company has exercised the option permitted under Section 115BAA of the Income-tax Act, 1961 ("Act") as introduced by the Taxation Laws (Amendment) Ordinance, 2019 which has resulted in lower tax rate of 25.17% as compared to 34.94% on the taxable profits, computed without any exemption/incentives under the different provisions of the Act. Consequent to such change, the accumulated deferred tax liabilities (net) has been remeasured, which has resulted in a one time additional credit of ₹104.17 Lakhs and ₹154.11 Lakhs recognised in the Statement of Profit and loss for the period ended December 31, 2019 in consolidated and standalone results respectively.
- Previous period's figures have been regrouped / reclassified wherever necessary to correspond with the current period's classification / disclosure.



LT Foods



A Leading Rice Based Food Company

For and on the behalf of the Board of Directors

Ashwani Kumar Arora

Managing Director

DIN No. 01574773

Place: Gurugram

Date: February 06, 2020

CORPORATE OFFICE: LT Foods Ltd., 4th Floor, MVL i-Park, Sector 15, Gurugram-122001, Haryana. Ph: 0124-3055100 Fax: 0124-3055199

REGD. OFFICE: Unit No. 134, 1st Floor, Rectangle-1, Saket District Centre, New Delhi-110017 Ph: 011-29565344 Fax: 011-29563099 Email id: ir@ltgroup.in Web: www.ltgroup.in

# रणजी ट्रॉफी : त्रिपुरा को हराकर शीर्ष पर जम्मू-कश्मीर

अमरतला, 6 फरवरी (भाषा)।

कप्तान परवेज रसूल के मैच में 12 विकेट के दम पर जम्मू-कश्मीर ने गुरुवार को रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी मैच के तीसरे दिन त्रिपुरा को 329 रन से हराया। इस जीत के साथ जम्मू-कश्मीर की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है।

टीम के आठ मैचों में 39 अंक हो गए हैं और वह ग्रुप से नॉकआउट में जगह बनाने की प्रवृत्त दावेदार हैं।

ग्रुप में ओडीशा के पहली पारी में 293 रन के जवाब में महाराष्ट्र ने कप्तान अंकित बवाने (नाबाद 204) के दोहरे शतक के अलावा ऋतुराज गायकवाड़ (129) और एनएस शेख (100) के शतक से पांच विकेट पर 543 रन बनाने के बाद पारी घोषित की। पहली पारी में 250 रन से पिछड़ने के बाद ओडीशा ने दूसरी पारी में बिना विकेट खोए 24 रन बनाए। शान्तनु मिश्रा 14 जबकि अनुराग सारंगी 10 रन बनाकर खेल रहे हैं।

ग्रुप सी के एक अन्य मैच में जमशेदपुर में छत्तीसगढ़ के 559 रन के जवाब में झारखंड की टीम पहली पारी में 242 रन पर सिमट गई जिससे उसे फालोआन के लिए मजबूर होना पड़ा। झारखंड ने दूसरी पारी में



अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ मुकाबले में शॉट लगाते बिहार के आशुतोष अमन।

बिना विकेट खोए 51 रन बनाकर सतर्क शुरुआत की। अर्नव सिन्हा 31 जबकि कुमार देवव्रत 15 रन बनाकर खेल रहे हैं। गोवा ने

नगालैंड को रौंदा : गोवा ने हरफनमौला प्रदर्शन के बूते प्लेटे ग्रुप मुकाबले में नगालैंड को तीन दिन के अंदर 229 रन से रौंदकर तालिका में फिर शीर्ष स्थान हासिल

## दिल्ली ने 186 रन की बढ़त हासिल की

नई दिल्ली, 6 फरवरी (भाषा)।

विकेटकीपर बल्लेबाज अनुज रावत की शतकीय पारी से दिल्ली ने ग्रुप ए मुकाबले के तीसरे दिन गुजरात के खिलाफ स्टेप तक चार विकेट पर 228 रन बनाकर 186 रन की बढ़त हासिल कर ली।

दिल्ली ने पहली पारी में 293 रन बनाए थे। इसके जवाब में गुजरात ने सुबह चार विकेट पर 269 रन से आगे खेलते हुए 335 रन बनाए और पहली पारी के आधार पर 42 रन की बढ़त हासिल की। इसमें मनप्रीत जुनेजा (124 रन, 190 गेंद) और ध्रुव रावल (94 रन) के बीच पांचवें विकेट के लिए 221 रन की भागीदारी अहम रही।

कर लिया। पटना में खेले जा रहे मुकाबले में अरुणाचल प्रदेश ने बिहार के खिलाफ 222 रन की बढ़त बना ली है।

स्टेप तक अरुणाचल का स्कोर आठ विकेट पर 162 रन था, जिसने पहली पारी में 351 रन बनाए थे। बिहार की पहली पारी 291 रन पर सिमट गई थी।

## उच्च दक्षता केंद्र बनाएंगे साई और हॉकी इंडिया

जनसत्ता संवाददाता/ भाषा नई दिल्ली/भुवनेश्वर, 6 फरवरी।

भारतीय खेल प्राधिकरण और हॉकी इंडिया ने जूनियर और सब जूनियर खिलाड़ियों के लिए देश के सात शहरों में हाई परफॉर्मिंस केंद्र बनाने की घोषणा की है। यह कदम ओलंपिक 2024 और 2028 के लिए प्रतिभाओं को तैयार करने के मकसद से उठाया गया है।

दिल्ली के ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम पर राष्ट्रीय हॉकी अकादमी, सुंदरगढ़ (ओडीशा), भोपाल और बंगलुरु में साई केंद्र अगले तीन महीने में शुरू हो जाएंगे जबकि बाकी तीन केंद्र अगले एक साल में शुरू होंगे। हॉकी इंडिया और उसके हाई परफॉर्मिंस निदेशक इन पर नजर रखेंगे और खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के मौके भी दिए जाएंगे।

## पहली बार अंडर-19 विश्व कप फाइनल में बांग्लादेश

पोटचेप्सटूम, 6 फरवरी (भाषा)।

बांग्लादेश ने गुरुवार को न्यूजीलैंड पर छह विकेट की शानदार जीत से पहली बार आइसीसी अंडर-19 विश्व कप फाइनल में प्रवेश किया। यहां उसका सामना चार बार के चैंपियन भारत से होगा।

महमूदुल हसन जॉय ने 127 गेंदों में 100 रन की पारी खेली जिससे बांग्लादेश ने 212 रन का लक्ष्य 44.1 ओवर में चार विकेट पर 215 रन बनाकर हासिल कर लिया। न्यूजीलैंड ने बल्लेबाजी का न्यौता मिलने के बाद बेकहम व्हीलर-ग्रीनवाल के नाबाद अर्धशतक की बदौलत आठ विकेट पर

211 रन बनाए थे।

बांग्लादेश ने इस लक्ष्य का पीछा करते हुए अपने सलामी बल्लेबाजों के विकेट सरसे में गंवा दिए जिसके बाद हेसन जॉय ने तीसरे हृदय (40) के साथ तीसरे विकेट के लिए 68 रन की और फिर शहादत हुसैन (नाबाद 40) के साथ चौथे विकेट के लिए 101 रन की भागीदारी निभाई।

न्यूजीलैंड के लिए बेकहम व्हीलर-ग्रीनवाल नाबाद 75 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने 83 गेंदों का सामना करते हुए पांच चौके और दो छक्के जमाए। उनके अलावा निकोलस लिडस्टोन ने 74 गेंदों में दो चौके से 44 रन का अहम योगदान दिया।

**रविवार को भारत से होगी भिड़त**

# 70 वर्षों का भरोसा

31 दिसंबर, 2019 को समाप्त तिमाही एवं नौमाही का समीक्षित वित्तीय परिणाम

विवरण	31.12.2019 को समाप्त तिमाही (समीक्षित)	31.12.2019 को समाप्त नौमाही (समीक्षित)	31.12.2018 को समाप्त तिमाही (समीक्षित)
परिचालनों से कुल आय	297138	898825	284623
इस अवधि में शुद्ध लाभ/(हानि) (कर से पूर्व, असामान्य और / या असाधारण मदों के बाद)	12934	40236	-158456
इस अवधि में कर से पूर्व शुद्ध लाभ/(हानि) (असामान्य और / या असाधारण मदों के बाद)	12934	40236	-158456
इस अवधि में कर के बाद शुद्ध लाभ/(हानि) (असामान्य और / या असाधारण मदों के बाद)	11356	34243	-113925
इस अवधि में कुल व्यापक आय (इस अवधि के लिए (कर के बाद) लाभ/(हानि) समेत एवं अन्य व्यापक आय (कर के बाद))	11356	34243	-113925
इन्विटी शेयर पूंजी	906930	906930	303669
प्रारक्षित निधि (पुनर्मुल्यन प्रारक्षित निधि को छोड़कर जैसा कि पिछले वर्ष के लेखा परीक्षित तुलन पत्र में दर्शाया गया है)	314718	314718	471475
प्रति शेयर अर्जन (प्रत्येक शेयर रु.10/-का)(चालू और बंद किए गए परिचालन हेतु)	0.14	0.45	-3.75
	0.14	0.45	-3.75

कृते युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया

स्थान: कोलकाता अजीत कुमार दास संजय कुमार अशोक कुमार प्रधान  
दिनांक: 06-02-2020 कार्यपालक निदेशक कार्यपालक निदेशक प्रबंध निदेशक एवं सीईओ

टिप्पणी: उपर्युक्त सेबी के विनियमन, 2015 के विनियम 33 (सूचीकरण बाध्यताएं एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) के अंतर्गत स्टॉक एक्सचेंजों में दाखिल किए गए तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत फॉर्मेट का अंश है। तिमाही/नौमाही के वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट (BSE: [www.bseindia.com](http://www.bseindia.com) तथा NSE: [www.nseindia.com](http://www.nseindia.com)) और बैंक की वेबसाइट ([www.unitedbank.co.in](http://www.unitedbank.co.in)) पर उपलब्ध है।

Follow us on [www.facebook.com/UnitedBankOfIndiaOfficial](https://www.facebook.com/UnitedBankOfIndiaOfficial) <https://twitter.com/UnitedBankTweet>

**युनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया** (भारत सरकार का उपकरण) **United Bank of India** (A Govt. of India Undertaking) The Bank that begins with U

Website : [www.unitedbank.co.in](http://www.unitedbank.co.in)

## MARUTI SUZUKI ARENA

# FEBRUARY OFFERS

# फरवरी का स्वागत करें खुशियों के साथ.

मारुति सुजुकी को आज ही घर ले आएँ, बेमिसाल ऑफर्स के साथ.

Now **BS6** compliant

सीमित स्टॉक पर अतिरिक्त ऑफर्स भी उपलब्ध*	<b>WAGONR ₹32 500*</b> तक की बचत	<b>ALTO ₹43 000*</b> तक की बचत	<b>S-PRESSO ₹27 500*</b> तक की बचत
	<b>CELERIO ₹42 000*</b> तक की बचत	<b>EECO ₹37 000*</b> तक की बचत	

**WAGONR ALTO S-PRESSO CELERIO EECO**

E-book today at [www.marutisuzuki.com](http://www.marutisuzuki.com) or visit your nearest Maruti Suzuki dealership | For bulk orders, mail at: [anindya.sarkar@maruti.co.in](mailto:anindya.sarkar@maruti.co.in) (NCR); [abhinav.verma2@maruti.co.in](mailto:abhinav.verma2@maruti.co.in) (Delhi)

<b>T.R. Sawhney</b> (Sarawati Vihar) 9582263509	<b>D.D. Motors</b> (Peeragarhi) 25963535	<b>T.R. Sawhney</b> (Badli) 9999324333	<b>Rana Motors</b> (Prashant Vihar) 9711507777	<b>D.D. Motors</b> (Wazirpur) 27153999	<b>Krish</b> (Pitampura) 9999195977	<b>Rana Motors</b> (Tis Hazari) 9873477744	<b>Krish</b> (GT Karnal Road) 9999149577	<b>Fairdeal</b> (Budh Nagar) 7290009371	<b>Saya</b> (Azadpur) 47088888	<b>DD Motors</b> (Narela) 8873563171	<b>Competent</b> (Mahipalpur) 8377007979	<b>AAA Vehicleads</b> (Malviya Nagar) 9971500011	<b>Prem Motors</b> (Mahipalpur) 8745887458	<b>Rohan</b> (Chhatrapur Metro Station) 011-66764444	<b>D.D. Motors</b> (Okhla Ph-1) 40523000	<b>Bagga Link</b> (Kotla) 8826892666	<b>Rana Motors</b> (Safdarjung) 26712222	<b>Rohan</b> (Mathura Road) 9560036262
<b>T.R. Sawhney</b> (Amar Colony) 9999563333	<b>T.R. Sawhney</b> (LP Station) 9999399157	<b>Magic Auto</b> (Karol Bagh) 9650699556	<b>Competent</b> (C.P) 9582797749	<b>Competent</b> (Najafgarh) 9818444481	<b>Magic Auto</b> (Dwarka Sec-13) 9650445555	<b>Competent</b> (Dwarka) 9582797879	<b>AAA Vehicleads</b> (Mundka) 9650445555	<b>Competent</b> (Naraina) 9999137164	<b>TR Sawhney</b> (Shivaji Marg) 9582797748	<b>Competent</b> (Rajouri Garden) 9873781333	<b>Rana Motors</b> (Janakpuri) 011-47911111	<b>D.D. Motors</b> (Mayapuri) 41845000	<b>Magic Auto</b> (Sec-20, Dwarka) 9560677777	<b>T.R. Sawhney</b> (Rajouri Garden) 9873781333	<b>Competent</b> (Gazipur) 8377007977	<b>Bagga Link</b> (Patparganj) 9560036262	<b>T.R. Sawhney</b> (Gokulpuri) 9999399150	
<b>Magic Auto</b> (Freot Vihar) 011-49077777	<b>Fairdeal</b> (Bhajanpura) 7290009372	<b>Fair Deal Cars</b> (Shahdara) 9910894050	<b>Rohan</b> (Sec-1) 9873501288	<b>Vipul</b> (Sec-18) 8800091555	<b>Vipul</b> (Sec-63) 0120-4824000	<b>Fairdeal Cars</b> (Sec-10) 9999700944	<b>Rohan</b> (Udyog Vihar) 9971910523	<b>Rohan</b> (JMD Sikanderpur) 48454000	<b>Pasco</b> (UdyogVihar) 43957000	<b>Pasco</b> (Islampur Sohna Road) 40120000	<b>Competent</b> (Sec-29) 9582797739	<b>Rana Motors</b> (SCO Plot No-322 Sec-29) 42600000	<b>Pasco</b> (Silverton Sec-50) 7835003300	<b>Competent</b> (Sec-12) 9582797711	<b>Prem Motors</b> (32nd Milestone) 8750487504	<b>Auto Nation</b> (Mathura Road) 9899596002	<b>Vipul</b> (Ballabgarh) 9717073300	
<b>Rohan</b> (Palwal) 01275-304100	<b>Fairdeal Cars</b> (Piyali Chowk) 9582139824	<b>Vipul</b> (Mathura Road) 9999994707	<b>TCS Autoworld</b> (Neelam Chowk) 0129-4252525	<b>Platinum Motocorp</b> (Pataudi) 9953345311	<b>Platinum Motocorp</b> (Narnaul) 9053088437	<b>Platinum Motocorp</b> (IMT Chowk) 9953345312	<b>Rohan</b> (Farrukhnagar) 9582345444	<b>T.R. Sawhney</b> (Mohand Nagar) 9582192334	<b>Regent Auto</b> (Meerut Road) 7065191234	<b>Rohan</b> (Hapur) 0122-2313204	<b>Motorcraft</b> (Modi Nagar) 8057692222	<b>Rohan</b> (Mukund Nagar) 9650100045	<b>Motorcraft</b> (Sahibabad) 9650972222	<b>Pasco</b> (Alipur) 8683000956	<b>Auto Vibes</b> (Kosli) 7082010000	<b>Auto Vibes</b> (Bawal) 01259-275300	<b>Rohan</b> (Delhi Road) 05732-281900	

\*Terms & Conditions apply. Terms & conditions are subject to change without any prior notice. All Offers are brought to you by Maruti Suzuki dealers only. Total savings include cash discount (on selected models & variants), exchange bonus (on selected models & variants), ISL offer (for select Govt. & Corporate employees on select model & variants). Savings shown above are applicable on New Alto, Celerio (Petrol), S-Presso, WagonR (Petrol), Eeco (all variants). Offers/Savings shown above may change without prior notice. \*Additional offers on limited stock applicable only on 2019 make vehicles. BS6 compliance available on select models & variants only. Accessories/colors/features shown may not be part of standard equipment and are for indicative purpose only. Car model and accessories shown may vary from actual product. Black gloss on vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purpose only. Color shown may vary from actual body color due to printing on paper. All offers are valid till stock lasts. All Offers are valid till 29<sup>th</sup> February 2020 only.

रजिस्ट्रेशन नं. डी.एल.-21047/03-05, आरएनआई नं. 42819/83, वर्ष 37, अंक 82, हवाई शुल्क: इफ्ल-पॉच रूप, गुवाहाटी-चार रूप, रायूर-दो रूप और पटना-एक रूप।  
दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के लिए आर. सी. मल्लोत्रा द्वारा ए-8, सेक्टर 7, नोएडा- 201301, जिला गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित और मेजनीन फ़ोर, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9-10, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित। फोन: (0120) 2470700/2470740, ई-मेल: [edit.jansatta@expressindia.com](mailto:edit.jansatta@expressindia.com), फ़ैक्स: (0120) 2470753, 2470754, बोर्ड अध्यक्ष: विवेक गोयनका, कार्यकारी संपादक: मुकेश भारद्वाज, \*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेवार। कॉपीराइट: दि इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड। सर्वाधिकार सुरक्षित। लिखित अनुमति लिए बिना किसी अंश का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता।